

जयगुरुदेव आवाज़

भविष्यवाणियों की एक झलक





1971

जयगुरुदेव आध्यात्मिक साहित्य संस्थान, सतगुरु धाम, नैमिषारण्य

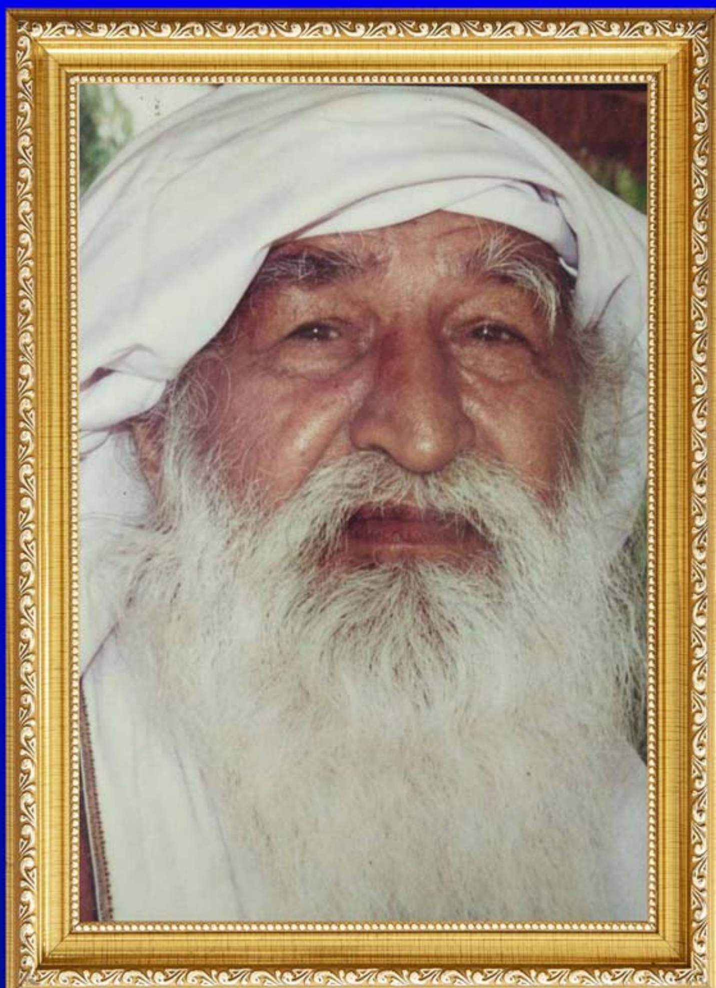
!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!



आप सभी शाकाहारी हो जायें

आगे समय बहुत खराब आ रहा है

!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!



विश्व को सच्ची सुख शांति इन्ही से मिलेगी

!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!

भविष्यवाणियों की एक झलक

परम पूज्य स्वामी बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के चरणों में समर्पित जयगुरुदेव आध्यात्मिक साहित्य संस्थान का द्वितीय पुष्प ''भविष्यवाणियों की एक झलक''

प्रचारप्रसार महाअभियान दिवस

(6 नवम्बर) पर प्रकाशित की गयी थी ।

नोटः- इस पुस्तक में बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के मुख्यतः सन् 1971 की भविष्यवाणियां है। अन्य वर्षो की भविष्यवाणियां अगले पुस्तक में मिलेगी। ये पुस्तक ''भविष्यवाणियों की एक झलक'' की पहली सीरीज है।

जयगुरुदेव आध्यात्मिक वैंचारिक प्रचार समिति
जयगुरुदेव आध्यात्मिक आश्रम गुरुद्वारा सतगुरु धाम
नैंमिषारण्य, जिला - सीतापुर (उ0 प्र0)

युग पुरुष परम संत बाबा जयगुरुदेव जी महाराज की भविष्यवाणियां

भविष्यवाणियों

की

एक झलक

प्रकाशक

जयगुरुदेव आध्यात्मिक साहित्य संस्थान

जयगुरुदेव आश्रम, सतगुरु धाम,
नैमिषारण्य नया बस अड्डा के समीप, नैमिषारण्य
जिला - सीतापुर (उ0 प्र0)

पहला संस्करण 2021
दूसरा संस्करण 20220

कम्प्यूटर कम्पोजिंग :
गुरुकृपा इन्टरप्राइजेज
मो0 : +91 8789507714

धर्मार्थ मूल्य - 30/-

जयगुरुदेव आध्यात्मिक वैचारिक प्रचार समिति द्वारा संचालित

नोट :- बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के सभी पत्रिकाओं एवं पुस्तकों को www.jaigurudevsatgurudham.org से प्राप्त कर सकते हैं।

फोन :- 7562802022, 8840461279, 9259334175
Email : jaigurudevsatgurudham@gmail.com

विषय सूची

विषय सूची

!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!

परम पूज्य बाबा जयगुरुदेव जी महाराज



!! विनय !!

मेरे प्यारे गुरु दातार, मंगता द्वारे खड़ा।

मैं रहा पुकार पुकार, मेहर कर देखो जरा।

मोहे दीजै भक्ति दान, काल दुःख बहुत दिया।

मेरे तड़प उठी हिय माहिं, दरस को तरस रहा।

बरसाओ घटा अपार, प्रेम रंग दीजै बहा।

सुर्त भीजै अमी रस धार, तन मन होवे हरा।

मेरा जीवन सुफल होइ जाय, तुम गुन गाऊं सदा।

मैं नीच अधम नाकार, तुम्हरे द्वारे पड़ा।

मेरी विनती सुनो धर प्यार, घट उमगाओ दया।

स्वामी जी पिता हमार, जल्दी पार करें।

जयगुरुदेव स्वामी जी पिता हमार, अबकी पार करें।

मेरे सतगुरु दीन दयाल, सबको पार करें।

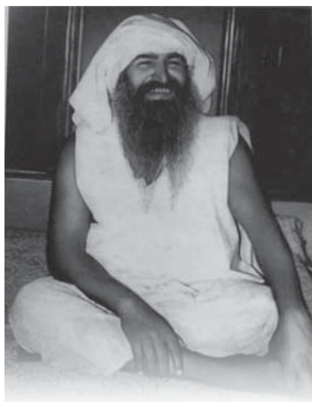
मेरे प्यारे गुरु दातार, मंगता द्वारे खड़ा।

मैं रहा पुकार पुकार, मेहर कर देखो जरा।



जयगुरुदेव नाम प्रभु का

कलयुग जा रहा है ! **सतयुग आ रहा है !!**



परम पूज्य तुलसी दास जी महाराज



संत कबीर दास जी महाराज

संत कबीर दास जी की भविष्यवाणी

'हंसा घबड़ईहो मत, हम फिर आवेंगे'

काशी धाम मुक्ति का नाका, तहां हम यज्ञ करावेंगे । हंसा ॥

चार वर्ण छत्तीस जाति में, हम घर-घर अलख जगावेंगे । हंसा ॥

अबकी जगईहो कोरी चमारा, और फिर जईहो राजन दरबारा। हंसा॥

गुरु नाम का डंका लेकर, हम शब्द का ढोल बजावेंगे । हंसा ॥

कोटीन जीव को त्रास देख हम, डूबत हंस बचावेंगे । हंसा ॥

आदि सनेही जितने जीव हैं , वे ही हमें पहचानेंगे । हंसा ॥





संत रविदास जी महाराज

संत रविदास जी की भविष्यवाणी

पोथी १

एक बार रविदास ज्ञानी, कहन लगे सुनो अटल कहानी।
कलयुग बात सांच अस होई, बीते सहस्त्र पांच दस दोई।
भरमावे सब स्वारथ के काजा, बेटी बेच तजे कुल लाजा।
नशा दिखावें घर में पूरा, मात-बहन का पकड़े जूरा।
अण्डा-मांस मछलियां खावें, भिक्षा कर अति पाप कमावें।
जबरी करिहैं भोग विलासा, सज्जन मन अति होय निरासा।
पर नारी को गले लगइहैं, नारी भी अति आतंक मचइहैं।
अपने पति को मार भगइहैं, पर प्यारे को गले लगइहैं।
कर्म देख पृथ्वी फटि जइहैं, अम्बर भी दरारे खइहैं।
अति भीषण क्रांति की ज्वाला, तामें कूद पड़े मतवाला।
जब देश आजाद होई जइहैं, वो शक्ति जाकर छुप जइहैं।
धरे वेष साधु का न्यारा, गुरु नाम का करें परचारा।
बल्कल (टाट बोरा) का वस्त्र पहिनइहैं, साधन भजन सबसे करवइहैं।
ऐसा मंदिर एक बनवइहैं, जो भूमण्डल पर कहीं न दिखइहैं।
पंचम कलश अनोखी मूरत, झंडा स्वेत सुरीली सूरत।
गुरु नाम से सब जग जाने, उनको परम पूज्य अति मानें।
सत्य पंथ का करि परचारा, देश धर्म का करि विस्तारा।
करै संगठन बनि ब्रह्मचारी, उन समान कोई न उपकारी।
अस कहि मौन भये रविदासा, विनय पूर्ण मुनि प्रेम प्रकासा।



संत रविदास जी महाराज

पोथी २

भारत में अवतारी होगा, जो अति विस्मयकारी होगा ।
ज्ञानी और विज्ञानी होगा, वो अद्भुत सेनानी होगा ।
जीते जी कई बार मरेगा, छद्म वेष में जो विचरेगा ।
देश बचाने के लिए होगा एक आवाहन,
युग परिवर्तन के लिए चले प्रबल तूफान ।
तीनों ओर से होगा हमला, देश के अन्दर द्रोही घपला ।
सभी तरफ कोहराम मचेगा, कैसे हिन्दुस्तान बचेगा ।
नेता मंत्री और अधिकारी, जान बचाना होगा भारी ।
छोड़ सब मैदान भगेंगे, सब अपने-अपने घर में दुबकेंगे ।
जिन-जिन भारत मात सताई, जिसने इसकी करी लुटाई ।
ढूंढ़ ढूंढ़ कर बदला लेगा, सब हिसाब चुकता कर देगा ।
चीन अरब की धुरी बनेगी, विध्वंसक ताकत उभरेगी ।
सभी तरफ संगीन लड़ाई, घाटे में होंगे ईसाई ।
ईटली में कोहराम मचेगा, लंदन सागर में डूबेगा ।
युद्ध तीसरा अति प्रलयंकारी, जो होगा भारी संहारी ।
भारत होगा विश्व विजेता, भारत होगा विश्व का नेता ।
दुनिया का कार्यालय होगा, भारत में न्यायालय होगा ।
तब सतयुग दर्शन आएगा, संत राज सुख बरसाएगा ।
सहस्त्र वर्ष तक सतयुग लागे, विश्व गुरु बन भारत जागे ।



!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!



संत सूरदास जी महाराज



परम पूज्य
तुलसी दास जी महाराज

संत सूरदास जी महाराज की भविष्यवाणी

रे मन धीरज क्यों न धरे।
एक सहस्त्र नौ सौ के ऊपर ऐसो योग परे ।
शुक्ल जयनाम संवत्सर, छट सोमवार परे ।
हलधर पूत पवार घर उपजे, देहरी छत्र धरे ।
मलेच्छ राज्य की सगरी सेना, आप ही आप मरे ।
सूर सबहि अनहोनी होइहै, जग में अकाल परे ।
हिंदू मुगल तुरक सब नाशै, कीट पतंग जरे ।
सौ पे शुन्न (शून्य) के भीतर, आगे योग परे ।
मेघनाद रावण का बेटा, सो पुनि जन्म धरे ।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण, चहुँ दिशि काल फिरे ।
अकाल मृत्यु जग माहीं ब्यापै, परजा बहुत मरे ।
दुष्ट दुष्ट को ऐसा काटे, जैसे कीट जरे ।
एक सहस्त्र नौ सौ के ऊपर, ऐसा योग परे ।
सहस्त्र वर्ष लों सतयुग बीते, धर्म की बेल बढ़े ।
स्वर्ण फूल पृथ्वी पर फूले, पुनि जग दशा फिरे ।

सूरदास यह हरि की लीला, टारे नाहिं टरे ।
संवत दो हजार के ऊपर छप्पन वर्ष चढ़े ।
माघ मास संवत्सर व्यापे, सावन ग्रहण परे ।
उड़ि विमान अम्बर में जावे, गृह गृह युद्ध करे ।
मारूत विष फैंके जग माहिं, परजा बहुत मरे ।
द्वादस कोस शिखा हो जाकी, कंठ सूं तेज भरे ।
सूरदास होनी सो होई, काहे को सोच करे ।
संवत दो हजार के ऊपर छप्पन वर्ष चढ़े ।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण, चहुं दिस काल फिरे ।
अकाल मृत्यु जग माहिं व्यापै, परजा बहुत मरे ।
सहस्त्र वर्ष लगि सतयुग व्यापै, सुख की दशा फिरे ।
स्वर्ण फूल बन पृथ्वी फूले, धर्म की बेल बढ़े ।
काल ब्याल से वही बचे, जो गुरु का ध्यान धरे ।
सूरदास हरि की यह लीला, टारे नाहिं टरे ।





Jaigurudev nam prabhu ka

प्रो0 हरार की भविष्यवाणी

प्रोफेसर हरार का जन्म इसरायल के एक धर्मनिष्ठ यहूदी परिवार में हुआ था। अपनी अचूक और शत प्रतिशत सत्य भविष्यवाणियों के लिये वे विश्व में विख्यात हैं। उन्होंने 'नवयुग आएगा' सम्बन्धी एक विचार गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त किये थें। उन्होंने कहा ' रात्रि का प्रथम प्रहर-जब मैं प्रगाढ़ निद्रा में होता हूं, स्वप्न में एक दिव्य पुरुष के दर्शन करता हूं। किसी जलाशय के निकट बैठे हुए इस योगी के मस्तक में जहां दोनों भौंहें मिलती हैं मुझे अर्ध चन्द्र के दर्शन होते हैं। उसके बाल श्वेत, शुभ्र वेष-भूषा, वर्ण गौर तथा पैरों में चर्म-विहीन पाहन या पादुकायें होती हैं। उसके आस-पास अनेक सन्त सज्जन व्यक्तियों की भीड़ दिखाई देती है। उनके मध्य में जलती हुई छोटी बड़ी ज्वालायें देखता हूं। यह लोग कुछ बोलते हुये अग्नि में कुछ वस्तुयें छोड़ते हैं। उसके धुयें से आकाश छा रहा है। सारी दुनिया के लोग उधर ही दौड़े आ रहे हैं उनमें से कितने ही कष्ट-पीड़ित, अपंग और अभाव-ग्रस्त भी होते हैं। वह दिव्य देह धारी पुरुष उन सबको उपदेश कर रहा है उससे सबके मन में प्रसन्नता भर रही है लोगों के कष्ट दूर हो रहे हैं। लोग आपस के राग द्वेष भूलकर परस्पर मिल-जुल रहे हैं, स्वर्गीय सुख की वृष्टि हो रही है। धीरे-धीरे यह प्रकाश उत्तर की ओर बढ़ रहा है और किसी पर्वत के ऊपर दिव्य सूर्य की तरह चमकने लगता है। वहां से प्रकाश की किरणें वर्षा के जल की भांति उठती हैं और सारे पृथ्वी मंडल को आच्छादित कर लेती हैं। बस यहीं आकर स्वप्न का अन्त हो जाता है।

प्रोफेसर हरार का कहना है कि ऐसे किसी दिव्य पुरुष का जन्म भारतवर्ष में हुआ है। वह 1970 तक अध्यात्म क्रांति की जड़ें बिना किसी लोक यश के भीतर ही भीतर जमाता रहेगा और उसके बाद उसका प्रभुत्व सारे एशिया और विश्व में छा जाएगा। उसके विचार इतने मानवतावादी और दूरदर्शी होंगे कि सारा विश्व उसके कथन को सुनने और मानने को बाध्य होगा। जब कि विज्ञान सारे विश्व में से धर्म और संस्कृति को नष्ट करके चौपट कर देगा तब वह धार्मिक क्रांति

का सूत्रपात करेगा और लोग ईसा के जन्म से पूर्व की तरह अग्नि, जल, वायु, आकाश, सूर्य और नैसर्गिक तत्वों के उपासना के महत्त्व को समझने लगेंगे। अरब और इसरायल के युद्ध की घोषणा उन्होंने काफी समय पूर्व कर दी थी। उनका कहना था कि प्रारम्भ की टक्कर बहुत जोरदार होगी। अरब का बहुत सा भाग छिन जाएगा। फिर जॉर्डन, सीरिया, मिश्र आदि मिल कर भी उसे वापस नहीं ले सकेंगे। पहली टक्कर में इसरायल की जोरदार जीत होगी फिर छिटपुट युद्ध चलता रहेगा। सन् 1979 में एक बार फिर जोरदार टक्कर होगी। इस युद्ध में धर्म के नाम पर अरब, शेष विश्व के अधिकांश इस्लामी देशों को संगठित कर लेगा। इसरायल, अमेरिका, ब्रिटेन आदि की मदद से अरबों पर बुरी तरह से टूट पड़ेगा और इस युद्ध में मुसलमानों की जन संख्या घट कर संसार के सभी जातियों से कम हो जाएगी। इस तरह इस्लाम संस्कृति का पूरी तरह अंत हो जाएगा।

सन् 1970 से 2000 तक तीव्र राजनीतिक परिवर्तन होंगे। ब्रिटेन, लंका, रूस, फ्रांस और भारतवर्ष में अप्रत्याशित रूप से सरकारें बदलेंगी भारतवर्ष में भी युद्ध होगा। मित्र जैसे दिखाई देने वाले पड़ोसी देश आक्रमण करेंगे या आक्रमण के समय मौन रहेंगे। अधिकांश प्रतिपक्ष का समर्थन करेंगे। प्रजातंत्र होते हुए भी अधिकांश राज्यों में राष्ट्रपति का शासन होगा। सन् 1972 के बाद नेतृत्व उन लोगों के हाथ में होगा जिनकी पहले लोगों ने कल्पना भी न की होगी। वे लोग वीर होने के साथ-साथ धर्म निष्ठ होंगे।

प्रोफेसर हरार के अनुसार रूस और चीन में जबरदस्त टक्कर होगी। चीन आणविक अस्त्र शस्त्रों के अतिरिक्त एक नई युद्ध प्रणाली जर्म्स वार (इस युद्ध में दुश्मन देशों में बीमारियों के कीटाणु फैला दिये जाते हैं जिससे तीव्र बीमारियां फैलती हैं और लोग बिना युद्ध के मरने लगते हैं) की शुरुआत करेगा। रूस चीन का मुँह तोड़ जवाब देगा। और उसकी अब तक की समस्त वैज्ञानिक प्रगति को नष्ट भ्रष्ट कर देगा। इस बीच तिब्बत स्वेच्छा से भारत से संबंध कर लेगा।

सन् 1980 तक सारे संसार की स्थिति विश्व युद्ध जैसी हो जायेगी। उसमें अधिकांश छोटे छोटे देश टूटकर बड़े देशों में विलीन हो

जायेंगे। भारतवर्ष इन सबका अगुआ होगा। संयुक्त राष्ट्रसंघ अमेरिका से टूटकर भारतवर्ष चली आयेगी। वहाँ उसका नये सिरे से संगठन होगा। भारतवर्ष चिरकाल तक उसका अगुआ और अध्यक्ष बना रहेगा। भारतवर्ष कई विलक्षण आयुधों का निर्माण करेगा। हिमालय में किसी गुप्त खजाने और बहुमूल्य सांस्कृतिक उपादानों का गुप्त भंडार मिलेगा। हिमालय के अधिकांश भाग में आबादी हो जायेगी। वह देश दुनियां का सबसे बड़ा पर्यटन स्थल होगा। रूस, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस व जर्मनी जैसे देश मिलकर भी आज जो वैज्ञानिक खगोलीय सफलतायें अर्जित नहीं कर सके, वह भारतवर्ष अकेले ही कर लेगा। इस भारतवर्ष की उन्नति के लिये लोग दांतों तले उंगली दबायेंगे। सबसे आश्चर्य की बात यह होगी कि यह सब धार्मिक विचार वाले लोगों के द्वारा होगा। सारी दुनिया के लोग भारतीयों के समान शाकाहारी होंगे। दुनिया में एक ऐसी भाषा का विस्तार होगा जो आज सबसे कम बोली व पढ़ी जाती है।



एन्डरसन की भविष्यवाणी

अमेरिकी भविष्यवक्ता एन्डरसन को कौन नहीं जानता है। उनका कहना है कि साइबेरिया के मैदान में रूस अथवा चीन के द्वारा कोई आणविक परीक्षण होगा जिससे वहां की भूमि फट जावेगी और लाखों लोग मर जावेंगे। इस विस्फोट से पृथ्वी का आकार बदल जायेगा। समुद्रों में भारी तूफान उठेंगे। भीषण व असह्य ताप से सारे संसार में त्राहि त्राहि मच जावेगी। जनता में हाहाकार छा जावेगा। कई भीषण भूकम्प व तूफान आवेंगे। अति वृष्टि के कारण लाखों लोग बेमौत मारे जावेंगे।

चीन नष्ट कर दिया जावेगा। अमेरिका की स्थिति बड़ी भयानक हो जावेगी। सन् 1980 तक चीन द्वारा अमेरिका के किन्ही दो बड़े नगरों पर अणु बम गिराये जायेंगे और वे नगर नष्ट हो जायेंगे। चीन को नष्ट करने के लिये रूस और अमेरिका एक हो जायेंगे और उसे पूरी तरह

नष्ट भ्रष्ट कर देंगे। वहां थोड़े लोग रह जायेंगे जिनकी सहायता भारत करेगा।

रूस व अमेरिका का यह आक्रमण तीसरे महायुद्ध के रुप में होगा। इस युद्ध में आतंकवादी देश, व्यक्ति व शक्तियाँ पूरी तरह से नष्ट हो जायेंगी, इसके बाद विश्व में शांति होगी। राष्ट्रसंघ के समान एक और संस्था की स्थापना होगी।

सन् 1970, 71 व 72 ये वर्ष विश्व के लिये बड़े विनाशकारी व दुखदाई सिद्ध होंगे। मुस्लिम राष्ट्रों में भारी कलह होगा। संसार के समस्त मुस्लिम राष्ट्रों में आपसी संघर्ष बड़े परिणाम में होंगे। इन राष्ट्रों में भीषण रक्तपात व युद्ध होंगे।

इन्ही वर्षों में विश्व के समस्त देशों के राजनैतिक प्रमुखों का जीवन भारी खतरे में रहेगा। वर्तमान राजनैतिक नेताओं का महत्व व प्रभुत्व घटता चला जायेगा। कई देशों में आतंकवादी नीच व बुरे लोगों को नष्ट करने के लिए कई शक्तियां कार्यरत हो जावेंगी।

खरे लोगों का समय आवेगा। संसार में एक नई लहर फैलेगी। ईमानदार, धार्मिक व सच्चे लोगों को महत्व दिया जाने लगेगा। नीच व कुटिल लोगों के बुरे दिन आवेंगे।

समाचार पत्रों में भी क्रांतिकारी परिवर्तन होगा। सेवा, त्याग, साहस, उदारता व मानवता की भावनाओं को समाचार पत्रों द्वारा महत्व दिया जावेगा।

भारत से पुनः सुख शांति की किरणें फूटेंगी। इस सुख शांति व क्रांतिकारी परिवर्तन का कारण भारतवर्ष होगा। भारत के छोटे से देहात में जन्मे एक परम धार्मिक व्यक्ति का प्रभाव भारत ही नहीं सारे विश्व में फैल जावेगा। वह व्यक्ति मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति बनेगा। जनता उसे बहुत मानेगी। उस व्यक्ति को इतना जन समर्थन व शक्ति प्राप्त होगी कि संसार के किसी भी राष्ट्र के पास उतनी शक्ति नहीं होगी। वह व्यक्ति समस्त विश्व के लिये आदर्श संविधान का निर्माण करेगा। संविधान के अनुसार सारे संसार की एक भाषा, एक संघीय राज्य, एक सर्वोच्च न्यायपालिका, एक झंडा आदि का विधान होगा। इस व्यक्ति के प्रभाव से सारे विश्व में एक अपूर्व सुख शांति छा जावेगी व मनुष्यों में संयम, सदाचार, न्याय, नीति, त्याग, मानवता, सहिष्णुता आदि गुणों को जीवन में उतारने की

जयगुरुदेव नाम प्रभु का



होड़ लग जावेगी। सर्वत्र आनन्द छा जावेगा। आज जनता कल्पना भी नहीं कर सकती कि इस प्रकार का धर्म, प्रेम व मानव प्रेम विश्व में छा जावेगा। भारतवर्ष का वह महापुरुष अपने अपूर्व मानव प्रेम व महानता से सारे विश्व को परम सुखदायी स्वरूप में परिवर्तित कर देगा। उसके द्वारा भारत की संस्कृति व धर्म के सिद्धान्तों का व्यापक प्रचार होगा।

भविष्य के समय का परिचय, विश्व और भारत का भविष्य
स्वामी तुलसीदास जी की १० वर्षीय भविष्यवाणी

सन् 1954 में स्वामी जी ने अपने मुखारबिन्द से अपार जन समूह के बीच प्रयाग में कहा कि आगे समय में आम स्त्री पुरुषों, बच्चे बच्चियों के चरित्र गिर जायेंगे, दिन प्रतिदिन लोगों का विश्वास पापों की तरफ हो जायेगा। मांस मछली अण्डे बहु संख्या में लोग खुले रूप में खाने लगेंगे। शराब, ताड़ी, भांग, गांजा, अफीम आम लोग पीने लगेंगे, माता पिता के सम्पर्क में बच्चे बच्चियां शराब व मादक, नशीली वस्तुयें पीने लगेंगी। काम आग से लोगों की लज्जा चली जायेगी। बुद्धि नष्ट होने से लोग स्वार्थ में पूर्णरूप से रत होंगे, चोरी चमारी लूटपाट, कतल आदि बहुत बढ़ जायेंगे। जन संख्या कम करने की एक नई योजना विदेश द्वारा भारत में आयेगी। टैक्स अधिक बढ़ेंगें। प्रतिवर्ष कानून में संशोधन होता रहेगा। धर्म धर्म के लोग लड़ेंगे, समाजों के लोग लड़ेंगे, पार्टियों पार्टियों के लोग आपस में लड़ेंगे। एक दूसरे पर किसी का विश्वास नही रहेगा। परिणाम स्वरूप सरकारों में हेर फेर होगा, अधि ाकतर सब प्रांतो में राष्ट्रपति शासन रहेगा।

रूस, चीन और अमेरिका में विनाशकारी युद्ध

1972 के अन्दर मौजूदा कांग्रेस समाप्त हो जायेगी। नये नाम की संस्था होगी, सन् 1976 के बाद वह भी समाप्त हो जायेगी। सभी लोगों का जीवन दुख मय होगा, सभी लोग छोटे बड़े रिश्वत लेने लगेंगे। राज्य भय सब के अन्दर से निकल जायेगा। विद्यार्थी गण संघर्ष में उतरेंगे। भारत वासी महान दुखी दरिद्र अशान्त रोते हुये दिखाई देंगे। जमीनों का हेर फेर होगा, राजाओं के राज्य समाप्त होंगे। सोना 300/- रुपया से ऊपर हो जायेगा। चांदी 20/- रुपया तोला होगी। अन्य ६

ाातुयें बहुत महंगी होंगी। कपड़े खाने के सामान बहुत मंहगें मिलेंगे। तूफान भूकम्प आयेगा, वर्षा बहुत होगी, बीमारी फैलेगी, पड़ोसी देश से लड़ाई होगी, नुकसान अधिक होगा। दूसरे देश भारत को छोड़ कर दूसरे की सहायता करेंगे। रूस व चीन में विवाद होगा, चीन अमेरिका में मनमुटाव होगा, बहुत से शहर अमेरिका के नष्ट होंगे। अमेरिका में चीन के प्रति भारी क्रोध फैलेगा। मुंह तोड़ जवाब अमेरिका देगा और भारी जन हानि कर देगा। चीन में थोड़े लोग रह जायेंगे, उनकी सहायता भारत करेगा। तिब्बत भारत का अंग बन जायेगा।

मुस्लिम राष्ट्रों मे भारी कलह होगा

मुसलमान आपस में लड़ेंगे। सन् 1971 में नर संहार पूरब में होगा, इसके बाद पश्चिम में होगा। मुसलमानों में आपसी बैर भाव उस सीमा तक बढ़ेंगे कि कोई किसी का सुनने वाला नहीं होगा। अन्त में 1980 के अन्दर मुसलमानों की जन संख्या घट कर सब जातियों से कम रह जायेगी। गरीबी दूर नही होगी। भारतवर्ष संकट में रहेगा। सन् 1980 से 2000 तक संसार में तीव्र राजनीतिक परिवर्तन होंगे। पाकिस्तान, ब्रिटेन, लंका, रूस, फ्रान्स और भारत में अप्रत्याशित रूप से सरकारें बदलेंगी। इजरायल अरब देशों के समानान्तर अक्षांश पर होने के कारण भारत वर्ष की स्थिति भी ठीक वैसे ही होगी। यहां भी युद्ध होंगे, मित्र जैसे दिखाई देने वाले पड़ोसी देश आक्रमण करेंगे या आक्रमण के समय मौन रहेंगे। अधिकांश प्रतिपक्ष का समर्थन करेंगे। प्रजातन्त्र होते हुये भी अधिकांश राज्यों में राष्ट्रपति शासन रहेगा। मंगोलिया व साइबेरिया के प्रश्न को लेकर चीन और रूस में जबरदस्त मुठभेड़ होगी। दोहरी वार से बचने के लिए चीन भारत से मैत्री का आडम्बर रचेगा।

दिव्यपुरुष क्या-क्या करेगा?

ऐसे दिव्यपुरुष का जन्म भारतवर्ष में हो गया है जो गऊ का काटना बंद कर देगा, राष्ट्रभाषा हिन्दी संस्कृत कर देगा। परिवार नियोजन बंद कर देगा। मांस, मछली, अण्डों की दुकानें सभी शहरों में बंद कर देगा। शराब ताड़ी की दुकानें बंद कर देगा। होटलों डाइनिंग

कारों में मांस मछली अण्डे पकना बंद कर देगा। सभी सिनेमों को भारत में बंद कर देगा। रिश्वत बंद कर देगा और पुलिस का वेतन 300 /- कर देगा। प्राइमरी स्कूल के अध्यापकों, पेशकारों, क्लर्कों का वेतन 300/- कर देगा। प्रत्येक मजदूर की 8/- प्रतिदिन मजदूरी करेगा। स्कूलों के बच्चे स्कूल से निकलते ही नौकरी या काम पा जायेंगे। कोई अफसर मांस, मछली, अण्डे, शराब, ताड़ी नहीं खायेंगे पियेंगे, रिश्वत नहीं लेंगे। जो लेंगे वह निकाल दिये जायेंगे। किसानों का आधा कर्ज माफ कर देगा। चोरी लूटपाट, हत्या ग्राम व शहरों में बंद कर देगा। वह जमाना लाकर दिखायेगा जिसकी अभी तक कल्पना भी लोगों के मस्तक में नहीं है।

जो महापुरुष पैदा हुआ है वह धर्म का महान होगा। भारत ही नहीं सारे विश्व के लोग उसकी बात सुनेंगे न्याय की एक संहिता बनायेगा, एक झण्डा होगा। इस व्यक्ति को इतना जनसमर्थन प्राप्त होगा कि सारे दुनिया के लोग दांतों तले उंगली दबायेंगे, इस व्यक्ति के प्रभाव से सारी दुनिया के लोग हिन्दू धर्म को कबूल करेंगे। जो यह व्यक्ति कहेगा उसी को सभी जातियों के लोग, समाजों के लोग, राजनीतिक लोग और धर्म के लोग कहेंगे। इस व्यक्ति के शान्ति, आनन्द सेवा समानता के प्रभाव से सब बह चलेंगे। इसके विचार बहुत गुप्त होंगे, यह व्यक्ति अपनी अन्दरूनी इच्छा को किसी के सामने जाहिर नहीं करेगा। सन् 1972 के नवम्बर तक इस व्यक्ति के लिए लोगों में शंका रहेगी पर दिसम्बर 1972 के अन्त में उसकी चर्चा सब ग्रामों व शहरों के हर जाति के मनुष्यों में होने लगेगी। सरकारी पदाधिकारी इनकी बात पर गंभीरता पूर्वक विचार करने लगेंगे। लोगों में एक लहर दौड़ने लगेगी कि हम चरित्रवान बनें और बुरे कर्मों को छोड़ें।

सन् 1970 में वह धर्म का बीज लगा देगा। सन् 1971 में द्वितीय चरण को पूरा कर अपनी जमीन हरी भरी कर लेगा। दुनियां के लोगों में एक आशा की लहर दौड़ा देगा इस व्यक्ति के आचार विचार में आडम्बर नहीं होगा, सभी को लोकप्रिय होगा। गरीबों से विशेष प्रेम सम्बन्ध करेगा। हर कार्य इस महापुरुष का अनोखा होगा। वह सफेद वस्त्र धारी होगा। अहिंसा का पूर्ण मानव पुजारी होगा। वह व्यक्ति

किसी की नकल नहीं करेगा। 20 करोड़ नर–नारियों को सन् 1972 तक जगा देगा। बाहर से सादा होगा पर अंदर से पूरा विचारशील और शान्तिदायक होगा। इसके आँखों में चमत्कार होगा, दया का संचार आँखों से करेगा। जो कुछ भी करना होगा वह सब इस पुरुष की आँखों से होगा। देश और दुनियां के लिए यह पुरुष अपने ढंग का निराला होगा। यह पुरुष सतयुग लाकर दिखलायेगा। सन् 1970 से 1981 तक का समय महान भयंकर होगा। लाशों पर लाशें पड़ी रहेंगी पर उठाने वाले नहीं मिलेंगे। यह बीमारी अन्य प्रकोपों से भयंकर दशा को पहुँच जायेगी। दिल्ली से राजधानी हटा दी जायेगी। सच्चों को पूर्ण मान्यता मिलेगी। सच्चे तरक्की पायेंगे।

अमीर गरीबों में कुछ ही अन्तर रहेगा। विचारों में सब सामान्य रहेंगे। दुख दर्द न रहेगा। विद्वानों का पूर्ण सम्मान होगा। सरकारी कर्मचारी सब निरामिषरहेंगे, शराब ताड़ी से लाखों कोस दूर होंगे।

सन् 1981 से सन् 2000 के बीच का समय भारत के उन्नति का होगा। भारत अपने पैरों पर खड़ा होकर पूर्ण विज्ञान व अर्थ में पूर्ण शक्तिशाली हो जायेगा। विशेष बात यह होगी कि सभी लोग ध ार्मनिष्ठ और शाकाहारी होंगे।



10 जून 1960, उरई

10 जूअभी एक भूकम्प बहुत बड़ा आने वाला है

1. अब आप अपनी डायरियों में नोट कर लें कि अभी एक भूकम्प बहुत बड़ा आने वाला है, जिसके सम्मुख यह अमेरिका का भूकम्प नहीं के बराबर होगा। यह भूकम्प 2 बजकर 10 मिनट पर आयेगा। लोगों को भागने का मौका तक न मिलेगा। रजाई में मुँह ढंककर सोते रहेंगे और दो सेकेण्ड में मामला साफ हो जायेगा। केवल वे लोग बचेंगे, जो सदाचारी और धर्म परायण होंगे। वह परम दयालु भगवान बड़ा न्यायी है। वह सबके कर्मों का फल उचित रूप से दे देता है। तो आप अब से भी चेत जाइए और अनाचार, अधर्म का रास्ता छोड़कर सबको सुख पहुँचाने वाला सदाचार और धर्म का रास्ता अपना लीजिए।**न 1960,**



परम पूज्य स्वामी जी महाराज प्रेमियों के साथ

उरई

22 दिसम्बर 1963, लखनऊ
जनसंख्या 40 करोड़ से 15 करोड़ तक हो जायेगी

2. विश्व भर में आज कल पाप इतने अधिक मात्रा में होने लगे हैं कि सम्भव है कि निकट भविष्य में अमेरिका, इगलैंड, फ्रांस, रूस, जापान, चीन एवं भारत आदि राष्ट्र परस्पर के युद्ध में एक दूसरे को हानि पहुंचा सकते हैं परन्तु एक बात याद रक्खो कि अब भारत पर किसी भी विदेशी सत्ता का शासन नहीं होगा। विश्व मात्र में धर्म की हानि एवं नैतिक पतन होने के कारण अवतारी शक्तियों ने बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब आदि प्रांतों में जन्म ले लिया है जो कि समय आने पर अपने कार्य में लग जायेंगी। इसके फलस्वरूप निकट भविष्य में विश्व के समकालीन ढांचे में एक विशाल परिवर्तन होने वाला है जो कि समय आने पर हमारे सामने आयेगा। विश्व के समस्त राष्ट्रों का संचालन भारत से एक राजा विशेष द्वारा संचालित होगा निकट भविष्य में आने वाले प्राकृतिक एवं युद्ध सम्बन्धी सभी प्रकार के आतंक सम्भव है जिसके फलस्वरूप यह हो सकता है कि भारत को जनसंख्या 40 करोड़ से 15 करोड़ तक हो जाय। इससे किस प्रकार का नुकसान नहीं है, यह सब हमारे पाप कर्मों का फल है।

13 नवम्बर 1966, गोरखपुर
आगे एक आदमी बहुत जालिम होगा

3. आगे एक बहुत जालिम आदमी आएगा। वह इतना जालिम होगा कि उसके आगे किसी का वश नहीं चलेगा। वह जो कुछ चाहेगा वह करेगा। वह अकेले ही राजनीति के बुरे लोगों को एवं बुरे आचरण के महन्तों को तहस नहस कर देगा।

15.1.1970, टाउनहाल, गाजीपुर
स्त्रियों का तिरस्कार ठीक नहीं

4. हमने इन स्त्रियों का तिरस्कार कर दिया। रावण सीता को ले गया लेकिन सुरक्षित रखा देख रेख में। हम सब की स्त्री बनाने को ललचाते हैं। जहां नारी की प्रतिष्ठा है वहीं मानवता है। ये घड़ा पवित्र रहा तो

आप खुदा की इबारत करोगे, अच्छा काम करोगे। विदेश आदर्श का केन्द्र नहीं। वह भोग मुल्क हैं। वहां मां बहिन का कोई फर्क नहीं।

स्त्रियां मांस मछली फेंक दें

5. आप बाहर के वेश, नग्नता लेते हो। भारत की शक्तियों वाल स्थान को आप ने खराब किया। आज आप के लिए स्त्री जान देने को तैया नहीं वरना चिता में जलने में क्या देर। महान आत्मायें स्त्रियों के रूप में आयीं देश की गिरावट का यह हाल कि बूढ़े उछल कर स्त्रियों को पकड़ना चाहते हैं। स्त्रियां हिम्मत से मांस मछली फेंक दें। उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

14.3.1971, रामलीला मैदान जयपुर
महापुरुष अवतरित हो चुके हैं

6.(1) जब जब होहि धर्म की हानी। बांढ़े असुर अधम अभिमानी॥
तब तब प्रभु धर मनुज शरीरा। हरहि कृपा निधि सज्जन पीरा॥
तुम्हें पता नहीं वह जन्म हो चुका। इस सृष्टि के सुधारने के लिए सज्जनों के कष्ट को हरने के लिए महापुरुष अवतरित हो चुके हैं। ऐ नर-नारियों, ये जो बच्चे तुम्हारे हैं इनसे होशियार रहना। किसमें कौन सी शक्ति प्रकट हो जायेगी इसे तुम नहीं जानते। राम के समय में भी कोई नहीं जानता था कि कौन कौन शक्ति कहां किसकी गोद में जन्म ली है। उन बच्चों को भी नहीं पता था। जब राम को काम लेना हुआ तो उन बच्चों को भी आभास हुआ पहले नहीं।

(2) बचाने के लिए मरीज को मर्ज से बचाने के लिए डॉक्टर अपने ढंग से दवा देगा। तुम कहो कि मेरे ढंग से बनाकर दो तो ऐसा नहीं हो सकता। दवा तो जो डाक्टर ठीक समझेगा वही देगा।

जुलाई 1971
स्वामी जी का आदेश

7. अकसर देखा जा रहा है कि कुछ प्रेमी सतसंगी अपने दूकान या फर्म का नाम इस प्रकार रख रहे हैं जैसे ''जयगुरुदेव डाइंग एण्ड ब्लीचिंग वर्क्स'' या ''जयगुरुदेव स्टुडेण्ट सैलून'' या ''जयगुरुदेव जनरल स्टोर्स''। परम पूज्य स्वामी जी ने यह हिदायत दी है कि जयगुरुदेव

नाम परम पवित्र नाम है। यह परमात्मा का नाम है। प्रेम से अन्दर से लेने के लिए नाम है। इसका प्रयोग कोई बाहर के लिए न करे। जो लोग अपने दूकान या फर्म का नाम इस प्रकार रख लिए हैं वे उसे बदल दें।

23.3.1971, इलाहाबाद - मिर्जापुर
1 मतदान पर 100 गौवध का पाप

8.(1) हिन्दुस्तान में कितनी गायें कटती हैं आप ने कभी मतदान देते पूछा। पहले राजा अपने मन से काम करते थे अतः उसका फल भोगते थे। परन्तु आज कल आपने राजा बनाया अतः आप पर पाप आता है। दुखित आत्मायें सन्तान के रूप में मां बाप सबको परेशान करती हैं। अभी और बिगड़ेगा।

(2) यदि आप ने 22 साल वोट दिया तो 100 गाय काटने का अपराध आप पर लदा है। अगर नहीं दिया तो पाप नहीं लदेगा। इसको काल भगवान कभी साफ नहीं कर सकता। जिसने किसी को वोट नहीं दिया उस पर पाप नहीं बल्कि देने वालों पर है। बुरा करें वे (शासक) भोगें हम, और हाथ धो दें मनुष्य शरीर से।

मलाया के अनुभव

9. मलाया में भंगी की वर्दी हमारे यहां सिपाही से अच्छी है उसे 250 डालर मिलते हैं। बैंक से एक डालर का 2-45 पैसे मिलते हैं। ब्लैक से 7 रूपया मिलते हैं। सिपाही को तनखाह 270 डालर 1080 रुपया, 6 वर्दी, 3 टोपी, मकान, बिजली फ्री। दीवान 295 डालर पाता है। सारजेन्ट 390 डालर, सबइन्सपेक्टर 435 डालर, चीफ इन्सपेक्टर 840 डालर, डी0एस0पी0 की नौ साल में 1300। एस0पी0 भर्ती से 950 डालर पाता है। प्राइमरी स्कूल का मास्टर 300 डालर यानि 1200 रुपया। मजदूरी बहुत अधिक, सस्ती भी बहुत अधिक है। मैंने पूछा तुम्हारे मुल्क में कैसे उन्नति हुई। बोले हममें है देश भक्ति। यहां सबलोग देश के काम को अपना काम मानते हैं। उन्होंने तीन बातें बतायीं। आपके यहां देश में भक्ति नहीं है, ऊपर से नीचे सभी चोर हैं। शासक वहां गरीबी नहीं मिटाना चाहते। एक आदमी का 50 करोड़

रुपया विदेश में जमा है। मुझे बड़ा दु:ख हुआ। मैं आँख खोल के गया था। हर चीज देखा। पर वह भूमि हमें पसन्द नहीं आई। स्वदेश आने की बेचैनी हुई।

भारत में मजदूरी कम, महंगी बहुत ज्यादा है। इसलिए लोग भोजन, कपड़े के लिए चोरी करेंगे। मैं आपकी गरीबी में दुखी हूँ। मेरे पास गरीब आदमी ही हैं। मुझे कहीं से मदद नहीं मिलती। ऐसा कहने वालो ने बुद्धि को जूते में बांध लिया है और टांग कर चल रहे हैं। दूसरे मुल्कों में लोग चोरी नहीं करते क्योंकि पर्याप्त वेतन मिलता है। मैंने विदेश जाने के पहले कहा था कि पुलिस का वेतन बढ़ना है। आप कहते हैं पैसा कहां से आयेगा? क्या आप हर चीज के ठेकेदार हैं। एक अरब आबादी होने पर भी भोजन मिलेगा यदि आप लोग मांस, मछली, शराब छोड़ दें। हम मेहनत करने वाले किसान हैं। केवल मंच पर ही नहीं आते। हम ईश्वरवादी हैं। कर्म का उपदेश करते है जैसा कृष्ण ने किया। कर्म धर्म का जोड़ा है। जो रहेगा वह देखेगा। आपको पूरा पूरा देखना होगा। तमाम मुल्कों में अभी आग लगने वाली है। मनुष्य शरीर में रहकर जीवात्मा को परमात्मा तक पहुंचा दो। 1980 के बाद में जो भारत में विकास होगा उससे दुनिया के देश पीछे पड़ जायेंगे। आप सभी लोग भजन ध्यान करें। दुनिया के काम से जो समय बचे भगवान को याद करने में लगायें। हमनें मलाया में रास्ते पर घड़ी छाता छोड़ दिया। दूर चले गये पर 2 घण्टे तक किसी ने उठाया नहीं। आप सभी धर्म भक्ति और राष्ट्रभक्ति में लगो और भारत का सर ऊँचा करो।

21 मई 1971
आदमी को आदमी उठाने वाला नहीं मिलेगा

10. दुनिया के लोग अब धर्म की तरफ नहीं मुड़ते हैं तो परेशानियां और आयेंगी। चाहे जमीन से आ जाए, चाहे आसमान से आवे, चाहे पूर्व से आवे या पश्चिम से - परन्तु अब यह आयेंगी जरुर। इनको कोई रोक नहीं सकता है। [16 अप्रैल 1971, पिनांग (मलेशिया)]

11. यदि लोग अपना आचार - विचार, खान-पान ठीक नहीं करते हैं तो एक समय ऐसा आ रहा है कि आदमी को आदमी उठाने वाला नहीं

!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!



मिलेगा। लोग देख रहे हैं कि पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में लाशें पड़ी हैं और उनको उठाने वाला नहीं हैं। अन्य देशों में भी ऐसी स्थिति आने वाली है। (इन्दौर)

12. जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संघ के संस्थापक परमसंत तुलसीदास जी महाराज ने शाकाहारी सदाचारी बाल संघ की स्थापना 2 अक्टूबर 1969 को गांधी जन्म दिवस पर जौनपुर उत्तर प्रदेश में की। इस संघ के सदस्यों को कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है जो कि भारतीय धर्म और आदर्शों पर आधारित है। ये नियम इस प्रकार है :-

क) इस संघ के सदस्य अण्डा, मांस, मछली, शराब, गांजा, भांग आदि जितनी भी नशीली एवं अखाद्य पदार्थ है उनका सेवन आजीवन नहीं करेंगे।

ख) इस संघ के सदस्य नित्य अपने माता पिता एवं गुरुजनों को प्रणाम करेंगे।

ग) इस संघ के सदस्य झूठ नहीं बोलेंगे; किसी भी प्रकार की चोरी जारी नहीं करेंगे और अपने अपने धर्मों में रहते हुए सबसे प्रेम करेंगे और किसी धर्म संस्था व पार्टी की निन्दा नहीं करेंगे।

घ) इस संघ के सदस्य सिर पर कोई न कोई वस्त्र रखेंगे जो कि भारतीय सभ्यता का प्रतीक है।

ङ) इस संघ के सदस्य राज्य नियमों का पालन करेंगे।

इन सभी नियमों को अपने जीवन में उतारते हुए ये सदस्य भारत का उत्थान करेंगे।

जयगुरुदेव नाम परमात्मा का है

13. 'जयगुरुदेव' नाम परमात्मा का है। इस नाम को याद करने से गोले बारूद के बीच भी रक्षा हो जावेगी। वर्तमान समय में इस नाम की महानता को कई सौ वर्ष पूर्व सूरदास जी ने बताया है जैसा कि उनके इस पद से स्पष्ट है :

रे मन धीरज क्यों न धरे।
संवत दो हजार के ऊपर, ऐसा योग परे।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण, चहुँ दिशि काल फिरे॥

अकाल मृत्यु जग माहीं व्यापै, परजा बहुत मरै।
सहस्त्र वर्ष लगि सतयुग व्यापै, सुख की दशा फिरै॥
स्वर्ण फूल बन पृथ्वी फूलै, धर्म की बेल बढ़ै।
काल ब्याल से वही बचेगा, जो गुरु का ध्यान धरै॥
सूरदास हरि की यह लीला, टारै नाहिं टरै॥

14. अखाद्य पदार्थों का सेवन करना छोड़ दें और ईमानदारी से अपना अपना काम करें। देश की बागडोर अब ऐसे व्यक्तियों के हाथों मे आने वाली है जो चरित्रवान होंगे और वे विश्व में एक नई मोड़ लायेंगे। (15 मई 1971, लखनऊ)

21 मई 1971, आजमगढ़
सब हिन्दू होंगे

15. अधिकांश प्रान्तो में राष्ट्रपति शासन हो जायेगा। बिजली का खर्चा 1 हार्सपावर पर 3 रुपया लगेगा । अगर पांच आदमी दुनिया में खड़े हो जायें तो दुनिया को बदल दें। मैं बार बार सोते हुए लोगों को जगाता रहूंगा। जो बोलता हूं उसे दुनिया को बोलना होगा। मुस्लमान मुस्लमान आपस में लड़ कर सबसे कम हो जायेंगे। चारों ओर कुछ न कुछ होगा शीघ्र ही। एक वक्त ऐसा आयेगा कि सबको हिन्दू धर्म अपनाना होगा। स्वामी जी ने कहा मैंने मलाया में लोगों को बताया कि ''राज करेगा खालसा बाकी करे न कोय''। खालसा का अर्थ आज्ञाकारी शिष्य।

22 मई 1971, जौनपुर
आगे आपको रोना होगा

16. हम कुछ स्वप्न देखते हैं उसे आप ध्यान से सुनें। हमारा उद्‌देश्य है कि लोग मांस शराब छोड़कर नरसंहार से बचें। अगर आप अपने चरित्रों को नहीं सुधारते तो आपको रोना पड़ेगा। हमने पर्चे छापे। एक ऐसा समय आ रहा है हमारे ही कर्मो के फलस्वरूप जबकि आदमी की लाश को उठाने वाला नहीं मिलेगा। आपने पूर्वी पाकिस्तान की दशा और उत्तर प्रदेश के गल्ले के विनाश को देखा। ऐसी सूरत आयेगी कि दुनिया को रोना होगा। आप मर जाओ तो भी भगवान को चिंता नहीं होगी। मुझे 2 वर्ष पहले स्वप्न हुआ कि सन 1972 तक

20 करोड़ लोगों को जगाओ। 4 मई को मथुरा आश्रम आया। 2 – 4 दिन विश्राम करने के बाद प्रचार कर रहा हूं। मानव धर्म आने पर ही अध्यात्म धर्म आ सकता है।

23 मई 1971, भदोही जिला

17. एक ऐसा आदमी आयेगा जो दुनिया के लिए बहुत बुरा होगा स्वामी जी ने कहा कि ऐसा आदमी आयेगा जो धर्म के लिए बहुत अच्छा और दुनिया के लिए बहुत बुरा होगा। वो ऐसा आदमी होगा कि राम, कृष्ण, बुद्ध, मुहम्मद सब पीछे रह जायेंगे।

23 मई 1971, भदोही
100 गायों के काटने का पाप

18. अहिंसा हिन्दुओं का धर्म था। आत्म रक्षा का अधिकार है। पहले पाप का भागी राजा होता था। अब आप स्वयं राजा है। आप पर 100 गाय काटने का पाप लदा है। आप का सीधा रास्ता नर्कों को लगा है। युधिष्ठिर ने सिर्फ इतना कहा था ''अश्वथामा मरो नरो वा कुंजरो ।'' वह सीधे नर्क गया। हम दिन भर झूठ बोलते हैं। पहले हिन्दू, मुसलमान, इसाई का भेद समझो फिर झगड़े की बात करो। यह धर्म उपदेश है इसमें फिरका परस्ती नहीं है। धर्म एक प्रेम और आनन्द है अफीम नहीं है। जब तक यह चीजें नहीं मिलेंगी शान्ति नहीं मिलेगी। हम परमात्मा में मिल जायें तो अनेक कंटक समाप्त हो जाए।

हिन्दू का विभाजन काम से हुआ

19. हिन्दू का विभाजन काम से हुआ। हिन्दू का अर्थ है दयावान होना। जीवों को मारना और खाना बंद कर दो। यदि आप नही छोड़ते हो तो दिन पर दिन अशांति बढ़ती जायेगी। भारत अखण्ड होगा। गौवध बंद होगा। हिन्दी और संस्कृत राष्ट्रभाषा होगी। परिवार नियोजन बंद हो जायेगा। एक आदमी के हाथ में 20 करोड़ आदमी हो तो देश का क्या हाल हो जायेगा यह समय बतायेगा। संयुक्त राष्ट्रसंघ भारत आयेगा और दुनियां का यहीं सविधान बनेगा आपकी भावी संतान ऐसा करेगी। आपकी कचूमर निकलेगी। हमने दस बातें बताई। 90 बताऊं तो आपको टट्टी और पेशाब होने लगेगी। पर साल की यात्रा में लड़के कहते थे कि हमारे स्कूल में कुछ सुना दीजिए नहीं तो कार

के नीचे दब जाऊंगा।

27 मई 1971, नैनी, इलाहाबाद

20. सबको मेरी नकल करनी होगी नहीं तो जीवित नहीं रहेंगे
मैं जो कुछ बोलूंगा सारे दुनिया में लोगों को बोलना होगा। सबको मेरी नकल करनी होगी वरना जीवित नहीं रहेंगे। आगे छोटे लोग बड़े पदों पर जायेंगे। अच्छों का बोलबाला होगा। कोई बच्चा स्कूल से निकल कर बेकार नहीं रहेगा आंदोलन नहीं करेगा। चरित्र गिराने वाला सिनेमें बंद होंगे, राधा कृष्ण, रामसीता, मीरा, कबीर के चित्र देखने को मिलेगें।

12 वर्ष की लड़कियां शराब पीती हैं। टट्टी के बाद कागज से साफ करते हैं। अब मैं कहता हूं सिपाही मांस शराब छोड़े तो 300 रुपया वेतन मिलेगा।

07 जून 1971
सन् 1972 तक 20 करोड़ लोगों को जगा दूंगा

21. आपके लिए 4 करोड़ नर-नारियों का जनसमर्थन प्राप्त हो गया है। सन् 1971-1972 के प्रारम्भ तक 16 करोड़ नर-नारियों का समर्थन और प्राप्त करना है।
22. मैं सन् 1972 के आरम्भ तक 20 करोड़ नर-नारियों को देश में जगा दूंगा। (19 मई 1971, देवरिया)
23. भारत सरकार को चाहिए कि पाकिस्तान से आए हुए शरणार्थियों को रोजी देकर उनके जीवन निर्वाह की व्यवस्था करें। इनमें से जो मेहनत के कामों के करने में असमर्थ है उन्हें सरकार चरखा देकर सूत कटवाये, रस्सी बटने का कार्य दे या अन्य लघु उद्योगों में लगाए। वैसे तो शरणार्थियों से बढ़ी जनसंख्या का देश की आर्थिक दशा पर दबाव पड़ेगा किंतु इस प्रकार लोगों को उद्योग धन्धों में लगा देने पर यह दबाव कम हो जाएगा। पाकिस्तान में दोनों पक्षों को सहानुभूति पूर्ण तरीके से विचार कर समझौते कर लेना चाहिए तथा नर संहार



!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!






बन्द कर देना चाहिए। (21 मई 1971, आजमगढ़)

24. **भविष्य की एक झलक**

जगेगा भारत, जगेगा भारत, भारत जगाने आ रहा ।
आओ प्यारे आओ प्यारे, ज़माना बदलने जा रहा ।
समय से आओ, समय से आओ, समय तुम्हारा आ रहा ।
बिगड़ चुके तुम बिगड़ चुके तुम, बनाने तुमको आ रहा ।
दुखी हो तुम दुखी हो तुम, दुख तुम्हारा छुड़ाने आ रहा ।
लड़ मरे तुम, लड़ मरे तुम, मिलाने तुमको आ रहा ।
सरधा भाव सब कुछ खो चुके तुम, तुमको दिलाने आ रहा ।
प्रेम तुम्हारा सो चुका, प्रेम तुम्हारा जगाने आ रहा ।
आपस के प्रेम सब जा चुके, उन प्रेमों को देने आ रहा ।
हो चुके मुक्ति से जो निराश, उनको मुक्ति देने आ रहा ।
पापों के बोझ थे जो न उठा सके, उन बोझों को उठाने आ रहा ।
ईश्वर भक्ती जिनसे जा चुकी, उनको भक्ती दिलाने आ रहा ।
पुरुष सोये, सोये नारियाँ, उनको जगाने आ रहा ।
बिगड़े तुम्हारे खान पान, इनको सुधारने आ रहा ।
पीते जो हो सुल्फा शराब, इनको छुड़ाने आ रहा ।
बिगड़ी जो तुम्हारी आदतें, इनको बदलने आ रहा ।
झगड़े जो तुम्हारे घर घर के, इनको खतम करने आ रहा ।
जिन करमों को तू पहचान न सके, उनको पहचान कराने आ रहा ।
गुरु भक्ति से तुम हो दूर, वह गुरु दिलाने आ रहा ।

आगे और टैक्स बढ़ेंगे

25. देश का बड़ा दुर्भाग्य है कि 45 करोड़ नर-नारी होते हुये भी आप अपनी एकमात्र देशीय भाषा न कर सके। यदि आप वास्तव में चाहते हैं कि राष्ट्रभाषा हिन्दी, संस्कृत हो तो आप हाथ उठायें। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि देश में कोई आंदोलन, तोड़फोड़ नहीं होगा और जनता की इच्छा स्वीकार हो जायेगी। इसके बाद सारे देश में राष्ट्रभाषा हिन्दी, संस्कृत हो जायेगी। (22 मई 1971, जौनपुर)

26. आगे भी टैक्स बहुत बढ़ेंगे। यह सब भार गरीबों पर ही पड़ेगा। बजाय गरीबी दूर होने के गरीबी और बढ़ेगी। मजदूरी कम महंगाई अधिक - इस कारण भारत की जनता सुख चैन से कदापि न रह

सकेगी। (30 मई 1971, भोपाल)

देश की पतवार बालकों के हाथ चली जाएगी

27. भविष्य में देश की पतवार बालकों के हाथ में चली जायेगी। आगे समय में जब मांसाहारी नौकरियों से निकालें जायेंगे तो उनके स्थानों पर शाकाहारी व सदाचारी विद्यार्थियों को बैठा दिया जायेगा। विद्यार्थी यदि इस अवसर से लाभ उठाना चाहते हैं तो शाकाहार और सदाचार से अपना चरित्र उठायें तथा नशीली चीजों और सिनेमा से दूर रहें। माता पिता और गुरुजनों की आज्ञा का पालन करें। (23 मई 1971, भदोही)

28. गरीबों की खून पसीने की कमाई का 10 अरब रुपया पांच वर्षो में परिवार नियोजन में खर्च किया जाता है जिससे कोई फायदा नहीं है। यदि वही 10 अरब रुपया किसी एक सूबे के विकास पर खर्च कर दिया जाए तो प्रान्त सर सब्ज हो जाए। गर्भपात निरोध आदि से नर हत्या के पाप के साथ ही साथ सबके चरित्र बिगड़ रहे हैं। (21 मई 1971, आजमगढ़)

दुनिया की आबादी कम हो जाएगी

29. आगे समय में सारे विश्व में एक जनसंहारकारी क्रांति होगी जिसमें दुनिया की आबादी घटकर बहुत कम हो जायेगी। सारे विश्व के लोग हिन्दू धर्म मानने को बाध्य होंगे। अमेरिका और इंग्लैण्ड के नर-नारी भारत की गलियों में हरे राम, हरे कृष्ण का कीर्तन करते हुए मिलेंगे। पुरुष हिन्दुओं की तरह चोटी रखेंगे और स्त्रियां भारत की तरह साड़ियां पहनेंगी। स्वामी जी ने कहा कि भारत की तरह सभी देशों के लोग शाकाहारी बनेंगे। (12 जून 1971, इन्दौर)

आगे राष्ट्रपति शासन होगा

30. मैं बहुत पहले से कह रहा हूं कि आगे देश के अधिकांश राज्यों में राष्ट्रपति शासन होगा। आपने कई राज्यों में राष्ट्रपति शासन होते देखा और आगे भी देखेंगे। मैं जो कह रहा हूं वह अक्षरशः सत्य होगा। स्वामी जी ने आगे कहा कि मैंने सन् 1954 में इलाहाबाद में कह दिया था कि सन् 1972 के अंदर कांग्रेस समाप्त हो जायेगी जो आप देख रहे

जयगुरुदेव नाम प्रभु का

हैं कांग्रेस का निशान खत्म हो गया। यही नहीं ये जो नई कांग्रेस बनी है। सन् 1976 के बाद वह भी समाप्त हो जायेगी यह आपको देखने को मिलेगा। (14 जून 1971, जयपुर)

एक यात्रा में 16 करोड़ लोगों का जनसमर्थन प्राप्त

31. इस सन् 1971 में एक यात्रा 1500 मील लम्बी सोनपुर (हरिहर क्षेत्र) से दिल्ली की ओर रवाना होगी। इस यात्रा में 16 करोड़ लोगों की सहमति प्राप्त हो जायेगी। नर - नारियों के जनसमर्थन प्राप्त होने पर सारे देश में प्राइमरी स्कूलों के अध्यापकों का वेतन महंगाई भत्ता छोड़कर 300 रुपया माहवार हो जायेगा। (21 जून 1971)

32. आगे समय बहुत ही खराब आ रहा है। बुरे लोगों के लिए दिन बहुत ही बुरे हैं। स्वामी जी ने चेतावनी दी कि अगर लोग मांस, मछली, अण्डा, शराब, ताड़ी आदि का सेवन नहीं छोड़ते हैं और सदाचारी नहीं बनते हैं तो सामने मौत खड़ी है। अकाल मृत्यु बहुत होगी। तीसरा महायुद्ध अवश्य होगा। (21 मई 1971, भदवार, जौनपुर)

33. तुम मुझे सद्भावना दो मैं तुम्हें शांति दूंगा। (21 जून 1971)

24 महत्वपूर्ण भविष्यवाणियां

34. जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संघ के संस्थापक स्वामी तुलसी दास जी महाराज ने ता0 8 जुलाई सन् 1971 को गोरखपुर बेतिया हाता के मैदान में गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य पर 70 हजार नर-नारियों एवं बच्चे, बच्चियों को सम्बोधित करते हुये पूछा कि- आगे भारत का राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री कैसा होगा? आगे समझाते हुये स्वामी जी ने आने वाले समय का थोड़ा इशारा किया और कहा कि मांस, मछली, अण्डे एवं शराब ताड़ी पीने खाने वाले और रिश्वत लेने वाले मनुष्य प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि प्रान्तों के मुख्यमंत्री भी निरामिष एवं मद्यपान रहित सदाचारी होंगे। एम0 पी0, एम0 एल0 ए0 भी मांस, मछली, अण्डे, शराब, ताड़ी, अफीम का सेवन नहीं करेंगे। पदाधिकारी वही नौकरी एवं उन्नति पायेंगे जो शराब, ताड़ी, मांस, अण्डे नहीं खाते होंगे तथा रिश्वत भी नहीं लेते होंगे एवं जुआ भी नहीं खेलते होंगे जो अधिकारी मांस, मछली, शराब खाते पीते होंगे वह सन् 1976 के

बाद निकाल दिये जायेंगे। उन्हें चाहिए कि ये सब खाना पीना अभी से छोड़ दें।

इस अवसर पर स्वामी जी ने अपनी भविष्य की 100 बातों में से 24 बातों को विस्तार - पूर्वक बताया। वे 24 बातें इस प्रकार है :-

१) दिल्ली से राजधानी हटा दी जायेगी।

२) प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति निरामिष शाकाहारी एवं अण्डे, मदिरा आदि नशीली वस्तुओं से मुक्त होंगे।

३) प्रान्तों के मुख्यमंत्री निरामिष एवं अण्डे व नशीली वस्तुओं से मुक्त होंगे।

४) एम0 पी0, एम0 एल0 ए0 भी निरामिष अण्डों शराब ताड़ी रिश्वतों से मुक्त होंगे।

५) अधिकारी भी निरामिष सदाचारी अण्डों शराब व ताड़ियों से मुक्त होंगे।

६) पदाधिकारी सन् 76 तक मांस, मछली, अण्डे, शराब, ताड़ी, गांजा, अफीम नहीं छोड़ेंगे तो वे नौकरियों से हटा दिये जायेंगे।

७) बच्चे स्कूलों के वही नौकरी पायेंगे जो निरामिष भोगी एवं शराब, ताड़ी नशीली वस्तुओं से दूर होंगे।

८) गाय काटना भारत में बन्द कर दिया जायेगा।

९) राष्ट्रभाषा हिन्दी संस्कृत हो जायेगी।

१०) परिवार नियोजन जिसमें जनता का १० अरब रुपया ५ वर्ष में लगता है ऐसा निकृष्ट कार्य बन्द कर दिया जायेगा।

११) मांस, मछली, अण्डों की दुकानें शहरों, कस्बों की बन्द कर दी जायेंगी। किसी होटल या ट्रेन में मांस अण्डें नहीं पकेंगे।

१२) भारत के सिनेमें बन्द कर दिये जायेंगे। केवल वही चित्र देखने को मिलेंगे जो धार्मिक होंगे।

१३) पुलिस का प्रारम्भिक वेतन 300/- होगा।

१४) प्राइमरी स्कूल के अध्यापकों को 300/- वेतन शुरू से ही मिलेगा।

१५) किसानों का आधा कर्ज माफ कर दिया जायेगा। कुछ समय बाद पूरा पूरा माफ हो जायेगा।

१६) मजदूरों को मजदूरी 8/– कम से कम मिलेगी। सस्ती अधिक कर दी जायेगी।

१७) साढ़े 6 हजार पर कोई इनकम टैक्स नहीं लगेगा।

१८) कुल आमदनी पर इनकम टैक्स 40 प्रतिशत लगेगा। बाकी सफेद होगा।

१९) धनियों के काले धन में से जनता की सेवा हेतु 40 प्रतिशत ले लिया जायेगा बाकी सफेद कर दिया जायेगा।

२०) विश्व की नगर पालिका अर्थात सुरक्षा परिषद अमेरिका से हटकर भारत वर्ष चली आयेगी।

२१) विश्व के लोग हिन्दू धर्म को कबूल कर लेंगे। इसे स्वामी जी ने सन् 1954 में भी कहा था।

२२) पाकिस्तान समाप्त हो जायेगा ऐसा स्वामी जी ने 1960 में कहा था।

२३) विश्व के सभी मुल्क मिलकर यदि भारत पर हमला करें तब भी हार जायेंगे।

२४) महापुरुष भारत में पैदा हो गया है उसे सन् 1976 तक भारत में इतना जन समर्थन प्राप्त हो जायेगा कि इतना जन समर्थन किसी को नहीं मिलेगा। वह व्यक्ति एक झण्डा, एक भाषा, एक संसदीय राज्य विधान बनायेगा।

आगे मानव नरसंहार होगा

35. सन् 70 से 80 तक का समय मानव नर संहार का होगा। भूकम्प, तूफान, अति वर्षा, कम वर्षा, बीमारी फैलना, समाज समस्याओं का बढ़ना, साधुओं में लड़ाइयां, मुल्क मुल्कों में शस्त्रों की मारें, गोलों द्वारा बीमारियों के कीटाणु फैलाना बम गिराना, जहरीले हथियारों का प्रयोग करना, अन्न की तीव्र कमी होना, भूखों मरना आदि सब होगा।

चीन देश का नष्ट होना, अमेरिका के नगर का नष्ट होना, छोटे छोटे देशों का टूटकर बड़े देशों में मिलना, ये सब प्रकोप आने वाले हैं। स्वामी जी ने जनता से प्रार्थना किया कि आप मांस, मछली, अण्डे, रिश्वत, जुआ, चोरी, अनाचार छोड़ दें नहीं तो उनको बुरे परिणाम

भोगने होंगे।

शाह इनायत की भविष्यवाणी (बाराबंकी के निवासी)

जो तूं हरि नमवां दियो है भुलाय॥
असढ़वा बोइबो, कुवरवा कटबो, बुड़बो कतिकवा अघाय।
आगे चलि के सूखा पड़ि हैं, तब तूं का बोइबो भाय॥१॥
अन्न बिना सब भूखन मरिहैं, फिर या कहुं नाहिं सुहाय।
साथे महियां गदरो होइहैं, ईमान कोई बिरले लाय॥२॥
लड़े सब शहाना रियाया, कोई न धीर धराय।
मज़हब वाले सबै लड़िहैं, कोई न माने भाय॥३॥
जितने मज़हब हैं दुनियां में, सब कर नाश होई जाय।
समय आवै औतारी होइहैं, ब्रम्ह-ज्ञान फिर फैलाय॥४॥
ब्रम्ह-ज्ञान बाद नास्तिक होवे, महाप्रलय फिर आय।
दुनियां भर में हलचल मचि हैं, ईमान कोई बिरले लाय॥५॥
जितने हैं पापी और कुकर्मी, दुनियां से जइहैं हेराय।
उनइस सौ सत्तर अस्सी इस्वी तक, गंदला सबै साफ हो जाय।
शाह सतगुरु वाज़िद नईम, इनायत कुदरती को गये बताय॥६॥

8 जुलाई 1971, बेतियाहाता गोरखपुर

36. किसान भाईयों को चेतावनी देते हुए स्वामी जी ने कहा कि मैंने आप लोगों को पहले ही आगाह कर दिया था कि आगे समय खराब आ रहा है सावधान रहिए। भविष्य में और बुरा समय आयेगा। एक दो पानी देने का प्रबन्ध रखिए ताकि फसल सूखने न पाये। साथ ही सभी किसानों को चाहिए कि फसल पकते ही उसे उठाकर हिफाजत से रख लें और नहीं हो सकता तो बालें काट कर रख लें।

12 जुलाई 1971, गोरखपुर
आगे खुजली की बीमारी होगी

37. भविष्य में व्यापक रूप से भयंकर बीमारियां आयेंगी। डॉक्टरों को रोग का पता भी नहीं चलेगा और लोग ठंडे हो जायेंगे। आज एक रुपये में मिलने वाली दवा 100 रु0 में बिकेगी। खुजली की ऐसी

बीमारी चलेगी कि लोग बदन खुजलाते खुजलाते पस्त हो जायेंगे। स्वामी जी ने लोगों से अनुरोध किया कि सब लोग अब महात्माओं के निकट आवें और उनकी बातों को सुनें।

जुलाई 1971, आजमगढ़

38. कुछ लोग छोटी मोटी साधना करने वाले प्रेत आदि की सिद्धि कर दुनियां में चमत्कार दिखाते हैं। उनकी आत्माओं का कोई कल्याण नहीं होता हैं बल्कि नरकों में जाते हैं और ऊपर के लोकों की साधना करने वाले नीचे की किसी शक्ति से टकराकर अपनी साधना सम्पन्न कर लेते हैं और समझते हैं कि हम सिद्ध हो गये और कुछ ही दिनों में उनकी साधना शक्ति घट कर उसी तरह अपनी अवस्था में आ जाती है जैसे कुछ भी नहीं है।

साधक को चाहिए अन्दरूनी साधना के सहयोग के लिए गुरु की कृपा दृष्टि मांगते रहें और अन्दरूनी हर शक्तियों के मण्डलों की जानकारी की याचना करते रहें क्योंकि आँखों की शुरुआत से सहस दल कँवल के नीचे अनेकों शक्तियों के मण्डल हैं। बिना गुरु की मदद के इन शक्तियों के मण्डल को भेदन नहीं कर सकते हैं और सहस दल कँवल के अधिवासी पुरुष निरंजन को नहीं देख सकते हैं। जब तक सहस दल कँवल में निरंजन भगवान के दर्शन साधक नहीं करेगा तब तक किसी भी लोक की शक्ति साधक को गिराकर चौरासी में ले जा सकती है। इस लिए हर एक साधक को चाहिए कि गुरु आज्ञा का पालन करे और अपने को दीन हीन समझकर सदैव साधना में लगे रहे। सहस दल कँवल के नीचे 14 लोक हैं जिनमें छोटे छोटे बहुत से लोक समाये हैं। इन 14 लोकों में मुख्य शासन ब्रह्मा, विष्णु, महेश का है। इनकी देख रेख के लिए आद्या महाशक्ति अपने लोक में विराजमान हैं जिसे आद्याशक्ति का लोक कहते हैं वहां से मृत्यु लोक की हर वस्तुएं दिखाई देती हैं साधक सतर्क रहें। इस मृत्यु लोक में क्या क्या होगा और क्या हो रहा है, भूत भविष्य वर्तमान की सब जानकारी इस साधक को प्राप्त हो जाती है। अज्ञान, अल्पज्ञ व्यक्तियों के सामने जब साधक





Jaigurudev nam prabhu ka

अनहोनी घटना का वर्णन कर देता है तो उस घटना के सिद्ध होने पर लोगों में उसके प्रति बड़ी श्रद्धा और भाव भक्ति जागृत होती है। लोग उस साधक को घेरना शुरू कर देते हैं तथा चाहते हैं कि साधक के द्वारा हमारे दुनियां के नाशवान कार्य पूरे हो जायें। साधक उस प्रतिष्ठा में फंस जाता है और अपनी की हुई साधना की तरफ से धीरे धीरे गिरने लगता है। साधक को चाहिए कि जो मार्ग गुरु ने जहां तक पहुँचने का बताया है जब तक वहाँ तक की सफलता पूरी न मिल जाये इस प्रकार के कार्य इस जगत में न करे।

23 जुलाई 1971, पटना
परमात्मा के युग का नाम - जयगुरुदेव

39. परमात्मा का नाम अनन्त है, लेकिन जिस नाम से जीवों को तारने की मौज होती है, उसी नाम को संतों द्वारा प्रचार करा कर जीवों को भवसागर से पार करते हैं। जब राम नाम नहीं था कोई नाम अवश्य था। बाद में कृष्ण नाम आया। कोई अल्लाह नाम कोई खुदा नाम कोई गोविन्द नाम इत्यादि नामों से दुनियां में कार्य होता रहा। लेकिन आज जयगुरुदेव नाम से ही तुम्हारे पाप कटेंगे, बुराईयां दूर होंगी, चरित्र का विकास होगा, संकट और परेशानियां दूर होंगी। यह नाम सतयुग में था त्रेता में था द्वापर में था लेकिन कलयुग में लोग भूल गये। गोस्वामी जी ने इस नाम का इशारा किया है।

जय जय जय हनुमान गोसाईं।
कृपा करो गुरुदेव की नाईं॥

तो जयगुरुदेव से आज के युग में काम होगा और थोड़े दिनों में इस देश में कौन कहें सारी दुनिया में यह नाम फैलेगा।

जुलाई 1971, सोनपुर
बच्चे घबड़ाएं नहीं, सबको नौकरी मिलेगी

40. बच्चे घबड़ाये नहीं, सबको नौकरियां मिलेंगी। आजकल बगैर घूस दिये कोई काम नहीं हो पाता है। भविष्य में घूस का लेना देना बन्द हो जायेगा।

इस समय बच्चे मेरी बातों को मान लें मांस, मछली, अण्डे, शराब आदि का सेवन तुरन्त बन्द कर दें और महात्माओं के निकट आवें। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें कुदरत की तरफ से सजा मिलेगी। शाकाहारी बच्चे ऊंचा से ऊंचा स्थान प्राप्त करेंगे। अधिकारीगण जो लोग मांस, मछली, अण्डे, शराब, अनैतिक कार्य नहीं छोड़ेंगे वे आने वाले समय में नौकरियों से निकाल दिये जायेंगे और उनके स्थानों पर शाकाहारी बच्चे नियुक्त होंगे।**14 अगस्त 1971**

41.

भविष्य का परिचय

जन जन में होगी क्रान्ति, हम तुम्हें दिखा देंगे।
रुढ़ि धर्म विवादों को, हम मिटा के दिखा देंगे।
मान अभिमानियों के सब, हम मिटा के बता देंगे।
जो न मिल सके सब, उन सबको मिला के दिखा देंगे।
जात पांत के जो हैं झगड़े, उन्हें सब मिटा के दिखा देंगे।
जो जो न मिल सके दिल से, उन सबको मिला के दिखा देंगे।
जिन जिन के नेत्र न खुल सके, उनके नेत्र खुला के दिखा देंगे।
जो जो न शिव नेत्र दे सके, उनको नेत्र दे के दिखा देंगे।
जो जो न स्वर्ग दे सके, उन उन को स्वर्ग दे के दिखा देंगे।
जो जो न प्रभु का दर्शन करा सके, उन उन को दर्शन करा देंगे।
जिन जिन को शान्ति न मिल सकी, उन उन को शान्ति दिला देंगे।
प्रजा राजा में न एकता, इन सब में एकता करा देंगे।
नर-नारियों के कलंक को, हम अवश्य ही मिटा देंगे।
शराब मांस मछली खाते पीते, हम मना मना के अवश्य छुड़ा देंगे।
जो बीमारियां जन जन में आ गई, उनको दवा देके छुड़ा देंगे।
जो मनुष्यों का चरित्र गिर गया है, उनकी अपना बल देके उठा देंगे।
जो पापों से मुक्त कभी न हो सकते, हम उनकी पापों से मुक्ति करा देंगे।
जिन जिन में ना गुरुभक्ति आई, उन उन में गुरुभक्ति करा देंगे।

रिश्वत का कोई पाप नहीं लगेगा

42. कोई भी अधिकारी अगर रिश्वत लेता है तो आपको चाहिए कि आप उसे रिश्वत दें और उस रिश्वत देने की तारीखों को अपनी डायरी

में लिख लें। उस अधिकारी का नाम भी लिख लीजिए। रिश्वत देने वाले को कोई पाप नहीं लगेगा बल्कि रिश्वत लेने वाले को पाप लगेगा। आगे सत्संगियों की डायरियां मान्य होंगी।

10 अगस्त 1971 मथुरा

विदेशों में जमा करोड़ों रुपये को स्वदेश में लावें

43. बाबा जयगुरुदेव जी महाराज ने यहां बताया कि जिन लोगों का करोड़ों रुपया विदेशी बैंकों में जमा है उसे वे तुरन्त भारत में ले आवें। यह देश के हित में होगा। जो लोग यह सोचते हैं कि विदेशों में जाकर आराम से रुपयों का उपभोग करेंगे तो यह उनका स्वप्न मात्र है।

स्वामी जी ने बताया कि आगे कुछ ऐसा नियम बन जायेगा कि उनका सारा का सारा रुपया डूब जायेगा और हाय कर के रह जायेंगे। इसीलिए अभी से चेत जाएं।

11 अगस्त 1971, बस्ती

दिल्ली की गद्दी पर बैठे कर कोई सुख शांति नहीं दे सकता

44. दिल्ली की गद्दी पर बैठकर कोई भी माई का लाल भारत की जनता को सुखी नहीं कर सकता। इस भूमि पर सदा ही अत्याचार-अनाचार हुए हैं और यह भूमि का असर है कि लोगों के आचार-विचार ठीक नहीं रह सकते , बुद्धि में विवेक नहीं रह सकता और वे जनता की भलाई का कोई भी कार्य नहीं कर सकते। इस भूमि में बैठकर सेवा, त्याग, समानता, प्रेम को नहीं पाया जा सकता है। इस नगरी में प्रवेश करते ही मनुष्य के विचार बदल जाते हैं और वादा कुछ करता है और करता कुछ है। इसमें किसी का दोष नहीं है।

स्वामी जी ने उसी क्रम में कहा कि द्वापर में महात्मा कृष्ण बड़े होशियार थे जिन्होंने दिल्ली से राजधानी हटवाकर हस्तिनापुर करवा दिया था। अकबर बादशाह भी बड़ा होशियार था और उसने फकीरों की बात मान कर राजधानी फतेहपुर सीकरी से राज्य किया।

13 अगस्त 1971, इलाहाबाद

45. त्रेता में विश्व युद्ध का कारण भारतवर्ष था, द्वापर में भी विश्व

युद्ध का कारण भारतवर्ष था और अब इस समय में भी भारतवर्ष को ही कारण बनना होगा। चीन के समस्त वैज्ञानिक प्रगति को चूर्ण करके चीन को नष्ट कर दिया जायेगा। चीन मे बचे खुचे लोगों की सहायता भारत करेगा। इसी बीच तिब्बत भारत में मिल जायेगा।

महापुरुष का जन्म उत्तर प्रदेश में हो गया है

महापुरुष का जन्म भारतवर्ष के उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव में हो चुका है और वह व्यक्ति मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति बनेगा। उसे जनता का इतना बड़ा समर्थन प्राप्त होगा कि आज तक किसी को नहीं मिला है। वह महापुरुष नये सिरे से विधान को बनायेगा और वह विश्व के सम्पूर्ण देशों पर लागू किया जायेगा। उसका एक झंडा होगा। उसकी एक भाषा होगी।

स्वामी जी ने संकेत किया कि नवम्बर 1972 तक इस महापुरुष के लिये लोगों के दिलों में शंका रहेगी किन्तु दिसम्बर 1972 से सम्पूर्ण विश्व में वह सूर्य की भांति चमक जायेगा।

16 अगस्त 1971, कानपुर
वह औतार 20 वर्ष का हो चुका है

46. भारतवर्ष में औतारी शक्तियों ने जन्म ले लिया है। अनेक स्थानों पर वे बच्चों के रूप में पल रहीं हैं और समय आने पर प्रगट हो जायेंगी। स्वामी जी ने आगे बताया कि माता पिता अपना सुधार कर लें वरना यही बच्चे उनके विनाश का कारण बन जायेंगे। इन बच्चों को गोश्त व अण्डा दिया जाता है तो वे मुँह फेर लेते हैं और उधर देखते तक नहीं। माँ बाप इस बातका ध्यान रखें कि जो बच्चे इन सब चीजों को खाना नहीं चाहते हैं उन्हें जबरदस्ती न खिलायें। पुनः स्वामी जी ने इस बात का संकेत दिया कि वह औतार जिसकी लोग प्रतीक्षा कर रहें हैं 20 वर्ष का हो चुका है यदि उसका पता बता दूं तो लोग पीछे पड़ जायेंगे। अभी ऊपर से आदेश बताने के लिए नहीं हो रहा हैं। मैं समय का इन्तजार कर रहा हूं और सभी महात्माओं ने समय का इन्तजार किया है। समय आते ही सबको सब कुछ मालूम हो जायेगा।

मेरे खेल को अगर तुम जान जाओ

तो फिर..........

मैं क्या और तुम क्या....?

16 अगस्त 1971, कानपुर
आसमान से बम उतार लिये जायेंगे

47. स्वामी जी ने यहां बताया कि लोगों को यह मालूम नहीं है कि अध्यात्म शक्तियां भारत में बराबर रहती हैं और वे सब कर सकती हैं। भारतवर्ष पर अब किसी भी विदेशी का शासन नहीं होने पायेगा। जो देश इसे नष्ट करने का प्रयत्न करेंगे वे स्वयं नष्ट हो जायेंगे। पाकिस्तान का नाम निशान मिट जायेगा। अगर महात्माओं ने आवश्यकता समझी तो उधर से बम आयेंगे और महात्मा इशारे से उसे जमीन पर उतार लेंगे। तब विश्व के लोगों को पता चलेगा कि अध्यात्मवाद किसे कहते हैं। महात्माओं की निगाह में भौतिक प्रगति नाम मात्र की हुई है। धर्म ग्रंथों में इस बात का जिक्र है कि लोगों ने 6 महीने तक सूर्य को ढक लिया और अन्धकार बना रहा।

इसी क्रम में स्वामी जी ने बताया कि भविष्य में महात्मा हवाई जहाज से अमेरिका जायेंगे और दो घंटे में सत्संग करके वापस चले आयेंगे। फिर भारत की भौतिक प्रगति को देखकर विश्व के लोग दांतों तले उंगली दबायेंगे।1

21 अगस्त 1971
48.
इन आंदोलनों से नहीं काम होगा

–स्वामी जी

इन आंदोलनों से नहीं काम होगा, समय से चलोगे तो आराम होगा।
समय से तुम्हें राम ने था बुलाया, जो सुनकर चला यश वही जग में पाया।
समय से तुम्हें कृष्ण ने था बुलाया, अहंकारियों को समर में जुझाया।
सभी पिछला नारा खतरनाक होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।

दयानन्द हमको कभी मोड़ दी थी, धरम में बटी कौम को जोड़ दी थी।
नया नारा गांधी ने फौरन लगाया, विदेशी गये कौमी शासन जमाया।
बहुत काम बाकी है उनका अब होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।
सभी को तो सहयोग बहुमत मिला था, महज कुछ ही संकल्प पूरा हुआ था।
विदेशी गये वह नहीं शान्ति आई, जिसे गांधी जी ने थी हमको बताई।

तुम्हें भी उन संकल्पों का ध्यान होगा, इन आंदोलनो से नहीं काम होगा।

अब ओ इन्कलाब और क्रान्ति न करना, सभी वस्तु अपनी न बरबाद करना।
हमें देश को है अब समृद्ध करना, चरित्रों के जन जन को है ऊंचा करना।
महापुरुष की बात का मान होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।
इन आंदोलनों ने हमें अब लड़ाया, सभी प्रेम आपस का हमसे भगाया।
लड़े भाई भाई छुटे बाप माई, अब पति पत्नियों में हुई मन मुटाई।
जरा रुक के देखो क्या परिणाम होगा , इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।

शराबों का पीना बड़े जोर पर है, बना मांस मुर्दो का पेट ये कबर है।
सभी ने खान पान रहनी बिगाड़ी, विषय वासनायें हमें धर पिछाड़ी।
यदि हम गिर गये तो फिर उत्थान होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।
छुटे धर्म और गीता रमायन, समाचार पत्रों का होता परायन।
बुराई हैं करते सभी दूसरों की, न अपनी सफाई न अपने घरों की।
सुनो कहते जो सत्त बरदान होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।
इन आंदोलनों से तबाही ही होगी, इन आंदोलनों से सफाई न होगी।
सब पिछले आंदोलनों अब जन मत विरोधी, हटो इससे दूर कहते सत्पुरुष सोधी।
मत अपनाओ पिछलों का बदनाम होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।
अशान्ती को त्यागो अब शान्ती में आओं, सभी मिलकर प्रेम और भक्ति कमाओ।
सभी राष्ट्र की वस्तु भाई तुम्हारी, इन्हें तोड़ना हानि होगी हमारी।
समर्थन न भारत का सन्तान होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।

समय आज सन्तों की वाणी का आया, कबीर और नानक ने जैसा बताया ।
सुना उसका पैगाम कोई हैं लाये, चलो तुम भी जैसे वे चलना बतायें।
जो कहते है वे वाक्य भगवान होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।
तुम्हें शान्ति देंगे तुम्हें प्रेम देंगे, तुम्हें अपने पापों से भी माफी देंगे।
असत को छुड़ा करके सत ज्ञान देंगे, तेरी आत्मा को नयन दान देंगे।
तुम्हे अपने सतरूप का भान होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।

मनुष्यों मनुष्यों के अब काम आओ, पर उपकार सेवा में सब कुछ लुटाओ।

सभी तेरे अपने न सीमा बनाओ, कौन काम कब आये मन को बुझाओ।
इसी भांति तेरा अब कल्याण होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।
तू अपने दुर्गुण जो हो सो निकालो, तू गैरों के ऐबों पर मत दृष्टि डालो।
करो प्रेम दीनों से उनको उबारों, कोई जीव जन्तु न अपने से मारो।
इसी योनि में देव इन्सान होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा ।

हर इन्सान से हैं गुरु प्यार करते, हर एक जीव पर हैं दया दृष्टि धरते।
तू संस्कृति और सभ्यता अपनी धारों, तू निज पुत्र और पुत्रियों को सम्हालो।
नहीं तो तुम्हारा ही नुकसान होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।
इसी से गुरु तुमको आगाह करते, सम्हल जाओं तो घोर पापों से बचते।
तो जीते जी आनन्द अपना समझते, उस सचखण्ड धुरधाम जीते जी चढ़ते।
यही काम सबसे बड़ा काम होगा, इन आंदोलनों से नहीं काम होगा।



29 अगस्त 1971, बरेली
भारत में भी आग लगेगी

49. कुंवर दयाशंकर इन्टर कॉलेज के विशाल मैदान में सत्संग करते हुए बाबा जयगुरुदेव जी ने कहा कि पूरब में आग लग चुकी है। लाखों लोग पूर्वी पाकिस्तान में मौत के घाट उतार दिये गये। एक करोड़ से अधिक मुसलमान शरणार्थी भारत में आ चुके हैं और उन पर प्रतिदिन 10 करोड़ रुपया खर्च किया जा रहा हैं। एक माह में तीन अरब रुपया इन शरणार्थियों पर व्यय हो गया और एक वर्ष में 36 अरब रुपया खर्च किया जायेगा। यदि शरणार्थियों के भारत में आने का क्रम जारी रहा तो खर्च और भी बढ़ जायेगा।

स्वामी जी ने आगे बताया कि भारत में भी आग लगेगी और पश्चिमी पाकिस्तान में भी लगेगी और व्यापक रूप से नरसंहार होगा। पाकिस्तान का नाम निशान मिट जायेगा। हिन्दू धर्म को सारी दुनियां के लोग कबूल करेंगे।

सितम्बर 1971, मथुरा

50. विदेशों से प्राप्त अन्न जो दान के रूप में हो अथवा और किसी रूप में वह सूक्ष्म रूप में असर करता है। जिन भावनाओं से यह अन्न विदेशियों ने दिया है उसके सेवन से भारतवासियों का ईमान धर्म सब कुछ चला गया और उनका आचार-विचार रहन-सहन खान-पान सब कुछ विदेशियों जैसा ही हो गया। अब इन्सान के वश की बात नहीं कि वह सुधार कर सके। इसलिए यदि देश को बचाना है तो महात्माओं का मैदान में अब आना होगा तभी सुधार हो सकता है।

सितम्बर 1971, पीलीभीत

51. अब जमाना बदलेगा, बुरे लोगों को बुरे दिन देखने पड़ेंगे और दम तोड़कर मर जायेंगे। राजनीतिक लोगों का जीवन खतरे में रहेगा और समाचार पत्रों में क्रान्तिकारी परिवर्तन होगा। मैंने जमींदारी खत्म होने के पहले लोगों को बताया था कि जमींदारी खत्म होगी और वे अपनी-अपनी जमीनों को निकाल दें। राजाओं के अधिकार समाप्त होने के पहले स्पष्ट रूप से मैंने चेतावनी दी थी। अब कह रहा हूं कि समाचार पत्रों में भी भयंकर तब्दीली होगी। वह क्या होगी? अभी बताने का आदेश नहीं है।

6 सितम्बर 1971, लखनऊ
आगे करोड़ों लोग मर जाएंगे

52. अभी बहुत कुछ होने वाला है। आने वाली भयंकर मुसीबतों के आगे यह बाढ़ की परेशानी कुछ भी नहीं है। बीमारियों की आंधी आयेगी, सूखा पड़ेगा, अकाल से करोड़ों लोग मर जायेंगे। गदर हो जायेगी, भूखा आदमी सब कुछ करने को तैयार हो जायेगा।

8 सितम्बर 1971, लखनऊ
आगे लोग नाक से भोजन करेंगे

53. आने वाले भयंकर समय का परिचय देते हुए स्वामी जी ने बताया कि लोग नाक से भोजन करेंगे। अन्न खाने को नहीं मिलेगा। तब तुम

कहोगे कि नाक से ही सुंघा दिया जाए पर वह भी न मिल सकेगा। सेठ लोग बोरों में रुपया भर कर देहातों में अन्न खरीदने जायेंगे तो किसान उन्हें अपने औजारों से मार डालेंगे और सारा रुपया छीन लेगें। भूख के कारण लोगों का दिल दिमाग ठीक न रहेगा, रेल में काम करने वाले कर्मचारियों की भूल से रेल दुर्घटनाएं बहुत होंगी। जनता में त्राहि-त्राहि मच जायेगी। जब गांवों में पैदावार ही नहीं होगी तो शहर वाले क्या खायेंगे ? भूखी जनता में गदर हो जायेगा और राजा प्रजा लड़ जायेंगे।

11 सितम्बर 1971, वाराणसी

54. ऐ काशीवासियों अब भी सम्भल जाओ। अब शिव का तीसरा नेत्र खुलने ही वाला है। वह बाढ़ के रूप में खुले अथवा सूखा के रूप में खुले या अकाल, बीमारी, गदर के रूप में खुले किन्तु अब वह खुलेगा जरूर और तुम्हें अपने कर्मों की सजा मिलेगी क्योंकि कहा है कि :

कर्म प्रधान विश्व रचि राखा। जो जस करै सो तस फल चाखा॥

55. स्वामी जी ने कहा कि विद्यार्थियों तुम संस्कृत में ऊंची से ऊंची डिग्री प्राप्त करो, तुम्हें भविष्य में ऊंचा से ऊंचा पद दिया जायेगा। थोड़े समय के बाद राष्ट्रभाषा हिन्दी और संस्कृत हो जायेगी। विदेश के लोग भारत में आकर इन भाषाओं को सीखेंगे तभी उन्हें शान्ति मिलेगी।

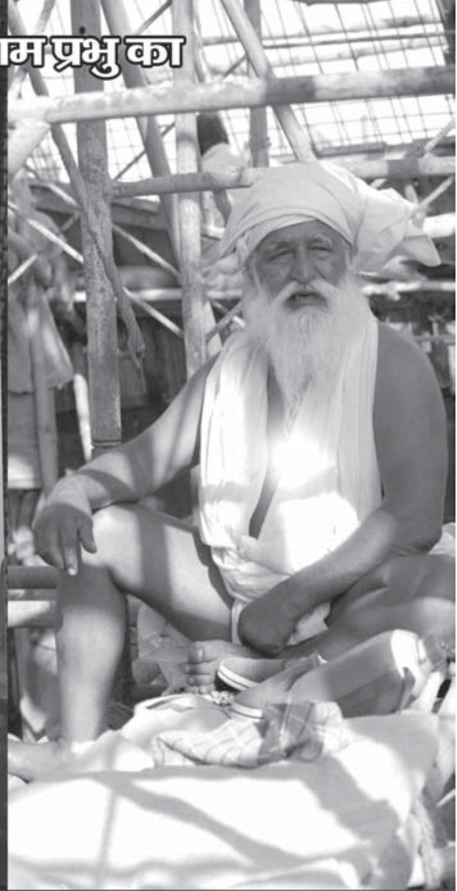
स्वामी जी ने आगे बताया कि उच्च-पदाधिकारी जो मांस, मछली, अण्डा, शराब, रिश्वत एवं अन्य बुरी आदतों को नहीं छोड़ेंगे उन्हें अपना स्थान छोड़ना होगा। इन पदों पर शाकाहारी सदाचारी बच्चे नियुक्त किये जायेंगे।

इमारतें 40-50 फिट आसमान में उछल जायेंगी

56. भारत पर अब किसी विदेशी का शासन नहीं रहेगा। भारत अखण्ड राज्य होगा। ऐसा सम्भव हो सकता है कि दूसरे देश वाले यहां (भारत में) गोले वर्षा दें जिससे नई नई बीमारियां फैल जाएं और करोड़ों लोग मर जाएं। ऐसा भी हो सकता है कि सभी लोग आपस में लड़ जाएं और काफी जनसंख्या समाप्त हो जाए या भूचाल आए और इमारतें 40-50 फीट ऊपर आसमान में उछल जाएं और लोग दब कर मर जाएं। यह

जयगुरुदेव नाम प्रभु का





सभी कुछ सम्भव है परन्तु अब भारत के ऊपर किसी दूसरे देश का शासन नहीं हो सकता है।

भारत राम और कृष्ण की भूमि है। इस तपोभूमि में रह कर जो लोग आतंक पैदा करेंगे, अन्याय करेंगे, जनता के पैसों को अनैतिक रूप में जमाकर सुख और आराम की कल्पना करेंगे, मांस मछली अण्डा शराब का सेवन करेंगे उनके लिए आगे एक ऐसा समय आ रहा है कि आदमी को आदमी उठाने वाला नहीं मिलेगा।

बाबा जी का कहना है कि आगे जो तकलीफें आ रही हैं उन्हें कोई मिटा नहीं सकता। यदि पृथ्वी के कण-कण में सोना बरसा दिया जाय तब भी लोगों को सुख न मिल सकेगा। यह तकलीफ व्यक्तिगत रूप से होगी और कर्मानुसार होगी।

16 सितम्बर 1971, मऊ

पाकिस्तान का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा

57. यहां सिविल अस्पताल के मैदान में एकत्रित पचीसों हजार जनता को सम्बोधित करते हुये बाबा जयगुरुदेव जी ने मुसलमानों से कहा कि भारत की मिट्टी में पले और यहां का अन्न जल ग्रहण करने वाले मुसलमान केवल पाकिस्तान का ख्वाब न देखते रहें। यह तो राम, कृष्ण, कबीर और मुहम्मद की भूमि है। यहां के हिन्दू सबको प्यार करते हैं और तुम्हारी कब्रों को पूजते हैं। सभी भारतवासी नर-नारियां राष्ट्रभक्ति करें।

स्वामी जी ने आगे कहा कि जो दशा पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) की हो रही है वैसा ही नरसंहार पश्चिमी पाकिस्तान में होगा। फिर पाकिस्तान का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। सब भारत हो जायेगा तब आप कहां का ख्वाब देखोगे। भारत की मिट्टी में तो वह भी चीजें हैं जो विश्व भर में नहीं हैं। यह सदा से अध्यात्म का सिरमौर रहा है। भारत के कारण ही विश्वयुद्ध विभिन्न युगों में हुआ और इस युग में भी होगा। दुनियां के सारे देश मिलकर भारत पर आक्रमण करें तो भी इसको पराधीन नहीं बना सकते। भविष्य में तिब्बत और नेपाल स्वेच्छा से भारत में विलीन हो जायेंगे।

17 सितम्बर 1971, मरदह (गाजीपुर)

58. ऐसे महापुरुष का भारत में अवतार हो चुका है जो न केवल भारत वर्न् विश्व का एक नया संविधान, झण्डा और एक भाषा बनायेगा। उसकी दया से भारत में रामराज्य से भी अच्छा समय आयेगा। सबके शिवनेत्र खुलेंगे और राम कृष्ण तथा उनसे भी परे के लोकों में उनकी जीवात्माएं आयेंगी जायेंगी। मैं जब पहले आध्यात्मवाद मात्र का प्रचार करता था तो आप कहते थे कि ये तो मानव धर्म नहीं सिखाते। अब यह सिखाते हैं तो आप चौंकते हैं।

सितम्बर 1971, हरदोई
मैं सबका पैन्ट उतरवा दूँगा

59. मैं सबका पैन्ट उतरवा दूँगा। हम लोगों का अपना पहनावा है अपनी पोशाक है जिसे धारण करना चाहिए। जब तक विदेशी खान पान, पहनावा, रहन सहन हम लोगों का रहेगा तब तक हमारा सुधार मुश्किल है।

21 सितम्बर 1971
जयगुरुदेव की वाणी

60. जनता के प्रतिनिधियों ने बड़े पदों पर पहुंच कर जनता की गाढ़ी कमाई का अनेक अनैतिक कार्यों से जो रुपया जमा कर अपने निजी भोग विलासों के लिए विदेशी बैंकों में जमा किया है व जमा करते जा रहे हैं वह लोग 1976 तक यदि उस रुपये को भारत वापस नहीं लाते हैं तो उनके पासपोर्ट बंद किये जायेंगे जिससे कि जनता के उस पैसे का उपभोग न कर सकें।

एम0पी0 तथा एम0 एल0 ए0 वही चुने जायेंगे जो मांस, मछली, अण्डे नहीं खायेंगे शराब, ताड़ी, भांग, अफीम नहीं पियेंगे और रिश्वत नहीं लेंगे तथा आंदोलन तोड़-फोड़ हड़ताल नहीं करेंगे, पूर्ण निरामिष रहेंगे, एक पत्नीधारी होंगे। ऐसे लोगों को महात्माओं से प्रमाण पत्र लेना होगा। महात्माओं के आग्रह पर तब जनता इनको मतदान देगी।

परिवार नियोजन जो देश में जनसंख्या की कमी के लिए नसबंदी और गर्भपात कराया जाता है भारत जैसे धर्म प्रधान देश के लिये बहुत ही कृत्रिम उपाय है। इन उपायों से आम लोगों का चरित्र गिर रहा है। बच्चे बच्चियां बिगड़ रहे हैं। जनसंख्या का समाधान नहीं हो रहा है। पंच वर्षीय योजना में 10 अरब रुपया खर्च होता है। ऐसा परिवार नियोजन बंद कर दिया जायेगा अन्य साधनों से जनसंख्या का समाध ाान कर दिया जायेगा।

होटलों में स्त्रियों के नग्न नाच बंद कर दिये जायेंगे। क्लबों में जुआ, तास खेलना बंद कर दिया जायेगा। सोने पर से नियंत्रण हटा दिया जायेगा पानी सोना फ्री कर दिया जायेगा। प्रत्येक परिवार से रोजी के लिए पूछेगा व बिना रोजी वालों को रोजी देगा। गरीबों के कर्जे पर रुपये सैकड़े से ऊपर ब्याज को माफ कर देंगे।

भारत गरीब क्यों ?

61. बहुत पहले चीनी यात्री फाह्यान, ह्वेनसांग, मेगस्थनीज आदि ने भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा। यहां की चरित्र और ईमानदारी की भूरि-भूरि प्रशंसा की। यहां के राजाओं के विषय में लिखा है कि उनके पास अतुल धनराशि है। जिसके कारण भारतवर्ष सोने की चिड़िया कहलाया, जिस भारतवर्ष पर 17 बार आक्रमण कर के भी महमूद गजनवी गरीब न बना सका, जिस भारत को खुले हाथों से लूट कर भी नादिर शाह दरिद्र न बना सका, जिस भारतवर्ष पर राज्य करते हुए तुगलक बादशाह का दिल्ली से दौलताबाद राजधानी परिवर्तन करने पर भारी व्यय होने के बाद भी राजकोष खाली न हुआ। जिस भारतवर्ष पर मुगलों ने 'स्वर्ण युग का इतिहास' बना दिया, जिस भारत पर शासन करके अंग्रेजों ने भी इसे गरीब नहीं कहा वही भारतवर्ष 25 वर्षों के शासनकाल में सबसे अधिक गरीब देश माना जाने लगा। यह इसलिए हुआ कि देश में प्रजातंत्र शासन हो गया। गरीबी दूर करने का नारा लगा कर राजाओं के अधिकार समाप्त कर दिये गये, जमींदारों की जमींदारी समाप्त कर दी गई फिर भी देश गरीब ही रहा। इसका क्या कारण है ?

अगर देश गरीब है तो विदेशी बैंकों में खरबों डॉलर की भारतीय

सम्पत्ति कहां से जमा हो रही है ? जब भारत का धन बाहर जमा किया जायेगा तो देश की गरीबी के और कारणों को तो सहन किया जा सकता है लेकिन इस आर्थिक पक्षपात को तो जनता कैसे सह सकती है। आज जनतंत्र में सब कुछ उल्टा हो गया। राजे तो रहे नहीं। इसलिए राजसी बातें कैसे होंगी ? प्रतिवर्ष घाटे का बजट पेश किया जाता है, कर बढ़ने की सूचना दी जाती है। यह भार गरीब जनता के कंधों पर डाला जाता है। आर्थिक क्षतिपूर्ति गरीबों से ही की जाती है। इन आर्थिक विषमताओं के रहते हुए भी पूँजीवाद का पोषण हो रहा है। इसका परिणाम क्या हो सकता है ? यह तो अब दिनों दिनों प्रकट होता जा रहा है क्योंकि अब कुदरत भी बौखला रही है। प्रकृति यदि बौखला जाए तो क्या नहीं कर सकती है ? उसकी बौखलाहट सबको गरीब बना देगी।

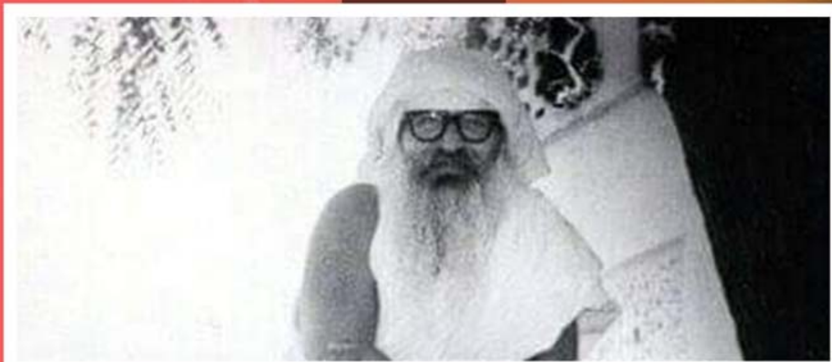
मत सताओ गरीब को वह रो देगा।
जब सुन लेगा उसका मालिक, जड़ से तुमको खो देगा॥

62. जयगुरुदेव नाम चक्र सुदर्शन की भाँति नर-नारियों की रक्षा करेगा। जयगुरुदेव नाम परमात्मा का है। जो लोग इस नाम को याद करेंगे उनकी ही मुसीबत में रक्षा हो जायेगी। अगर आदमी बेहोशी की हालत में हो और दवाएं काम न कर रही हों तो उसके कान में 'जयगुरुदेव' नाम को सुना दो फिर होश आ जायेगा।

29 सितम्बर 1971, गोण्डा
गोस्वामी जी का अधूरा काम मैं पूरा करूंगा

63. बाबा जयगुरुदेव जी ने यहां बताया कि गोस्वामी जी अकबर के समय में लाधड़ाक बोलते रहे जब कि तलवार की धार पर शासन चल रहा था। उन्होंने इतना चमत्कार दिखाया कि अकबर परेशान हो गया और अन्त में उसने माफी मांगी।

स्वामी जी ने आगे कहा कि तब नहीं डरे तो अब क्या है ! पहले के समय से यह समय अच्छा आया कि कम से कम बोलने का तो अधिकार है। एकतंत्र शासन में गोस्वामी जी जो काम पूरा नहीं कर पाये थे वो इस बार मैं पूरा कर दूंगा।







Jaigurudev nam prabhu ka

30 सितम्बर 1971, बलरामपुर (गोंडा)
सबसे बड़ी शक्ति की उम्र 30 वर्ष से ऊपर है

64. सारे विश्व के देश यदि एकजुट होकर भारत पर हमला कर दें तो भी कोई भारत देश पर कब्जा नहीं कर सकता। क्योंकि महान शक्तियों का जन्म भारत में हो गया है। किसी की उम्र 25 साल, किसी की 27, किसी की 28 और किसी की 29। सबसे बड़ी शक्ति का जन्म उत्तर प्रदेश में हो गया है जिसकी उम्र 30 वर्ष के ऊपर है। इन महान शक्तियों के बताये मार्ग पर चल कर आगे भारत विश्व का सिरमौर होगा। पर अभी 70 से 80 तक तो तुम्हारा कचूमर निकल जायेगा।

6 अक्टूबर 1971, जयपुर
लोग खड़े रहेगे और एक-एक गिर कर दम तोड़ देंगे

65. बाबा जी ने बताया कि भविष्य में भयंकर महामारी, भूखमरी, अनावृष्टि और बीमारी आयेंगी। लोग खड़े रहेंगे और एक-एक गिर कर दम तोड़ देंगे। भारत के इस तपोभूमि पुण्यभूमि पर जन्म लेकर अनाचार, अत्याचार, धोखाधड़ी, बदनियति भरपेट करते हो और अण्डा मांस मछली शराब ताड़ी गांजा भांग चरस पीते खाते हो। इन्हें तुरन्त छोड़ दो वर्ना विश्व में होने वाली महामारी के शिकार हो जाओगे। विदेशी खान पान, पहनावा, चाल-चलन, छोड़ो और शाकाहारी सदाचारी नीतियों को अपना लो। शुद्ध भारतीयता के आचरण में आ जाओ।

7 अक्टूबर 1971

66. समय बहुत ही भयंकर होता जा रहा है। परेशानियां बढ़ेंगी चाहे वह आपसी कारणों से हों, राजनैतिक कारणों से हों, कुदरती कारणों से हों, जिसके अंतर्गत बीमारी, भूकम्प, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, अकाल हर प्रकार की विनाशलीला सम्भव है। क्यों है ? कारण क्योंकि हमनें उनका आवाहन किया। जिसको सब कुछ मिल रहा है वह भी 'हाय' कर रहा है जो नहीं पा रहा है वह तो हाय कर ही रहा है। हमनें अपनी नियति संकीर्ण कर ली,नियति की खराबी से 50 प्रतिशत परेशानियां

हैं। धोखा, छल, फरेब, झूठ कपट, लड़ाई-झगड़े।

दूसरे हमारी धार्मिक भावनाएं समाप्त हो गयी, ईश्वर के प्रति हमारी आस्था समाप्त होने से, पाप पुण्य की भावना समाप्त होने से मनमाना कार्य होने लगा है । स्वेच्छाचारिता बढ़ती जा रही है। तो परेशानियां आयेंगी ही। यह परेशानियां कम अथवा दूर कैसे हो सकती हैं ? हम धर्म अपना लें। धार्मिक पुरुषों की महत्ता के आगे नतमस्तक हो जाएं। हमारा खान पान रहन सहन ठीक हो जाए। हम परिवार नियोजन का पाप सर पर ले रहे हैं और कुदरत का एक उफान सृष्टि नियोजन करने लगती है।

10 अक्टूबर 1971, बस्ती

67. बांग्लादेश को मान्यता देने की कोई आवश्यकता नहीं है। पश्चिमी पाकिस्तान में भी आपसी संघर्ष होगा और सब हिन्दूस्तान हो जायेगा।

13 अक्टूबर 1971, बांसी (सिद्धार्थनगर)

महंगाई और बढ़ेगी

68. स्वामी जी ने ग्रामीण जनता को बताया कि भविष्य में महंगाई अभी और बढ़ेगी। चीजों के दाम कई गुना बढ़ जायेंगे। तुम हड़ताल, आंदोलन, तोड़ फोड़ बंद कर दो। अगर बम्बई, कलकत्ता, लखनऊ जला दोगे तो इसका भार सम्पूर्ण देश को उठाना होगा। सरकार के पास कोई कारखाना नही चलता है जिससे नुकसान की पूर्ति की जायेगी। सारा का सारा बोझ तुम्हीं पर लादा जायेगा फिर तुम्हारी कमर तोड़ दी जायेगी।

14 अक्टूबर 1971

ज्योतिष शास्त्र (भविष्यवाणियों) से आतंकित कौन?

69. ज्योतिष शास्त्र तो एक विद्या है, एक ज्ञान है, एक अध्ययन का विषय है। अगर इसको रोक दिया जाए तो बहुत से वैज्ञानिक अविष्कारों को भी समाप्त कर दिया जायेगा। ज्योतिष गणनाओं के आधार पर ही चाँद, सूर्यपर पहुंच हो रही है, नक्षत्रों की स्थिति का पता लगाया जा रहा है। इसको रोकना कहां तक श्रेयस्कर होगा यह आप ही सोचें। ज्योतिष

द्वारा कही गयी या साधु महात्मा द्वारा कही गई वाणियों से साधारण वर्ग आतंकित नहीं होता है। आतंकित वे लोग होते हैं जो अपने को बहुत ही अधिक बुद्धिमान समझते हैं, जिनको उनकी ही चालाकियां उन्हें डराने लगती हैं। जो अपने ही विचारों से घबराये से रहते हैं और जिन्हें अपनी कमजोर स्थिति का आभास मिल जाता है किन्तु झूठ, अहंकार का आवरण डालकर अपनी हठता का स्वांग भरते हैं उन्हें अवश्य इन भविष्यवाणियों से डर होता है और आतंकित हो जाते हैं। घबराते भी हैं क्योंकि उनकी आत्मा की ही पुकार उनको आतंकित करती है। उनकी आत्मा इन भविष्यवाणियों की स्वतंत्रता की याद उनको याद दिलाती रहती है। इन संघर्ष की परिस्थितियों में वे क्या सोच सकते हैं ? केवल यही कि ज्योतिष शास्त्र समाप्त कर दिया जाए और महात्माओं की भविष्यवाणियों को रोक दिया जाए। ऐसी भविष्यवाणियां करने वाले लोगों पर कानूनी प्रतिबंध लगा दिया जाए। जुबान पर रोक लग सकती है, लेखनी को रोका जा सकता है किन्तु कुदरत की उन होने वाली घटनाओं को कैसे रोका जा सकता है या पहले के ग्रंथों में जो कुछ भी लिखा जा चुका है उन्हें कैसे रोका जा सकता है। एन्डरसन और हरार की भविष्यवाणी, कुरान शरीफ में लिखी मुहम्मद साहब की भविष्यवाणी को कोई रोक सका है? मुस्लिम राष्ट्रों का कलह रोका जा सका? मुसलमानों की जनसंख्या कम होने को कोई रोक पा रहा है। उस सफेद वस्त्रधारी फकीर के काफिले को जो पूरब से धूल उड़ाता घाघरा नदी को पार करता हुआ पश्चिम की तरफ गया क्या उसे कोई रोक सका? उसके बाद ही, आज पूर्वी पाकिस्तान में चल रही नर संहार की आंधी को रोक पा रहा है? राष्ट्रसंघ बना है, सर्वोच्च न्यायालय है फिर भी विश्व के इतिहास में नर संहार का एक अध्याय निर्ममता से जुड़ रहा है।

16 अक्टूबर 1971, गोरखपुर
यह नाम परमपिता अनामी महाप्रभु का है

70. स्वामी जी ने बताया कि मेरे इस शरीर का नाम तुलसीदास है। मैं जयगुरुदेव नाम का प्रचार करता हूं और जयगुरुदेव नाम का उच्चारण

खुद करता हूं। यह नाम उस परमपिता अनामी महाप्रभु का है जो अखिल विश्व का नायक है। उसने अनेकों राम, अनेकों कृष्ण, अनेकों ब्रह्मा, अनेकों विष्णु, अनेकों शिव, अनेकों ईश्वर, अनेकों खुदा पैदा किया है। वह सबका सिरजनहार है। जयगुरुदेव नाम को याद करने से तुम्हें आराम मिलेगा। किसी भी मुसीबत में इस नाम को याद करो तुरन्त रक्षा होगी। आगे यह नाम संसार के बच्चे बच्चे के जबान पर आ जायेगा।

21 अक्टूबर 1971, देवरिया
राजा और प्रजा में गदर होगा

71. स्वामी जी ने यहां बताया कि वक्त जरूर बदलेगा। स्वप्न मैं रोज देखता हूं। ऊपर से आदेश होता है कि लोगों को बता दो। सन् 1970 से 1980 तक कचूमर निकल जायेगा। सन् 1970 में मैंने बताया था किन्तु भौतिक युग के लोगों ने कुछ ध्यान नहीं दिया। मैंने कहा था कि एक प्रकोप आयेगा कि मुसलमान आपस में लड़ जायेंगे और लड़ मरेंगे।

अब फिर कह रहा हूं कि आगे सूखा पड़ेगा और अन्न नहीं मिलेगा। करोड़ों लोग भूखे मर जायेंगे । स्टॉक रखने वाले का स्टॉक खराब हो जायेगा जो काम नहीं आयेगा। उसमें कीड़े लग जायेंगे। उसी समय एटम बम के परिक्षण से गर्मी के कारण सारी दुनियां में हाहाकार मचेगा। जनता और राजा में गदर होगा।

22 अक्टूबर 1971, बैतालपुर (गोरखपुर)

72. आप सभी अंग्रेजियत की जहरीली शीशी को अपने हाथ से तुरन्त फेंक कर भारतीय सभ्यता व खान पान को पकड़ लें। खान पान, आंदोलन, तोड़ फोड़, हड़ताल व प्रजातंत्र के समूह को विदीर्ण कराने वाली बौराई हुई बुद्धि में पुनः शाकाहार व सदाचार की नई लहर को दौड़ाएं। भारत का किसान व मजदूर आज रो रहा है।

26 अक्टूबर 1971, सीतापुर
महान आत्मा का जन्म हो चुका है

73. स्वामी जी ने यहां बताया कि भारतवर्ष में महान आत्मा का जन्म हो चुका है। उसकी उम्र 30 वर्ष के ऊपर है। देश व दुनियां में परिवर्तन करने वाली वह महान आत्मा अपने साथ बाल गोपालों को भी लाई है जिनका जन्म अनेक स्थानों मे हो चुका है। समय आने पर वह महान आत्मा अपने समुदाय को संगठित कर लेगी।

26 अक्टूबर 1971, लखनऊ
अंग्रेजों की तरह अंग्रेजी को भी निकाल दिया जायेगा

74. जब गांधी महात्मा का प्रचार कार्य हो रहा था तो अपने को अकलमंद कहने वाले कहते थे ऐसा हो नहीं सकता कि अंग्रेज भारत छोड़कर चले जाएं। गांधी जी ने बड़ी लगन से कार्य किया और किसान मजदूरों को तैयार किया। यह देखकर वही अकलमंद आगे आये और कहने लगे कि हम भी तो आपके साथ हैं और कहते हैं कि अंग्रेजों को यहां से निकाल देना चाहिए खैर वे सभी आगे आये और किसानों मजदूरों को उन्होंने पीछे कर दिया।

अंग्रेज तो भारत छोड़कर चले गये किन्तु अंग्रेजी को वे बिल्ली के बच्चे की तरह पकड़े रहे।

स्वामी जी ने आगे बताया कि अब ऐसा नहीं होगा अंग्रेजों की तरह अंग्रेजी को भी निकाल दिया जायेगा और किसान मजदूर अब आगे आयेंगे और वे तुमको पीछे कर देंगे फिर तुम्हें समझ आयेगी।

मेरा परिचय - मैं कट्टर हिंदू हूं

75. स्वामी जी ने अपना परिचय देते हुए बताया कि :-

मैं कट्टर हिन्दू हूं। मैं मांस नहीं खाता, मैं अण्डे नहीं खाता, मैं शराब नहीं पीता, मैं ताड़ी भांग नहीं पीता, मैंने जीवन में बीड़ी या सिगरेट को होंठ से कभी नहीं लगाया, मैं रिश्वत नहीं लेता, मैं झूठ नहीं बोलता हूं, मैं आंदोलन हड़ताल तोड़फोड़ न करता हूं और न

!!! जयगुरुदेव नाम प्रभु का !!!

कराता हूं। मैं किसी धर्म, संस्था अथवा पार्टी की निंदा नहीं करता हूं , न किसी से लड़ता हूं या न किसी को लड़ाता हूं।

जिस प्रकार मैं कट्टर हिन्दू हूं उसी प्रकार मैं मुसलमानों का कट्टर दोस्त भी हूं। जो मुसलमान मांस, मछली, अण्डा, शराब, रिश्वत, अनाचार, छोड़ दें तो मैं उनका कट्टर दोस्त भी हूं और मुसलमान भी हूं।

मेरा यह किराये का मकान इन माताओं के गर्भ से तैयार हुआ है। इस मकान का नाम माता पिता ने तुलसीदास रखा। यह वही नाम है जो गोस्वामी जी का था और जिन्होंने रामचरितमानस की रचना की। माता पिता ने यह नाम क्यों रखा इसे वे जाने किन्तु मेरा नाम है तुलसीदास।

इस किराये के मकान का एक छोटा मोटा आश्रम मथुरा में है। वहां मैं वर्ष के बारह महीने में से लगभग एक माह तक रहता हूं और शेष ग्यारह महीने में भारत के अनेक प्रांतो में धर्म का प्रचार करता हूं। मैंने करोड़ों लोगों के मांस, मछली, अण्डा, शराब आदि को अब तक छुड़ा दिया और सन् 1972 के अन्त तक 20 करोड़ नर-नारियों को भारतवर्ष में तैयार कर दूंगा जो एक विचारधारा के सूत्र में बंधे होंगे।

27 अक्टूबर 1971, दिल्ली
ऊपर से बम गिरेंगे किन्तु फूटेंगे नही

76. स्वामी जी ने यहां बताया कि युद्ध के समय सत्संगियों की रक्षा की जायेगी। जयगुरुदेव नाम को बराबर याद करते रहो। यह परमात्मा का नाम है और हर क्षण तुम्हारी रक्षा करेगा।

स्वामी जी ने आगे बताया कि ऊपर से बम गिरेंगे किन्तु फूटेंगे नहीं। मालिक रक्षा करेगा। जो लोग मांस, मछली, अण्डा, शराब, रिश्वत, व्यभिचार नहीं छोड़ेंगे उनकी अकाल मृत्यु होगी। इसलिए उन्हें चाहिए कि महात्माओं की तलाश करें और अपने पापों को क्षमा करायें नहीं तो सूद सहित सबका भुगतान करना होगा।

"पांच बातें"

77. बहिष्कार इन पांच बातों का करना।
जो गुरुदेव कहते उसे ध्यान धरना।
अब मांस अण्डे मछली पकाना न खाना।
नशादार गांजा भी मुंह मत लगाना।
तु फिर तीसरे राजनीति से बचना।
सिनेमा व चलचित्र चौथा है गिनना।
हुआ जिससे सबके चरित्रों का गिरना।
महा कोढ़ पांचवां है अखबार पढ़ना।
इन अखबारों ने है धरम से गिराया।
इन अखबारों ने सबको सबसे लड़ाया।
है व्यवसाय कागज में सब झूठ रचना।
जो उपरोक्त इन पांच सीखें है समझना।
उसी में ही कुछ धर्म धारणा की क्षमता।
उसी को सहज होगा भगवान मिलना।
जयगुरुदेव की सीख भाई ये मानो।
इन पांचों बहिष्कृत को लिख लिख के टांगो।
जो माना भला बस उसी का समझना।

आइडेन्टिटी कार्ड बनवा लें

78. स्वामी जी ने बहुत सी समस्याओं का हल निकालने के लिए यह सुझाव दिया कि आप लोग आइडेन्टिटी कार्ड बनवा लें। इस पर सरकारी मोहर, फोटो तथा अफसर का दस्तखत हों। इससे जनगणना ठीक होगी। देशी और विदेशी लोगों की गिनती सही सही हो जायेगी क्योंकि हर कार्ड में पता हस्ताक्षर और मोहर ठीक ठीक रहेगी। डाकू जंगलों से बाहर निकल आवेंगे। अन्य बुरे काम करने वाले जो छिपे रहते हैं उन्हें भी समाज में आना पड़ेगा। विदेशी जासूसों का पता चल जायेगा। इलेक्शन में गड़बड़ी नहीं होगी। बुर्का ओढ़कर लड़के औरतों के नाम पर वोट नहीं दे सकेंगे। आइडेन्टिटी कार्ड देखकर वोट डालने के बाद रजिस्टर

पर टिकट लग जायेगा। तमाम जाली मुकदमें खत्म हो जायेंगे और सरकारी कार्यों में सुविधा पैदा हो जायेगी। जनता को भी किसी काम के लिए बहुत दौड़धूप पहचान से छुट्टी मिल जायेगी। मैं तो जनता में भक्ति भाव और खुशहाली देखना चाहता हूं।

भविष्य की झलक

79. जन जन के जबान पर जब ''जयगुरुदेव'' आयेगा,
सच्ची स्वतंत्रता का तब आनन्द पायेगा ।
तुम कर्म धर्म अपना कर्तव्य भुलाये,
भूलों को यही नाम ही अब होश लायेगा ।
जो अण्डे मांस मछली खूब खा रहा है डटकर,
वह फिर न समर्थन अब जनता का पायेगा ।
गांजा व चरस भांग शराबों का पियक्कड़,
सरकारी नौकरी में अब रक्खा न जायेगा ।
जो मार काट करते हैं खून खराबी,
उनकी भी नोक मोड़ कर साधू बनायेगा ।
आपस में बौखला कर लड़ता है लड़ाता,
वह श्वान की तरह अब दुतकारा जायेगा ।
चोरी व ठगी झूठ की जिनकी है कमाई,
उनकी मिठाई मेवा भी कोई न खायेगा ।
हड़ताल तोड़फोड़ है आंदोलन कराता,
उनके भी पास कोई अब आये न जायेगा ।
जो राष्ट्र विरोधी हैं दुश्मन समाज का,
सज्जन समाज में न कभी मुंह दिखायेगा ।
जूवा जो खेलते हैं और रिश्वत हैं लेते देते,
वह कोई राजदण्ड से बचने न पायेगा ।
उपकार दान सेवा सिद्धान्त देश का है ,
यह नाम ''जयगुरुदेव'' फिर जन जन में लायेगा।
हम हो गये गरीब व तन धन से हैं दुखी,
गुरुदेव बिना दुख न कोई यह मिटायेगा ।
मास्टर क्लर्क निम्न वेतन भोगी सिपाही,

यह नाम ही उनमें भी सुख समृद्धि लायेगा।

28 अक्टूबर 1971

हिन्दी हिन्दू और हिन्द पर आज यहां भीषण खतरा है

80. राज घाट पर सोये गांधी, जागो आज बेचैन धरा है।
हिन्दी हिन्दू और हिन्द पर, आज यहां भीषण खतरा है॥
चौदह वर्ष हुये पूरे तब, पूर्ण हुआ वनवास राम का।
तजा सिंहासन राज दण्ड फिर, मिला राम को धाम अवध का॥
बीत गये चौबीस वर्ष पर, हिन्दी अभी बनी बनवासी।
अभी दासता नहीं गई हम, बने हुये आंगल भाषी॥
माता का अपमान हो रहा, और विमाता विहंस रही है।
सच है घर के सिद्ध योगियों, की अपने घर कदर नहीं है॥
अंग्रेजी को राजमहल, हिन्दी के लिए बनी कारा है।
हिन्दी हिन्दू और हिन्द पर, आज यहां भीषण खतरा है॥
यह कैसा है प्रजातन्त्र जो, सीधी बात नहीं करता है।
संसद में या लोक सभा में, इंगलिस में बातें करता है॥
लोक सभा के देशी लोगों, तुम्हें राष्ट्र की आन नहीं है।
हिन्दी है भारत की भाषा, भारत इंगलिस्तान नहीं है॥
जनता की आवाज बड़ी है, या तेरा अधिकार बड़ा है।
हिन्दी, हिन्दू और हिन्द पर, आज यहां भीषण खतरा है॥
सेवा का आदर्श भूलकर, तेरे शिष्य आज मन्त्री हैं।
गांव अभी है वही पुराना, उनकी आज नई दिल्ली है॥
सर सर सरक रही हैं जीपें, जनता का आज वही ठेला है।
बदला चांद, सितारे बदले, नहीं सांझ की बेला है॥
और हमारी भूख न बदली, पेट अभी खाली का खाली।
कलाकार की आंत ऐंठ ली, गदहों के होठों पर लाली॥
अब तो संभल के काम करो तुम, दुख का बादल घहरा है।
हिन्दी, हिन्दू और हिन्द पर, आज यहां भीषण खतरा है॥

31 अक्टूबर 1971
महापुरुषों के यहां गद्दी का संघर्ष

81. यह गद्दी का संघर्ष महापुरुषों के यहां भी होता है। जब भी महात्मा इस दुनियां में काम करने आते हैं तो कुदरती तौर पर उनके पास जमीन जायदाद सामान आने लगते हैं। वो उनसे अपना काम ले लेते हैं। जब जिसकी आवश्यकता हुई वह चीज मिल जाती है। कबीर साहेब के शब्दों में ''बिना विलायत राज'' वो करते रहते हैं। जो उनको प्यार करते हैं वो उन वस्तुओं को, भौतिक सामानों को श्रद्धा से देखते हैं, उनकी आश्रमों की धूल को सिर माथे लगाते हैं किन्तु उनके अन्दर संघर्ष की भावना नहीं होती है। वो कभी महापुरुषों की सांसारिक गद्दी लेने की बात सोच ही नहीं पाते हैं और महापुरुष भी जब ऐसे प्रेमी को पाते हैं तो उन्हें भरसक इन सब झगड़ों से दूर ही रखते हैं।

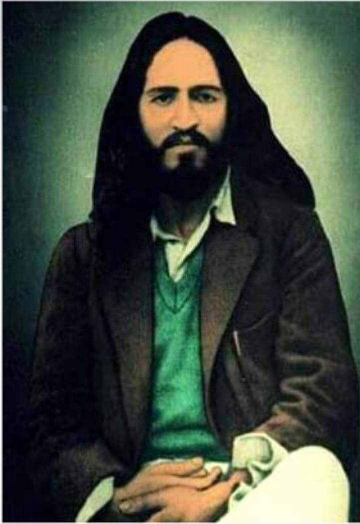
महापुरुषों का यह प्रेमी जानता है कि उनकी गद्दी ईंट पत्थर की इमारत या काठ के बने सामान या किसी भी प्रकार के भौतिक पदार्थों की नहीं होती है। वह तो उनसे अपने दिव्य लोक की प्रार्थना करता है। वह उनके कदमों की छांह चाहता है जिसके आगे विश्व की सभी शक्तियां नतमस्तक हो जाती हैं। सूरदास ने कहा - ''कामधेनु तजि छेरी कौन दुहावे''इसलिए महापुरुषों की गद्दी बहुत ही ऊंची होती है। उनका प्रेमी केवल उनको चाहता है। गद्दी के लिए लड़ झगड़ करने वाले लोग न तो महापुरुषों को समझ सकते हैं और न अपने को।

अक्टूबर 1971, पीलीभीत
गरीबों की गरीबी कैसे दूर होगी?

82. बाबा जी ने यहां कहा कि गरीब के केवल भगवान व महात्मा हैं, दूसरा कोई नहीं। गरीब आरत में आकर और पाप करते हैं इससे उसे और दुख का सामना करना पड़ता है। अमीरों को दुख है पर साधन उपलब्ध होने से हम सब गरीबों को उनके दुख ज्ञान नहीं हो पाता है।

जब तक गरीब मांस, मछली, अण्डे खाना नहीं छोड़ेंगे शराब, ताड़ी, गांजा, भांग, अफीम पीना नहीं छोड़ेंगे तब तक गरीबों

जयगुरुदेव नाम प्रभु का













की गरीबी दूर कदापि नहीं होगी।

8 नवम्बर 1971 थावे (गोपालगंज)

भविष्य में बिजली का बनना बंद हो जायेगा

83. स्वामी जी ने लोगों को इस बात की चेतावनी दी कि पापों का घड़ा भर चुका है और अब वह फूटेगा। अभी तो आप अतिवृष्टि से ही परेशान हैं , फसलें नष्ट हो गईं, सड़कें और घर बर्बाद हो गये। अगर आप मांस, मछली, शराब, ताड़ी, अण्डे, आंदोलन, हड़ताल तथा अन्य दुराचार नहीं छोड़ते हैं तो आगे चल कर भयानक सूखा पड़ेगा। पानी न गिरने से ये नदियां व नहरें सूख जायेंगी। डैम पर पानी नहीं रहेगा और बिजली का बनना बन्द हो जायेगा। कारखानों, शहरों, ट्यूबवेलों को बिजली नहीं मिलेगी और तमाम काम ठप हो जायेगा। जल स्तर बहुत नीचे चला जायेगा जिससे सिंचाई के लिये पानी नहीं मिलेगा सारे विश्व में हाहाकार छा जायेगा तब अन्न किधर से पैदा होगा और आप क्या खाओगे। आपको भर पेट भोजन मिलता है इसलिए आप सुनते नही। अभी दो दिन भोजन बन्द हो जाए तो आप सब कुछ मान जायें।

12 नवम्बर 1971, अयोध्या

भविष्य में मकानों में ताला नहीं लगेगा

84. आगे समय में धर्म कर्म का सुधार होगा। सब के सब मकानों में ताला नहीं लगायेंगे केवल कुत्ते बिल्ली के हिफाजत के लिए बंद कर देंगे । छोड़कर चले जायेंगे। किसान बीमारी, अन्न की कमी, मुकदमें से, करों से, घरों के विवादों से परेशान हैं। उनमें स्थिरता नहीं रही। जिम्मेदार किसानों का पूरा पूरा सरकारी व गैर सरकारी कर्जा दो बार में माफ कर दिया जायेगा। किसानों के लाभ की कार्मिक व धार्मिक चर्चा की जायेंगी। भविष्य के समय में मछली मारते या किसी जीव को मारते या काटते बच्चे या बड़े लोग नहीं दिखाई पड़ेंगे। धर्म और अहिंसा से ऋतुयें चार चार महीनें की होंगी। जल पृथ्वी अग्नि वायु सबकी मदद से एक बीघे में किसानों के खेतों में

100 मन गल्ला होगा।

मंत्रियों के बच्चे फौज और पुलिस में नहीं जा सकते हैं

85. मजदूरों तुम मजदूरी से पस्त हो चुके हो महंगाई इतनी बढ़ रही है कि सबकी हिम्मत पस्त हो चुकी है। जब किसानों के खेत में एक बीघे में 100 मन गल्ला होगा तो वह खुशी से 8 रुपये के बजाय 10 रुपया हर रोज मजदूरी दे दिया करेंगे। उन जान देने वालों जिम्मेदार बच्चों की तरफ जिन्हें पुलिस का सिपाही कहते हैं अगर तुम्हारा ध्यान नहीं जाता तो तुम्हारा सफाया हो जायेगा। मंत्रियों के बच्चे फौज और पुलिस के सिपाही नहीं बन सकते। सिपाही गृहस्थी के चलाने के लिए पीड़ित होकर धैर्य खोयेगा और कम पैसे में परिवार की रक्षा नहीं कर पायेगा। तुम सिपाही को निकम्मा समझते हो। अगर किसी को सिपाही ने अपराध में पकड़ा तो तुम कहते हो कि तुम बदमाश हो तुमने झूठ मुकदमा कायम किया है सबने इन सिपाहियों को डांटा और आरोप लगायें। अगर पेट पालन के लिए उसने 8 आने एक रुपया या दो रुपये ले लिया तो सब डांट लगाते है।

चारों तरफ से घेरकर सिपाहियों को परेशान करते हैं। किसान मजदूर के बच्चे सिपाहियों तुम्हारी कोई गलती नहीं। लोगों को लाख लाख रुपये लेने पर भी संतोष नहीं होता। तुम इन्हें 8 आने लेने से जलील मानते हो । तुम अगर दुकान, मकान, खेत की रक्षा चाहते हो और तुम्हारा इधर ध्यान नहीं गया तो सर्वनाश हो जायेगा। आगे समय में पुलिस के सिपाही को 300 /- रुपया मासिक वेतन मिलेगा। मैं देखता हूं कि कैसे पुलिस के सिपाहियों को 300 रुपया माहवार नहीं मिलता है।

यह हनुमान की टोपी है

86. ये सब सत्संगी तुम सबको सिखा देंगे। इनके सिरों पर जो टोपियां रक्खी हैं यह इनका राजतिलक है। इनके हिफाजत रक्षा, मर्यादा देश में रहेगी। तुम इनकी हंसी करते हो। यह हनुमान की टोपी है। इसको लगाकर हनुमान लंका जलाकर अयोध्या आ गये।

देश के जिम्मेदार - अध्यापक

87. देश के जिम्मेदार अध्यापक जो प्राइमरी स्कूलों के हैं उन्हें 300/- रुपया मिलेगा। कौन देगा? इससे तुम्हें क्या मतलब। भगवान देगा उसकी भेजी हुई शक्तियां देंगी। उसके बाद जिम्मेदार विद्यार्थी है। क्या आप इनको नौकरी दे सकते हैं ? इन सब विद्यार्थियों का जीवन अंधकारमय है। सभी सुखमय जीवन व्यतीत करना चाहते हैं। विद्यार्थियों के बारे में बता रहा हूं कि आगे समय में विद्यार्थियों को स्कूल से निकलने के बाद एक महीने तक आराम करने की अनुमति मिलेगी। कोई खाली नहीं बैठ सकता। हर एक को नौकरी या काम मिलेगा।

संस्कृत हमारे ज्ञान की भाषा है

88. राष्ट्र और समाज का हर प्रकार से विकास होगा। भारत के विकास पर दुनियां के लोग दांतों तले अंगुली दबायेंगे। सब लोग संस्कृत पढ़ें वरना आरो पद नहीं मिलेगा। संस्कृत हमारे ज्ञान की भाषा है। सन 70 से 80 तक देश के दुनियां का कचूमर निकल जायेगा। अपने रजिस्टर कापी किताब पर यह नोट कर लें दिल्ली लखनऊ के लोग सुनें। सब पहले अपना काम करते हैं। मांस, मछली, मुर्गी, अण्डे, शराब, ताड़ी, गांजा, भांग, अफीम का सेवन नहीं छोड़े, तोड़फोड़ आंदोलन हड़ताल बंद नहीं किये तो उनके हाथ से शासन चला जायेगा। शासन धार्मिक लोगों के हाथ में पहुंच जायेगा। आप शाकाहारी बनें। लड़ाई को लेकर के अगर सेवा का अवसर आयेगा तो इतने करोड़ लोगों के साथ मैं आपका सहयोग करूंगा।

ये सही प्रजातंत्र नहीं है

89. स्वामी जी ने जनता से पूछा कि जो लोग चाहते हैं कि सत्य बात सुनाया जाये , हाथ उठावें। सबने हाथ उठाया। स्वामी जी ने कहा कि देश की आबादी 65 करोड़ है, 5 आदमी कम या 5 आदमी ज्यादा। इसका मुझे स्वप्न हुआ है इसमें कोई गलती नहीं। 65 करोड़ में 20 करोड़ बालक निकल जाते हैं। 45 करोड़ लोग बालिग हैं। मतदाता की सूची में केवल 27 करोड़ का नाम लिखा है। 18 करोड़ों लोगों ने

क्या गुनाह किया। क्या वे राष्ट्रभक्त नहीं हैं। जो उनका नाम नहीं लिखा गया। 27 करोड़ की सूची में कुल 14 करोड़ 45 लाख लोगों ने वोट दिया। 12 करोड़ 55 लाख उसमें भी बच गये। कुल मिलाकर एक तरफ 30 करोड़ 55 लाख हुए और एक तरफ 6 करोड़ नई कांग्रेस को मिला। 8 करोड़ 45 लाख अन्य लोगों को मिला। यह कोई प्रजातंत्र नहीं है जिसने भाई - भाई, मित्र -मित्र, चाचा - भतीजा, पार्टी - पार्टी, पति - पत्नी को लड़ा दिया। शराब ताड़ी पिलाया। आन्दोलन तोड़ फोड़ हड़ताल कराया।

देश के रखवालों ने किसानों को लूटा

90. किसान बीमार हो गया तो उसने रखवाले से कहा कि मैं बीमार हूं मेरे खेत के रखवाली कर दो। रखवाले ने सोचा मालिक बीमार हैं देखने तो आता नहीं उसने सारे खेत की बालों को ऊपर ऊपर से काट डाला और अपने घर पहुंचा दिया। डंठल को काट कर मालिक के खलिहान में पहुंचाया और भूसा बना दिया। रखवाले ने कहा यह मैंने तैयार कर दिया आप गेहूं निकाल लेना। किसान ने देखा कि गेहूं कुछ निकला ही नहीं यह सोचता रहा कि क्या हो गया। प्रजातंत्र के रखवालों ने प्रजातंत्र का दिवाला कर दिया।

14 नवम्बर 1971, लखनऊ

91. मैं पक्का राष्ट्रभक्त हूं। मुझ पर बेकार खर्च न करें खर्च उन लोगों पर करें जो पांच मिनट में खबरें विदेशों में भेज देते हैं।

21 नवम्बर 1971, रामलीला मैदान (दिल्ली)
मेरा नाम वोटर लिस्ट में नहीं

92. मैं आप से बताता हूं कि मैं सोलहो आने देश भक्त हूं बल्कि इससे भी अधिक। आप लोगों की तरह मैं भी एक नागरिक हूं। मेरा मथुरा में आश्रम है। 30-35 बीघे जमीन पर खेती करता हूं। साल में 60-70 हजार का गल्ला पैदा करता हूं जमीन का टैक्स वाटर का टैक्स और कितने तरह का टैक्स देता हूं। मेरे आश्रम पर 30-40 आदमी सदा रहते हैं पर मेरा नाम वोटर लिस्ट में नहीं। क्या यही प्रजातंत्र है ?

आप पूछेंगे कि क्या आपके पास कोई दवा है जिससे प्रजातंत्र ठीक से चले। मैं कहता हूं अवश्य। यदि आप अनुशासन, राष्ट्रभक्ति सुचारू रूप से निर्वाचन चाहते हैं तो सबका आईडेन्टिटी कार्ड बनवा दीजिए जिसमें एक तरफ व्यक्ति का नाम पता हो और दूसरी तरफ उसकी फोटो किसी सरकारी अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। सबका नाम एक सरकारी रजिस्टर में रहे। इससे मतदान के समय कोई गड़बड़ी नहीं हो सकती। इससे देश में वह सदाचार वह राष्ट्रभक्ति वह प्रेम आ जायेगा जो खो गया है।

26 नवम्बर 1971, मथुरा
हम कारण न बनें

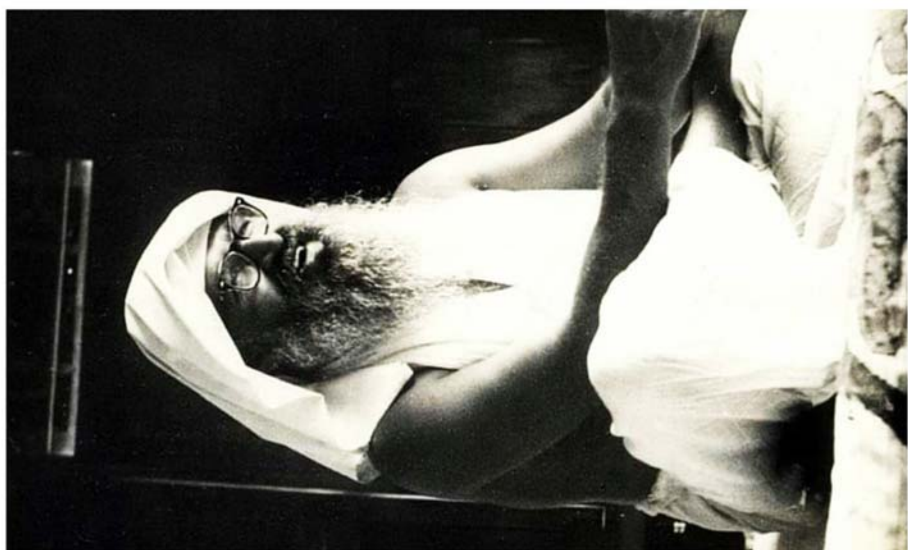
93. आज से 40 साल पहले स्वामी जी ने (दादा गुरुजी महाराज ने) कहा था कि पूरब से आंधी चलेगी जिसमें पेड़ पलाव नहीं दिखाई देंगे। सूरज की रौशनी भी आंधी में ढक जायेगी। इतनी बड़ी आंधी रहेगी की जिसको सम्हालना मुश्किल होगा। स्वामी जी के स्वामी जी ने कहा। अब यह बात सामने आ रही है। हमें सन 70,71,72 को कारण नहीं बनने देना है मुसीबत एक तपस्या है। हनुमान राम के साथ और, अर्जुन कृष्ण के साथ रहते थे दोनों बराबर कष्ट सहते थे। भक्तों का नाम कष्ट उठाने के बाद होता है।

30 नवम्बर 1971, शिकोहाबाद

94. मैं जो भविष्य का दृश्य देख रहा हूं उससे मुझे खुशी नहीं है। तुम्हारे रोने के दिन आ रहे हैं और तुम्हें खूब रोना होगा।

3 दिसम्बर 1971, फूलबाग (कानपुर)
पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया

95. दिल्ली रामलीला मैदान में झण्डा तैयार था और जब स्वामी जी उसे फहराने के लिए पहुंचे तो उनकी मौज बदल गई और बगैर फहराये वापस चले गये। रात्रि में सत्संग में उन्होंने बताया कि मैंने झण्डा नहीं खोला है। वह बंधा हुआ है और ऐसे ही यहां से चला जाएगा। इसका रहस्य मैं बाद में बताऊंगा। दिल्ली के बाद मथुरा



में पड़ाव 26 से 28 नवम्बर तक था। वहां पर स्वामी जी ने पुनः झण्डे के विषय में बताया कि अगर मैंने झण्डा खोल दिया होता तो कुछ न कुछ गड़बड़ अवश्य हो जाता।

कानपुर में 3 दिसम्बर को यात्रा सम्पन्न होने वाली थी। फूलबाग मैदान में सत्संग हो रहा था। स्वामी जी ने बताया कि मेरी यात्रा पूर्ण सफल रही और किसी प्रकार विघ्न नहीं हुआ। इसी बीच खतरे का बिगुल बज उठा और पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया। थोड़ी देर में सारा शहर अन्धकूप हो गया। दूसरे दिन स्वामी जी ने प्रेमियों को झण्डा न खोलने के रहस्य को बताते हुए कहा कि यदि दिल्ली में झण्डा खोल दिया जाता तो यात्रा अधूरी रह जाती और पड़ाव स्थानों पर सत्संग न हो पाता।

5 दिसम्बर 1971, इलाहाबाद
पाकिस्तान समाप्त हो जाएगा

96. बाबा जयगुरुदेव जी ने यहां बताया कि उनका स्वप्न पूरा हुआ। पूरब का पाकिस्तान और पश्चिम का पाकिस्तान समाप्त होगा। स्वामी जी ने आगे कहा कि मुसलमानों की धर्म पुस्तकों में इस बात का जिक्र आया है कि जब कोई सफेद वस्त्रधारी फकीर पूरब से बहुत बड़े हजूम को साथ लेकर सरजू नदी को पार करता हुआ पश्चिम को जायेगा तो मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि उनके खात्मे की शुरुआत हो रही है।

स्वामी जी ने बताया कि सन् 1970 में हमारी पहली यात्रा नकली थी और उसके बाद मुसलमानों में आपसी संघर्ष शुरू हुआ और लाखों लोग मारे गये। अब भारत पाकिस्तान की लड़ाई से अमेरिका को बड़ी चिन्ता है क्योंकि उसका अरबों खरबों डॉलर पाकिस्तान में लगा हुआ है। उसे इस बात का भय है कि उसका सारा का सारा धन अब डूब जायेगा।

10 दिसम्बर 1971, लखनऊ

97. जयगुरुदेव बाबा ने प्रेमियों के कुछ प्रश्नों के उत्तर में कहा कि भारत को चाहिए कि इजरायल से दोस्ती कर ले क्योंकि अन्त में

भारत व इजरायल की दोस्ती हो ही जायेगी। मुसलमानी मुल्क हमेशा भारत का विरोध करेंगे।

11 दिसम्बर 1971, मथुरा
पहला नरसंहार पूरब में होगा

98. पहला नर संहार पूरब में होगा। दूसरा नर संहार पश्चिम में होगा, तीसरा उत्तर में होगा और फिर दक्षिण में होगा। उसके बाद चारों तरफ बजेगा। सन् 1970 से 1980 तक तुम्हारा कचूमर निकल जायेगा। देश में कोई भी माई का लाल देश की गरीबी को सन् 70 से 80 तक दूर नहीं कर सकता है।

12 दिसम्बर 1971, मथुरा
महान आत्मा की अवस्था 30 वर्ष के ऊपर है

99. स्वामी जी ने यहां बताया कि माता पिता अपने बच्चों को मांस मछली अण्डा न खिलावें। जो बच्चे मांस मछली नहीं खाना चाहते हैं उन्हें जबरदस्ती न खिलायें। पता नहीं किसके घर में किन शक्तियों का अवतरण हुआ है। ऐसे बच्चे अभी तुम्हारे घरों में पल रहे हैं और समय आने पर कुछ काम करेंगे। बच्चों के लिए स्वामी जी ने कहा कि अगर माता पिता नहीं मानते हैं तो उनसे कहो कि मुझे ही पका कर खा लें। मेरा मांस अधिक स्वादिष्ट होगा।

स्वामी जी ने बताया कि वह महान आत्मा जो विश्व में सुधार करेगी भारत में जन्म ले चुकी है और उसकी अवस्था 30 वर्ष के ऊपर है। वह शीघ्र ही अनेक औतारी शक्तियों को संगठित कर लेगी जो जगह जगह बिखरी हुई हैं। स्वामी जी ने इस बात का भी संकेत दिया कि वह महापुरुष उत्तर प्रदेश का है।

14 दिसम्बर 1971
शिव का पहरा लगा हुआ, संहार दिखाई दें

100. शिव का पहरा लगा हुआ, संहार दिखाई दे।
आलमगीर जंग नजदीक लगा, यह खार दिखाई दे।

इस्लामी मुल्कों में तकरार छिड़ेगी, लाशों पर लाश दिखाई दे।
    कोई ठावे ना पड़ी सड़ेंगी, कहीं कहीं चक्कू की मार दिखाई दे।
रुपइया में चवन्नी बच जायेंगे, बाकी मुसमार दिखाई दे।
भारत से पड़ोसी मुल्क लड़ेगा, भारत गलती का नुकसान भरेगा।
    भारत की कोई ना मदद करेगा, दुश्मन की हार दिखाई दे।
    रूस से जो बनी मित्रता है, इसमें नाफार दिखाई दे।
रूस अणु अस्त्र इस्तेमाल करेगा, चीन में नर-नारी बहुत मरेगा।
चीन अमेरिका की भी तकरार दिखाई दे, चीन की हार दिखाई दे।
    तिब्बत के अंदर बनी भारत सरकार दिखाई दे।
    72 के बाद कांग्रेस हुकूमत हट जायेगी,
सुरक्षा परिषद अमेरिका से उठकर, भारत में चली आयेगी।
एक शक्ति उजियार हो जायेगी, उसकी जय जयकार दिखाई दे।
    सारी दुनियां में बढ़ता हिन्दू धर्म, विस्तार दिखाई दे।
सुनो भारत के नर-नारी, देश में बढ़ी रिश्वत खोरी चोरी।
जिन मिनिस्टरों में ये मिलेगी बीमारी, वे गिरफ्तार दिखाई दे।
    कभी न बख्शे जायेंगे, कारागार दिखाई दे।
यदा यदा हि धर्मस्य, गीता में कह गया अपनी जुबानी।
सिंह राम कहे आज भी हुई, धर्म की हानी।
    पैदा हुआ अवतार दिखाई दे।
जयगुरुदेव कृपा से अबकी,
जुल्मों का किला मिस्मार दिखाई दे, संहार दिखाई दे।



14 दिसम्बर 1971

कहैं जयगुरुदेव पुकार जमाना बदलेगा

कहैं जयगुरुदेव पुकार जमाना बदलेगा ।
सुनते जाना सभी नर व नारी जमाना बदलेगा।
छोटे बड़े जितने पदाधिकारी, सब कोई होंगे शाकाहारी।
बंद हो जाएगा मांसाहार, जमाना बदलेगा ।
मांस मछली अंडा जो सेवन करेंगे,
ताड़ी शराब भांग गांजा पिएंगे ।
उनका पद छीन लेगी सरकार, जमाना बदलेगा।
एमपी एमएलए और मंत्री मिनिस्टर,
सभी लोग होंगे शाकाहारी कट्टर ।
बंद होगा सभी दुराचार, जमाना बदलेगा ।
विदेशी बैंक में जो धन है छिपाये,
वापस 76 सन् तक लाए ।
नहीं पछताएंगे सिर मार, जमाना बदलेगा ।
बंद हो हड़ताल तोड़फोड़ आंदोलन,
बंद हो जाए परिवार नियोजन ।
बदल जायेंगे सभी कारोबार, जमाना बदलेगा।
नग्न सिनेमे बंद किये जायेंगे,
पुलिस सिपाही वेतन 300 पायेंगे ।
सभी बंद हो चोरी व व्यभिचार, जमाना बदलेगा।
दिल्ली से राजधानी हटेगी, यू एन ओ भारत में पलेगी।
निर्णय लेने आयेगा संसार, जमाना बदलेगा ।
राष्ट्रभाषा होगी संस्कृत और हिन्दी,
रिश्वतखोरी पर लग जाएगी पाबंदी ।
फैल जाएगा सब में सदाचार, जमाना बदलेगा।
बंद हो जाएगा गऊओं का कटना,
कोई नहीं होगी अनैतिक घटना ।
मांस मदिरा का बंद हो बाजार, जमाना बदलेगा।

कॉलेज से निकल छात्र नौकरी को पाएंगे,
वृद्ध व अपाहिज पैसा राज कोष से खाएंगे।
सुखी होगा सभी परिवार, जमाना बदलेगा।
8 रुपए रोज मजदूरी मिलेगी,
राष्ट्रपति चुनाव सीधे जनता करेगी।
जो कि है देश के कर्णधार, जमाना बदलेगा।
प्रेम और अहिंसा की होड़ लग जाएगी,
चोरी ठगी झूठ की निशानी मिट जाएगी।
सब हो पूर्ण निरामिष हार, जमाना बदलेगा।
साधन भजन की सब करेंगे कमाई,
मांसाहारियों की हो जाएगी सफाई।
वर्षा सूखा पड़ेगा अकाल, जमाना बदलेगा।
परजा बहुत मरेगी जग में, लाशें पड़ी सड़ेंगी घर घर में।
उठाने वाले मिलेंगे न यार, जमाना बदलेगा।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण, छिड़े लड़ाई आए दुर्दिन।
भारी संख्या में हो नरसंहार, जमाना बदलेगा।
अन्न का दाना नहीं मिलेगा, टैक्स अभी भी और बढ़ेगा।
धर्म जल्दी से लो अब धार, जमाना बदलेगा।
कहैं जयगुरुदेव पुकार जमाना बदलेगा।







28 दिसम्बर 1971
डॉ0 जूलवर्न की भविष्यवाणियां

101. डॉ0 जूलवर्न प्रसिद्ध फ्रान्सीसी भविष्य वक्ता हैं। अन्तर्राष्ट्रीय जगत में उन्हें भविष्यवक्ता के रूप में जॉन डिक्सन, एन्डरसन, प्रो0 हरार, और चार्ल्स क्लार्क से कम महत्व नहीं दिया गया है। उन्होंने 1969 में चन्द्रमा पर मानव अंतरिक्षयान उतर जाने की भविष्यवाणी 10 वर्ष पूर्व ही कर दी थी। वह सच निकली।

श्री जूलवर्न कहते हैं कि यांत्रिक सभ्यता के प्रति तीव्र रोष तथा घृणा के भाव पैदा होंगे। योरोपीय जातियों का झुकाव भारतवर्ष जैसे धार्मिक देश की ओर तेजी से बढ़ेगा। न केवल लोग भारतीयों का अनुगमन, वेशभूषा, खानपान गृहस्थ सम्बन्धी के रूप में करेंगे वर्‌न भारतीय धर्म एवं संस्कृति के प्रति श्वेत जातियों का आकर्षण इतना अधिक बढ़ेगा कि सन् 2000 तक दूसरे देशों में हिन्दू देवी देवताओं के मंदिरों की स्थापना हो चुकी होगी। उनमें लाखों लोग पूजा उपासना भजन कीर्तन और भारतीय पद्धति के संगीत का आनन्द लेने लगेंगे। मैंने पूर्वाभास के ऐसे समय देखे हैं।

चीन अणुबम बना कर भी एशिया का प्रभुता सम्पन्न देश नहीं बनेगा। उसकी भारतवर्ष से काफी समय तक शत्रुता बनी रहेगी। भारत न केवल अपनी भूमि छुड़ा लेगा वरन् तिब्बत भी मुक्त हो जायेगा। उसके भारतवर्ष में मिल जाने की सम्भावनाएं भी हैं। पाकिस्तान का कुछ भाग अफगानिस्तान ले लेगा और कुछ भारतवर्ष। इस तरह उसका अस्तित्व अधिक दिन तक टिकेगा नहीं।

संसार के किसी सर्वाधिक प्राचीन पर्वत से जो वर्ष भर बर्फ से ढका रहता है(सम्भवत: हिमालय पर्वत है) कुछ ऐसी सामग्री पुस्तकों और स्वर्ण मुद्राओं का भण्डार मिल सकता है जो ईसा के पूर्व के इतिहास को बिलकुल ही बदल सकता है। यही नहीं उससे सम्बन्धित देश इतना शक्तिशाली हो सकता है कि रूस, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी मिलकर भी उसका सामना करने में समर्थ

न हों। वह देश भारतवर्ष होगा।

भारतवर्ष में किसी एक ऐसे रहस्यमय व्यक्ति का जन्म हो चुका होगा जो आज तक के इतिहास का सबसे अधिक समर्थ व्यक्ति सिद्ध होगा। उसके बनाये विधान सारे विश्व में लागू होंगे। सन् 1970 से 1980 तक 10 वर्ष भीषण प्राकृतिक हल चले होंगे। वायु दुर्घटनाएं, अतिवृष्टि, सूखा बाढ़, भूकम्प आदि बढ़ेंगे। तुर्की का अधिकांश भाग भूकम्प से नष्ट हो जायेगा। अरब में गृह युद्ध हो जायेगा। उसका लाभ इजरायिलियों को मिलेगा। समुद्री तूफानों की बाढ़ आयेगी। सन् 1972 में समुद्र में प्रलय जैसी स्थिति आ सकती है। उसके किनारे के कई भू भाग कई टापू, बिलकुल नष्ट हो सकते हैं। कई बिलकुल नये टापू निकल कर आ सकते हैं। नवोदित टापुओं में किसी शक्तिशाली जाति का अधिकार होगा इसमें बहुत से रत्नों का ढेर मिलेगा जो उस जाति की आर्थिक समृद्धि बढ़ायेगा।

दूसरी ओर एक बिलकुल धार्मिक क्रान्ति उठ खड़ी होगी जो ईश्वर और आत्मा के नये नये रहस्य प्रकट करेगी। विज्ञान उसकी पुष्टि करेगा फलस्वरूप नास्तिकता और वामपन्थ नष्ट होता चला जायेगा। उसके स्थान पर लोगों में आस्तिकता, न्याय नीति, श्रद्धा, अनुशासन और कर्तव्य परायणता के भाव उगते हुए चले आयेंगे। यह परिवर्तन ही विश्व शान्ति के आधार बन सकते हैं।

इस प्रकार परिवर्तन की आवाज़ कहीं से उठेगी और कौन उसका संचालन करेगा यह पूछे जाने पर जूलवर्न ने बताया जैसा कि मुझे आभास होता है यह आध्यात्मिक क्रान्ति भारतवर्ष से ही उठेगी। उसके संचालन के बारे में मेरे विचार और जॉन डिक्सन से भिन्न यह हैं कि वह व्यक्ति सन् 1962 से पूर्व ही जन्म ले चुका था। इस समय उसे भारतवर्ष में किन्हीं महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न होना चाहिए। यह व्यक्ति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी रहा होना चाहिए। उसके अनुयाइयों की बड़ी संख्या भी है। उसके अनुयायी एक समर्थ संस्था के रूप में प्रगट होंगे और देखते ही देखते सारे

विश्व में अपना प्रभाव जमा लेंगे और असम्भव दिखने वाले परिवर्तनों को आत्म शक्ति के माध्यम से सरलता व सफलतापूर्वक सम्पन्न करेंगे। श्री जूलवर्न का विश्वास है अगले दिनों इस इतिहास की पुनरावृत्ति होने वाली है, उस परिवर्तन को कोई रोक नहीं सकेगा।



महत्वपूर्ण सूचना

जयगुरुदेव आध्यात्मिक साहित्य संस्थान द्वारा
सम्पूर्ण भारत में संदेश प्रसारण करने के लिए 5 जोन बनाए गए हैं।
जिसके अलग-अलग सेवादार सुंनिश्चित किए गए हैं।
आप जिस जोन के अंतर्गत आते हैं, आप उस सेवादार के पास
व्हाट्सएप मैसेज करके उस जोन से अवश्य जुड़ जाइए।
ताकि परम पूज्य बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के
समसामयिक संदेश आपको निरंतर मिलते रहें।

1. पूर्वी भारत जोन :– +91 6393707567

पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, असम, सिक्किम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, अरूणाचल प्रदेश, नेपाल

2. पश्चिमी भारत जोन :– +91 9259334175

पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान, गुजरात

3. उत्तरी भारत जोन :– +91 7987091874

मध्य उत्तर प्रदेश के सभी जिले

4. मध्य भारत जोन :– +91 7024306807

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, महाराष्ट्र, दमन एण्ड दीव

5. दक्षिणी भारत जोन :– +91 8840461279

आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु, केरल, लक्षद्वीप, पाण्डिचेरी, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह एवं अन्य राष्ट्र

फ्रांसीसी भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस

नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी

फ्रांस निवासी नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियां जगत प्रसिद्ध हैं। पिछले करीब 450 साल पहले वे तांबे की एक तिपाई पर रखे कांच के पात्र में भरे जल में झांककर आने वाले वक्त को पहचाना। विश्व के तमाम देशों में भविष्य में घटित होने वाली घटनाओं को उन्होंने बताया था।

नास्त्रेदमस ने भारत के भविष्य के बारे में जैसे 1857 की क्रांति, स्वतंत्रता संघर्ष, देश के नेताओं का सत्ता परिवर्तन, श्रीमती इंदिरा गांध ी की मृत्यु और भारतीय राजनीति के बदलावों को जान लिया था। उन्होंने तो भारत के विश्व नेता बनने तक का संकेत दिया है। भविष्यवाणियों के कुछ अंश इस प्रकार है :-

- निष्कासित महिला फिर से सत्ता पाएगी। पहले से शानदार वापसी और प्रबल होगा उसका शासन। मगर उसके दुश्मन साजिश करने वालों से मिलेंगे और 70 वर्ष की आयु से पहले उसकी मृत्यु तय है।
- एक महान पायलट प्रचंड बहुमत पाकर सत्ता में आएगा। अपनी नौकरी छोड़ वह अत्यंत ऊंचा स्थान लेगा। 7 साल बाद वह काल कवलित हो जाएगा। एक बर्बर सेना का कृत्य वेनिस को आतंकित कर देगा।
- नीचतापूर्ण प्रतिहिंसा से भरी वह महिला अपने राजनेता के विरुद्ध साजिश करेगी मगर उसे जाहिर नहीं करेगी। परंतु दोषी का पता शीघ्र ही चल जाएगा पर 17 भीषण आतंक के रूप में सामने आएगी। कोयले सी काली औरत सदा के लिए गायब हो चुकी होगी।
- कमजोर दल सत्ता पाएगा। पहले एक फिर दूसरी जगह और उसके बाद पूरे संसार के अधिकांश भाग उसकी चपेट में आ जाएंगे।
- पांच नदियों के प्रख्यात एक द्वीप राष्ट्र में एक महान राजनेता का उदय होगा। इस राजनेता का नाम वरण या शरण जैसा होगा। वह एक शत्रु के उन्माद को हवा के जरिए समाप्त करेगा। इस कार्यवाही से 6 लोग बचेंगे।

जयगुरुदेव नाम प्रभु का

- ऐसा सम्राट या राजनेता भविष्य में अवश्य होगा। वह शीघ्र ही पूरी दुनिया का मुखिया होगा। उस महान सम्राट की ताकत बढ़ेगी। उसे पहले सभी प्यार करेंगे और बाद में वह भयंकर भयभीत करने वाला माना जायेगा। उसकी ख्याति आसमान चूमेगी और वह विजेता के रूप में सम्मान पायेगा। वह विश्व के बड़े देशों के साथ मिलकर एक महासंघ बनाने में कामयाब होगा, वह गैर ईसाई होगा ।
- बीसवीं सदी के अंत में एक अत्यंत विनाशकारी महायुद्ध में उलझेगा और हानि उठाएगा। जब बृहस्पति और शनि मेष राशि में होंगे तब बर्बादी शुरू होगी। बृहस्पति तथा शनि का मेष राशि में संयोग 2 सितंबर 1995 को होने वाला है। एक पनडुब्बी में तमाम हथियार और दस्तावेज लेकर वह व्यक्ति इटली के तट पर पहुंचेगा और युद्ध शुरू करेगा। उसका काफिला बहुत दूर से इतावली तट आएगा। चीन खुलकर सामने आएगा और तबाही मचेगी। फ्रांस, इटली, यूगोस्लाविया आदि अनेक देश कीटाणु युद्ध तथा अनेक हमलों के शिकार होंगे। पोप बंदी बना लिए जाएंगे। इस मोड़ पर फ्रांस पूरे जोर शोर से मुकाबले पर उतर आएगा तब आक्रमणकारी बचाव का कोई रास्ता न देखकर एक नया हथियार प्रयोग करेगा। यह एक तरह की पनडुब्बीनुमा टैंक हो सकता है। अचानक ही यह शस्त्र तहलका मचा देगा। इसी दौरान इंग्लैंड डूब जाएगा, महान ब्रिटेन इटली युद्ध में फंसा होगा। कभी का नौसैनिक शेर इंग्लैंड निराश और आतंकित होगा। नागरिक भागेंगे मगर ढाई लाख डूब ही जायेंगे।
- उत्तर पश्चिम में भूकंप आएगा, जबकि इंग्लैंड आधा डूब चुका होगा। शांति सो रही होगी, युद्ध जागा हुआ होगा। लंदन में एक गिरजाघर में दरार से विनाश होगा ईस्टर के समय।
- तीनों ओर समुद्र से घिरे क्षेत्र में एक महापुरुष जन्म लेगा जो बृहस्पतिवार को अपना अवकाश दिवस घोषित करेगा। उसकी प्रशंसा, प्रसिद्धि, सत्ता और शक्ति बढ़ती जाएगी और भूमि व समुद्र में उस जैसा शक्तिमान कोई ना होगा।
- आने वाले समय में स्विस बैंकों में जनता से छिपाई गई दौलत जमा की जाएगी और सरकारें स्विस बैंकों पर दबाव डालकर हिसाब किताब

मालूम करने की कोशिश करेंगी। गलत तरीकों से जमा धन का हिसाब स्विस बैंकों को देना होगा।

• भूत पूजा की भावना को समाप्त करने वाले एक ऐसे व्यक्ति का उदय होगा जो बाद में विचार बदलकर लोगों की भलाई और आपसी मतभेद की दीवारों को ढाने में लग जाएगा। वह व्यक्ति सम्मोहन करने वाली प्रतिभा रखता होगा व असाधारण वक्ता होगा। एक ऐसे संगठन का जन्म होगा, जो संसार में रक्तपात तथा युद्ध को रोक सकेगा। जो काम हथियार नहीं कर पाएंगे वह उस व्यक्ति की मीठी जुबान कर दिखाएगी।

• अनचाहे पक्षी की आवाज सुनी जायेंगी मकानों की चिमनी पर। गेहूं इतना महंगा हो जाएगा कि इंसान एक दूसरे को नोच खाना सस्ता समझेगा। सुबह सूर्योदय के वक्त एक भीषण आग दिखेगी, धमाका और उत्तर की ओर फैलती रोशनी, संपूर्ण पृथ्वी पर मौतों तथा चीखों का तांडव, मौत लोगों की प्रतीक्षा करेगी, हथियारों, आग और बीमारियों के भेष में। सुनहरे रंग की आग धरती पर फैलेगी, ऊंचे स्थान से नीचे मानवता का व्यापक विनाश और मासूम बच्चों की लाशें, कुछ अधमरे ही रह जाएंगे और घमंडी बचकर भाग जायेंगे।

• राम की भूमि को फ्रांसीसी पांव तले रौदेंगे देखता हूं। मगर फ्रांसीसियों का अभियान चकनाचूर हो जाएगा जब वो उत्तरी हवाओं में फंस जाएंगे। इंग्लैंड में इतना भयंकर विनाश होगा कि युद्ध के अचंभों के अलावा कुछ सुनाई नहीं देगा। इतना भयानक हमला होगा कि लोग भूमि के नीचे शरण लेंगे। परिवर्तन बहुत सख्त होगा।

• अश्लीलता, नग्नता, अवैध वेश्यावृत्ति, ड्रेस, नंगी पत्रिकाएं पुस्तकें, फिल्में, नारी देह का खुला वह गंदा प्रदर्शन एक समय समाज की मानसिकता को विकृत कर देगा। देह सुख के लोभियों की प्रसन्नता के लिए कानून की आड़ करके जहर बिकेगा। नारी का हर जगह इस्तेमाल होगा। युवा प्रतिभा और बुद्धि को विकृत करके रख देगा।

• पवित्र पक्षी भी अपने पंख सम्मान से झुकाएगा जब आएगा महान न्यायदानी। वह उठाएगा दोनों को, और कुचलेगा बागियों का। उसके जैसा फिर न कोई होगा।

• वह विश्व नेता दुनिया के बीच में गुलाब होगा। जनता का खून गिरेगा। लोग सच बोलने को मुंह बंद रखेंगे फिर जरूरत के समय प्रतीक्षा करने पर भी वह विलंब करेगा।

• अंत में एक भीषण सूखा पड़ेगा। समुद्र में मछली, नदी और झील उबलेगी। आकाश में आग की वजह से लोग मुसीबत में पड़ेंगे। अंतरिक्ष से कोई चक्कर लगाती हुई चीज गिरने से उत्तरी गोलार्द्ध में विनाश लीला होगी। अंतरिक्ष से बारिश होगी और एक भयंकर अकाल तथा महामारी आएगी।

• एक समय ऐसा आने वाला है जब बे पढ़े लिखों की सभ्यता को तबाह करने की कोशिश करेंगे और पुस्तके वगैरह फूॅक डालेंगे। ऐसा दुर्लभ ज्ञान नष्ट कर दिया जाएगा जिसका अधिकांश भाग वापस नहीं पाया जा सकेगा।

• एक समय ऐसा भी आएगा कि विश्वव्यापी आग से अधिकांश राष्ट्रों में नरसंहार होगा। धरती जलने लगेगी। जंगल और शहर यूं तबाह होंगे जैसे मोमबत्ती पर लिखे अक्षर। महामारी आएगी, इतनी भयंकर कि बूढ़ा जवान और जानवर कोई नहीं बचेगा। एक ऐसा भीषण भूकंप आएगा कि चारों ओर परेशानी, आसमान, हवा और जमीन से प्रभावित, तब लोग ईश्वर और संतों की याद करेंगे।

• महान सातवें साल के बीत जाने पर मारकाट का रौद्र तमाशा होगा। नई शताब्दी बहुत दूर ना होगी, मुर्दे भी अपनी कब्रों से बाहर निकल आएंगे। मानवता व संसार के भले दिन आएंगे, ईट की दीवारें संगमरमर की हो जाएंगी, तब 750 साल तक शांति रहेगी, मानवता आनंदित होगी, जल स्वच्छ, स्वास्थ और फलों की भरमार से खुशी एवं महकता माहौल वापस आएगा।

• विचित्र कारणों से भारी तादात में लोग मरेंगे। कुछ न कर पाने के कारण नेता जनता द्वारा अपमान झेलेंगे। इस प्रकोप का असर संक्रमण रोग की भांति आसपास फैल जाएगा। जटिल समस्याएं खड़ी हो जाएंगी। भावी विश्व ऐसे युद्ध देखेगा जिनमें धर्म के नाम पर जुनून पर ऐसा प्रदर्शन होगा कि हर तरह के दांव पेच इस्तेमाल करने में सांप्रदायिक ताकतें नहीं हिचकेंगी। संसार का हर देश इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष

रूप से प्रभावित होगा।

- नास्त्रेदमस का कहना है कि आगे रात को लोग सूर्य उदय होते देखेंगे और साथ ही आदमियों को सुअर के मुखौटे पहने देखेंगे, आकाश से भयंकर आवाजें आएंगी और साथ ही रात के सन्नाटे में क्रूर पशुओं के रोने की आवाजें भी सुनाई देंगी।रात में सूर्य देखने का अर्थ है आतंरिक्ष में युद्ध। आकाश में फेंकी जाने वाली सर्च लाइटों को सूर्य की संज्ञा दी गई है। आकाश से जब मिसाइल युद्ध होंगे तो हवा की गति से कहीं अधिक तेज चलने वाली मिसाइलें बिल्कुल ऐसी नजर आएंगी जैसे सूर्य तेजी से भाग रहा है। सुअर के मुखौटे का भावार्थ है कि जब लोग इस जहरीले गैस से बचना चाहेंगे और सैनिक रासायनिक शस्त्रों से बचने के लिए मुंह पर जो मुखौटे, मास्क व हेलमेट लगायेंगे। तो वह सुअर के मुख जैसे ही लगेंगे। भयंकर युद्ध होगा। इस युद्ध में विनाशकारी शस्त्र जो प्रयोग किए जायेंगे उनसे इतने लोग मरेंगे कि चारों ओर मौत की सी खामोशी के सिवा और कुछ नहीं होगा। केवल मुर्दे खाने वाले पक्षियों, चील, कौवें, गिद्ध की आवाज सुनाई देगी। इन्सान नजर नहीं आएंगे, बस चारों ओर लाशों की ढेर होगी। नास्त्रेदमस ने इस विनाशकारी युद्ध की तारीख तो नहीं लिखी लेकिन बहुत से विद्वानों का मत है कि यह युद्ध बीसवीं सदी के अन्त में अथवा इक्कीसवीं सदी के प्रारम्भ में होगा।
- नास्त्रेदमस ने यह भी कहा है कि भारत में एक नई शक्ति का उदय होगा। एशिया में वह होगा, जो यूरोप में नहीं हो सका होगा। एक महान व्यक्तित्व भारत में जन्म लेगा और शांतिदूत के रूप में उसकी ख्याति होगी। पूर्व के सभी राष्ट्रों पर वह हावी होगा। वह लोगों में धर्म बांटेगा। एशिया का वह शांतिदूत जब रक्तपात, भूकम्प बीमारीयों, अकाल युद्ध और भय से मानवता बेहाल होगी, तब वह मानव धर्म व मानव प्रेम का संदेश सुनायेगा। उसके सन्देश को सुनने के लिए सभी विवश होंगे।







इंग्लैंड के प्रसिद्ध भविष्यवक्ता प्रो0 कीरो
प्रो0 कीरो की भविष्यवाणी

इंग्लैंड के प्रसिद्ध भविष्यवक्ता प्रो0 कीरो को कौन नहीं जानता। उनसे ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने पूछा था कि भारत की आजादी का ऐसा कोई दिन बताइए जिस समय हम भारत को आजाद करें और वह समय भारत के लिए बुरा सिद्ध हो।

प्रोफेसर कीरो ने रानी के अनुरोध के चलते अर्धरात्रि का वक्त बताया। लेकिन साथ ही कहा कि भारत को संसार की कोई ताकत रोक नहीं सकती। विशुद्ध धर्मावलंबी नीति का एक शक्तिशाली व्यक्ति सारे देश को जगा देगा। उसकी आध्यात्मिक शक्ति दुनियाभर की तमाम भौतिक शक्तियों से अधिक समर्थ होगी। जिसका असर सारे संसार में पड़े बिना नहीं रह सकता। भारत का भविष्य उज्ज्वल होगा।

इसके कुछ दिन बाद कीरो अध्ययन कर रहे थे तो उन्हें पता चला कि भारत का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। वो फिर महारानी एलिजाबेथ के पास गए और कहा कि आजादी के 50 वर्षो के अंदर अगर कोई महापुरुष भारत में खड़ा हो गया तो भारत को कभी कोई गुलाम नहीं बना सकेगा और अगर 50 सालों मे कोई महापुरुष खड़ा न हुआ और भारत को किसी ने गुलाम बना लिया तो फिर इसे कोई आजाद करा ही नहीं सकेगा।

कीरो ने सन् 1925 में लिखी अपनी पुस्तक में भविष्यवाणी की है कि 20 वीं सदी अर्थात् सन् 2000 ई. के उत्तरार्द्ध में सन् 1950 के पश्चात उत्पन्न सन्त ही विश्व में एक नई सभ्यता लाएगा जो सम्पूर्ण विश्व में फैल जाएगी। भारत का वह एक व्यक्ति सारे संसार में ज्ञानक्रांति ला देगा।

कीरो अपनी भविष्यवाणी में लिखते हैं, कि भारत का सूर्य बलवान है एवं कुंभ राशि में है इसलिए भारत की प्रगति को दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती है। यहीं पर एक चेतना पुरुष का जन्म होगा जिसकी आध्यात्मिक क्षमता, समस्त विश्व की भौतिक क्षमता से कई गुना ज्यादा होगी। वह गुरु-शिष्य परम्परा का पालन करेगा। उसके अनुयायी हर धर्म, जाति व सम्प्रदाय के होंगे।

भविष्य वक्ता ऑर्थर चार्ल्स क्लार्क
ऑर्थर चार्ल्स क्लार्क की भविष्यवाणी

भविष्य वक्ता ऑर्थर चार्ल्स क्लार्क लिखते हैं, जिस प्रकार इस समय संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय अमेरिका में है। उसी प्रकार संयुक्त ग्रह राज्य संघ का मुख्यालय मंगल ग्रह या गुरु पर हो सकता है। सन् 1981 तक भारत अपने आप में शक्तिशाली हो जाएगा तथा वहां से एक ऐसी जबरदस्त विचार क्रांति उठेगी, जो पूरे विश्व को प्रभावित करेगी। भारत का धर्म और अध्यात्म पूरा विश्व स्वीकार करेगा।

अमेरिका के भविष्यवक्ता चार्ल्स क्लार्क के अनुसार 20वीं सदी के अन्त से पहले एक देश विज्ञान की उन्नति में सब देशों का पछाड़ देगा परन्तु भारत की प्रतिष्ठा विशेषकर इसके धर्म और दर्शन से होगी, जिसे पूरा विश्व अपना लेगा। यह धार्मिक क्रांति 20वीं सदी के प्रथम दशक में सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित करेगी और मानव को आध यात्मिकता पर विवश कर देगी।

गेलार्ड क्राइसे की भविष्यवाणी

गेलार्ड क्राइसे ने कहा है कि मैं देख रहा हूं कि पूर्व के अतिप्राचीन देश भारत, जहां साधु और संतों की पूजा होती है, वहां के लोग सीधे, सच्चे और ईमानदार होते हैं, उस देश से एक प्रकाश उठता आ रहा है। वहां किसी ऐसे महापुरुष का जन्म हुआ है, जो सारे विश्व की कल्याण की योजनाएं बनाएगा। तमाम संसार के लोग उधर देखेंगे और उनकी बात मानेंगे। सब राजनीतिक नेता एक मंच पर इकट्ठे होने के लिए विवश होंगे। इन सब बातों का प्रमाण इसी शताब्दी के अंत तक मिलने लगेगा और फिर सारा संसार एक सूत्र में बंधता चला जाएगा।

अमेरिकी महिला भविष्यवक्ता जीन डिक्शन
जीन डिक्शन की भविष्यवाणी

अमेरिकी महिला भविष्यवक्ता जीन डिक्शन के अनुसार बीसवीं सदी के अंत से पहले विश्व में एक घोर हाहाकार तथा मानवता का

संहार होगा। लाल चीन कीटाणु युद्ध प्रारम्भ करेगा, उससे एक बार विश्व में घोर संकट आयेंगे। विश्व के कुछ बड़े नेताओं में अन्तर आयेगा। लोग धर्म और ईश्वर पर अधिक विश्वास करने लगेंगे। उनकी यह भी भविष्यवाणी है कि एशिया के किसी देश संभवत: भारतवर्ष में एक नम्र ग्रामीण परिवार में एक महान आत्मा ने जन्म ले लिया है, जो एक महान आध्यात्मिक क्रांति का सूत्रपात, संचालन और नियन्त्रण करेगा। उसके पीछे क्रियाशील आत्माओं की शक्ति होगी, जो संसार की वर्तमान विकृत परिस्थितियों को बदल डालेगी। यह विवरण विस्तार से ''गिफ्ट ऑफ प्रोफेसी'' पुस्तक में दिये गये है।

भविष्यवक्ता श्री वेजिलेटिन
श्री वेजिलेटिन की भविष्यवाणी

भविष्यवक्ता श्री वेजिलेटिन के अनुसार बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में विश्व में, आपसी प्रेम का अभाव, मानवता का ह्रास, धन संग्रह की दौड़, लूट व राजनेताओं का अन्यायी हो जाना आदि आदि, बहुत से उत्पात देखने को मिलेंगे। परंतु भारत से उत्पन्न हुई शांति, भ्रातृत्व भाव पर आधारित नई सभ्यता, संसार में देश प्रांत और जाति की सीमाएं तोड़ कर विश्व भर में अमन और चैन उत्पन्न करेगी।

हंगरी की महिला ज्योतिषी बोरिस्का
ज्योतिषी बोरिस्का की भविष्यवाणी

हंगरी की महिला ज्योतिषी बोरिस्का के अनुसार सन 2000 ई. से पहले – पहले उग्र परिस्थितियों, हत्या और लूटपाट के बीच ही मानवीय सद्गुणों का विकास एक भारतीय फरिश्ते के द्वारा भौतिकवाद से सफल संघर्ष के फलस्वरुप होगा जो चिरस्थाई रहेगा। इस आध्यात्मिक व्यक्ति के बड़ी संख्या में छोटे छोटे लोग की अनुयाई बनकर भौतिकवाद को आध्यात्मिकता में बदल देंगे।

नार्वे के श्री आनंदाचार्य की भविष्यवाणी

नार्वे के श्री आनंदाचार्य की भविष्यवाणी के अनुसार सन् 1998 के बाद शक्तिशाली धार्मिक संस्था भारत में प्रकाश में आएगी। जिसके

स्वामी एक गृहस्थ व्यक्ति की आचार संहिता का पालन संपूर्ण विश्व करेगा। धीरे-धीरे भारत औद्योगिक धार्मिक और आर्थिक दृष्टि से विश्व का नेतृत्व करेगा और उसका विज्ञान (आध्यात्मिक पराविद्या) ही पूरे विश्व को मान्य होगा।

बाइबल की भविष्यवाणी

इसी प्रकार युग परिवर्तन की भविष्यवाणी, ईसाइयों की पवित्र धार्मिक पुस्तक बाइबल भी स्पष्ट शब्दों में कहती है कि :-

पवित्रात्मा यीशु ने सेंट जोहन के 15:26 एवं 16:7 से 15 में एक सहायक भेजने की भविष्यवाणी की है। बाइबल की भविष्यवाणी के अनुसार वह सहायक बीसवीं सदी के अंत से पहले उत्पन्न नहीं हुआ तो बाइबल की भविष्यवाणी स्वयं असत्य प्रमाणित हो जाएगी, परंतु ऐसा असंभव है क्योंकि उस महान आत्मा यीशु ने उस सहायक को भेजने के लिए ही अपने प्राणों की आहुति दी थी। यह तथ्य सेंट जोहन के 16:7 से स्पष्ट प्रमाणित होता है। तो भी मैं तुमसे सच कहता हूं कि मेरा जाना तुम्हारे लिए अच्छा है क्योंकि यदि मैं ना जाऊं तो सहायक तुम्हारे पास न आएगा, परंतु यदि मैं जाऊंगा तो उसे तुम्हारे पास भेज दूंगा और अपने कहे के अनुसार उस पवित्र आत्मा ने अपने जीवन को स्वेच्छा से बलि चढ़ा दिया।

मिस्त्र के भविष्यवक्ता जॉर्ज बावरी
जॉर्ज बावरी की भविष्यवाणी

मिस्त्र के भविष्यवक्ता जॉर्ज बावरी के अनुसार संसार को सतयुग का प्रकाश देने वाली महान आत्मा भारतवर्ष में जन्म ले चुकी है और उसका कार्य 1930 के आसपास स्वतंत्र रूप से विकसित होगा। 1965 के बाद उसके स्वरूप की लोगों को स्पष्ट कल्पना होने लगेगी और 1971 के बाद अधिकांश भारत में वह अवतार अपने रूप में आ जाएगा। हजारों अज्ञान ग्रस्त मूढ़ लोगों के विरोध के बावजूद वह अपने प्रखर, प्रचंड रूप से प्रभाव में आएगा और संसार को झकझोर कर चला जाएगा।

मिस्त्र के पिरामिड पर अंकित भविष्यवाणी

मिस्त्र के पिरामिड पर अंकित भविष्यवाणी इस प्रकार है :-

सब लोग ऊंट की सवारी नहीं करेंगे। हवा से भी अधिक तेज गति से चलने और आकाश में उड़ने में लोग सक्षम हो जाएंगे मौसम पर काबू पा लेंगे और दुनिया में जन्नत (स्वर्ग) की सहूलियतें तथा ऐशो आराम के सामान नसीब हो सकेंगे तब तक एक ऐसी लड़ाई लड़ी जाएगी उस लड़ाई के समय कुदरत में भी कुछ ऐसे फेरबदल होने लगेंगे जिनके मारे सारा संसार दोजख में बदल जाएगा। सन 1980 से 2000 तक विश्वव्यापी हलचलें होंगी। मौसम आर्श्चयजनक रूप से बदलेंगे तथा प्राकृतिक उत्पाती में भी बढ़ोतरी होगी। इसी अवधि में तृतीय विश्व युद्ध की संभावना भी है जिसमें दुनिया के लगभग सभी देश भाग लेंगे तथा भयानक शास्त्रास्त्रों का प्रयोग से एकबारगी तो समूची जाति के ही नष्ट हो जाने का खतरा उत्पन्न हो जाएगा फिर भी कुछ लोग बचेंगे और नए युग का सूत्रपात होगा। इस युग का नेतृत्व एक ऐसे आध्यात्मिक व्यक्ति द्वारा किया जाएगा जो जीवन भर इस नवयुग का ढांचा तैयार करने तथा पृष्ठभूमि बनाने में लगा रहा होगा।

देवायत पंडित की भविष्यवाणी

200 वर्ष पूर्व गुजरात के देवायत पंडित अपनी पत्नी से भविष्य में आने वाले समय का संकेत देते हुए कहते है कि :-

देवायत पंडित दांडो दाखवे, सुण दवेलदे नार।
आपणा गुरए सत्य भाखियुं, जुठू नहीं ते लगार॥
लख्याने भाख्या सोई, दिन आवशे।
पहिला पहिला पवन फरकशे, नदीए खलकशे नीर॥
उत्तर दिशाथी साहेबो आवशे, मुख हनुमो वीर॥
पोरो आब्यों खरो पापनो, धरती भागे छ भोग।
केटलाक खड़गे संहारशे, केटलाक मरशे रोग॥
कांकरीये तंबू ताणशे सो सो गावनी सीम।
रुड़ी दिशा रेणी या मणी, आवशे अर्जुन ने भीम।
घरती ऊपर हेमर हालशे, सोना नगर मोजार।



सतयुग आगवन साकेत महायज्ञ (द्वितीय) साबरमती नदी तट पर

लक्ष्मी लुटांशे लोकोतणी, तेनी बुम नही केवार।
सरस्वती ने साबरमती, वचमांथाशे संग्राम।
कायम कलिंगाने मारशे, धरशे नकलंग नाम॥
वाना पुस्तक खोटां थइजशे, खोटा काजी नांकुरान।
उत्तर दिशाची साहेबो आवशे, जागो जुगना वीर।
कलजुग उथापी संतजुग थापसे, बोल्या देवायत पीर॥

देवायत पंडित भविष्य में क्या होने जा रहा है संकेत देते हुए अपनी पत्नी से कहते हैं कि हे देवलदे ! तुम मेरी बात को गौर से सुन लो। हमारे गुरु महाराज ने महान दया करके हमें बताया है वह सब सच होने वाला है, कोई गलत नहीं है। मेरे गुरु ने सत्य सत्य लिखा बताया और ये दिन अब जरूर आयेंगे।

पहले पहल वायु जोर से बहेगा और नदियों में भारी बाढ़ आयेगी। उत्तर दिशा से महापुरुष आयेगा जिसके मुंह पर राम वाणी होगी। पाप बढ़ गये हैं। कितने युद्ध में संहार हो जायेंगे। और कितने लोग रोग व बीमारीयों से मरेंगे।

जब वह साहेब आयेगा तो कांकरिया (अहमदाबाद शहर के बीच में तालाब) के अगल बगल में तम्बू और शमियाने लगेंगे और उसकी शोभा चारों ओर से बहुत भली लगेगी। ऐसा लगेगा कि सौ-सौ गांव एक साथ बस गए हों। वहाँ अर्जुन और भीम जैसे भक्तजन सेवक भी आयेंगे। उस समय क्या होगा ?

''धरती पर ऊपर से अस्त्र शस्त्र गिरेंगे और नगर के नगर उजड़ जायेंगे और सूने हो जायेंगे। उस वक्त लोगों की लक्ष्मी की लूटपाट बहुत होगी। सरस्वती नदी और साबरमती नदी के बीच में भयंकर युद्ध होगा और बाद में वह कलयुग की पूर्ण समाप्ति कर देगा और निष्कलंकी अवतार देखने को मिलेगा। प्राचीन शास्त्र पुराण कुरान जो आडंबर रूप बन चुके हैं वह गलत हो जाएंगे। रूढ़िवादितायें समाप्त होंगी और नई बातें, सच्चाइयां सामने आएंगी और वे महान कार्य करेंगे। उत्तर दिशा में वह साहेब आएगा और कलयुग को हटाकर सतयुग की स्थापना करेगा। जो उसकी शरण लेंगे उनकी रक्षा हो जाएगी।

स्वामी विवेकानंद जी की भविष्यवाणी

भारत का पुनरुत्थान होगा लेकिन शारीरिक शक्ति से नहीं वरन आत्मा की शक्ति द्वारा। विनाश की ध्वजा लेकर नहीं वरन शांति और प्रेम के ध्वज से। मैं यह सजीव दृश्य देख रहा हूं कि हमारी वृद्ध माता एक बार पुनः नवयौवन पूर्ण और पूर्व की अपेक्षा अधिक महामहिमन्वित होकर अपने सिंहासन पर विराजी है। शांति और आशीर्वाद के वचनों के साथ सारे संसार में इसके नाम की घोषणा कर दो।

– स्वामी विवेकानंद (मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया के शिलालेख के सौजन्य से)

समसामयिक वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संबंध में बाबा जयगुरुदेव जी की भविष्यवाणी

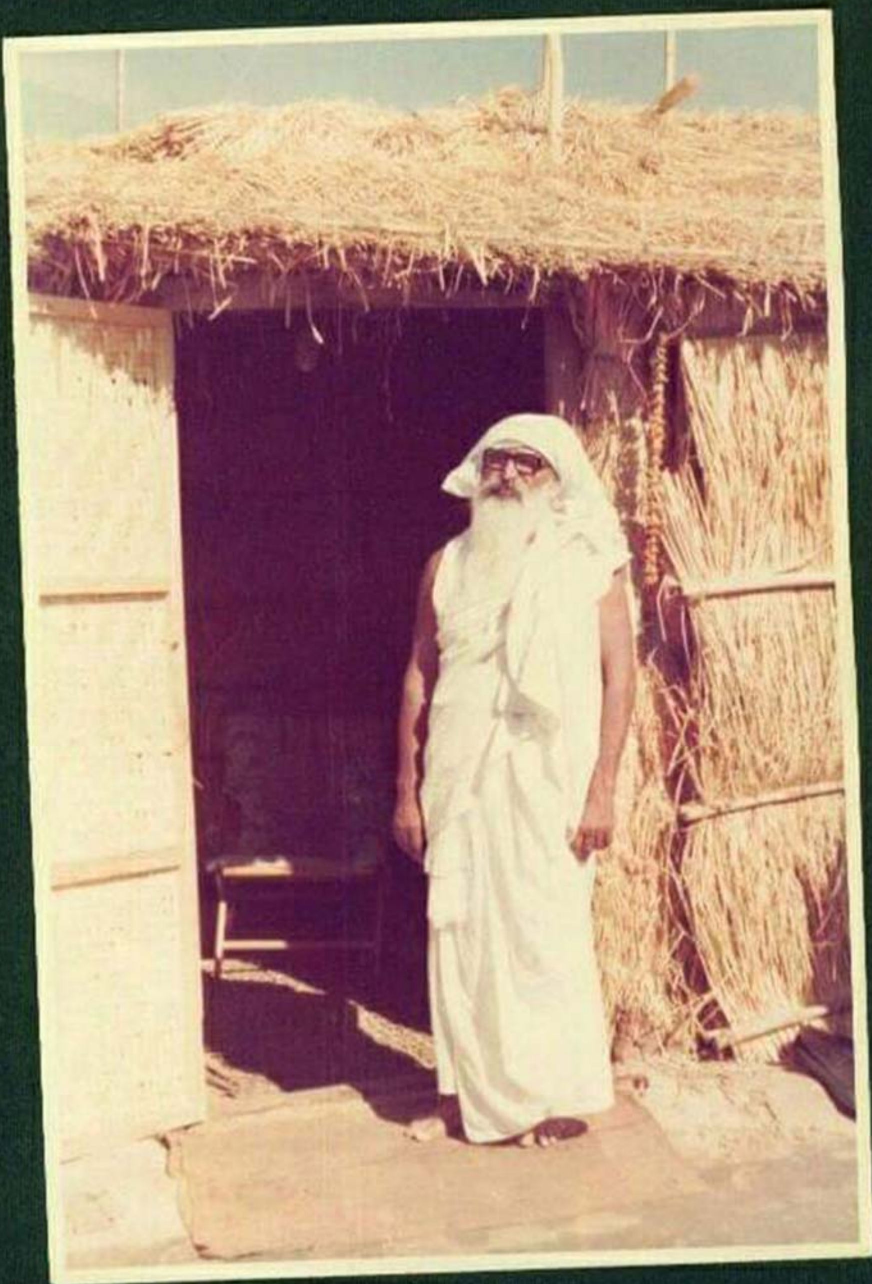
कोरोना वायरस की भविष्यवाणी परम पूज्य बाबा जयगुरुदेव जी महाराज ने आज से 45 साल पूर्व ही कर दी थी। उन्होंने 6 नवम्बर 1976 को सत्संग देते हुए कहा कि "आगे एक भयंकर बीमारी आ रही है, बच्चा शाकाहारी हो जाओ। अगर बचना चाहते हो तो शाकाहारी हो जाओ। प्रेमियों के बारंबार पूछे जाने पर उस बीमारी का नाम स्वामीजी ने **करोना** बताया और इसका अर्थ भी बताया कि क्या-क्या न करो, क्या-क्या न खाओ, अंडा न खाओ, मुर्गा न खाओ, बकरा न खाओ, मछली ना खाओ, झूठ ना बोलो, किसी की निंदा आलोचना बुराई ना करो और बुद्धि नाशक नशा शराब का प्रयोग मत करो, नहीं तो तुम्हारे मुंह पर पट्टी बंध जायेगी और आप नहीं माने तो आप सबके मुंह पर पट्टी बांध दी गई, जिसे आप **मास्क** कहते हैं। पुनः इसी भविष्यवाणी को स्वामी जी महाराज ने ठीक 10 साल बाद अर्थात 6 नवम्बर 1986 को दोहराया। महापुरुषों के कोई भी वचन खाली नहीं जाते। वे वही कहते हैं जो होने वाला होता है, न होने वाले चीजों में महापुरुष अपना समय जाया नहीं करते हैं। 6 नवम्बर 2019 को चीन द्वारा हवाई जहाज में वहां (चीन) के संक्रमित लोगों को जब भारत लाने की साजिश हुई तभी स्वामी जी महाराज ने हिंदुस्तान के खुले मंच से भारत के प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति को संदेश भिजवाया कि मांसाहारी मुल्कों से आने वाले विमानों पर रोक लगा दें, अन्यथा बहुत बड़ी महामारी फैलने वाली है। लेकिन किसी ने भी एक न सुनी। परिणाम क्या हुआ, चीन का षड्यंत्र सफल हुआ, और भारत में 3 महीने की आपातकालीन लॉकडाउन (तालाबंदी) लगानी पड़ी। पूरा हिन्दुस्तान बंद रहा, विश्व के सारे धार्मिक स्थल बंद कर दिए गए। इस विषय पर न कोई नेता भाषण बाजी किया और न कोई महात्मा प्रवचन दिया। जनता रोती रही, किसी ने भी उसके दुख दर्द को नहीं सुना।

लेकिन स्वामी जी ने बोलना नहीं छोड़ा, भीषण लॉकडाउन में भी बाबाजी इस महामारी से बचने के लिए संदेश देते रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति एवं सभी मुख्यमंत्रियों को संदेश देते हुए कहा कि " अगर भारत जैसे धार्मिक भूमि से मांसाहार बंद करा दीजिए, शराब बंद करा दीजिए तो मैं दावे के साथ कहता हूं कि हिंदुस्तान में कोई भी बीमारी महामारी नहीं आयेगी। इसकी मैं गारंटी लेता हूं, लेकिन अगर आपने मांसाहार नहीं बंद कराया तो भारत देश भी अन्य देशों की तरह वीरान हो जायेगा।"

जयगुरुदेव नाम ध्वनि

जयगुरुदेव जयगुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
मेरे मात पिता गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
सब देवन के देव गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
जीव काज जग आएं गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
अपना भेद बताएं गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
सत्य स्वरूपी रूप गुरूदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
अलख अरूपी रूप गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
अगम स्वरूपी रूप गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
पुरुष अनामी रूप गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
सबके स्वामी आप गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
इनकी शरण मेरे मन लेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
तिनके चरण कंवल मन सेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
दाता गुरुदेव मेरे स्वामी गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
मालिक गुरुदेव मेरे रक्षक गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
सतगुरु गुरुदेव मेरे प्रियतम गुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।
मो सम कौन कुटिल खल कामी, तुम सब जानो प्रभु अंतर्यामी ।
जयगुरुदेव ज्ञान देओ मोहीं, सब तजि भजन करुं हम तोहीं ।
बंदऊं गुरु पद पदुम परागा, सुरुचि सुबास सरस अनुरागा ।
श्री गुरुपद नख मनि गन जोती, सुमिरत दिब्य दृष्टि हियँ होती ।
कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिरि-सुमिरि नर उतरहिं पारा ।
नाम लेत भव सिंधु सुखाहीं,करहुँ विचार सुजन मन माहीं ।
जो आरती जयगुरुदेव जी की गावे, धाम अनामी का वह पावे ।
जयगुरुदेव जयगुरुदेव, जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव ।

कोटि कोटि करुं वंदना, अरब खरब परनाम।
चरण कंवल बिसरुं नहीं, जयगुरुदेव अनाम।
चरण कंवल भूलूं नहीं, जयगुरुदेव अनाम।
दाता सबके एक ही, सदा रहें गुरुदेव।
तुमको लाख प्रणाम है, सतगुरु जयगुरुदेव



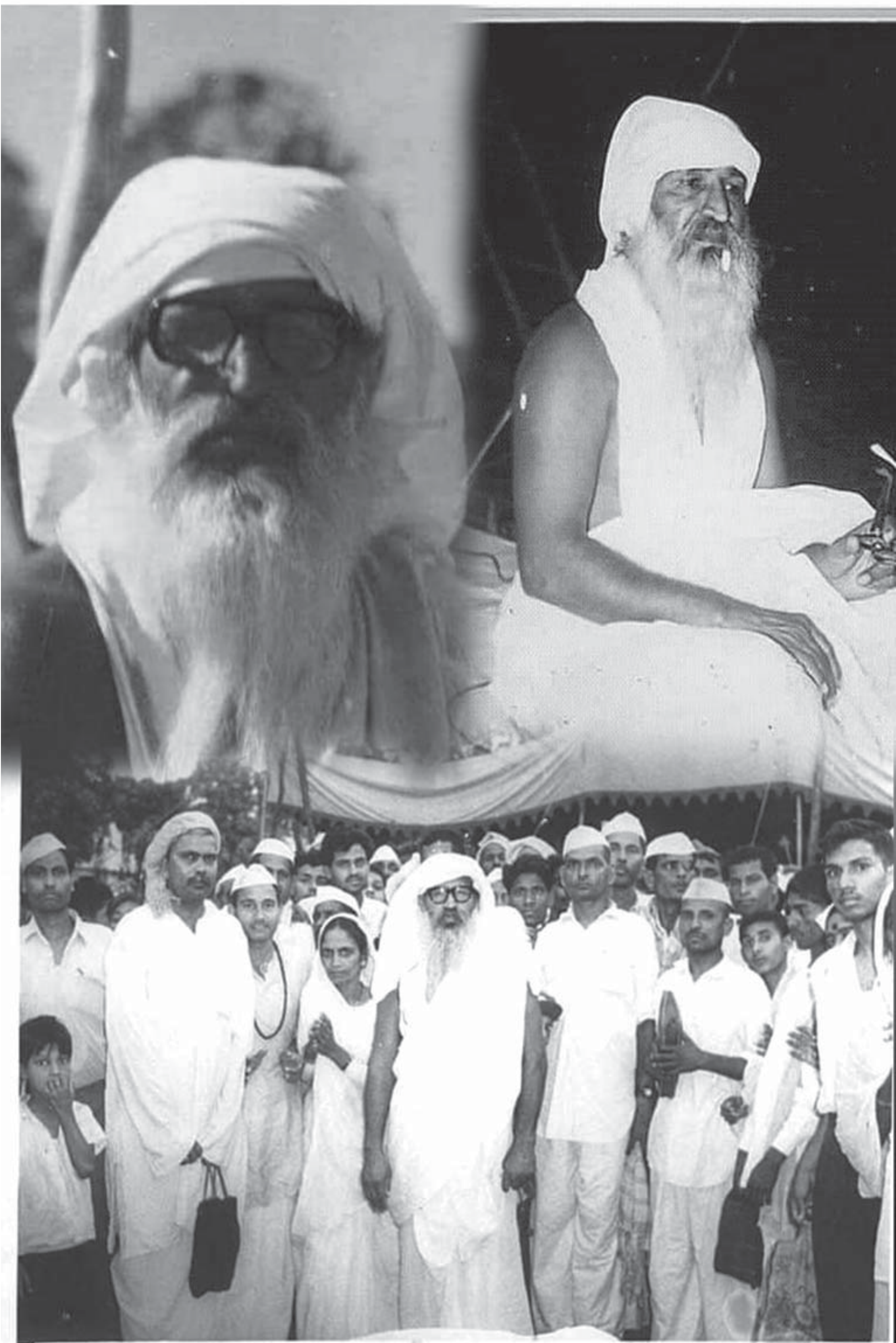
પૂ. સ્વામીજી મહારાજની કુટિર.



चेतावनी

अगर बात संतो की मानी जो होती ।
तो सिर पे तुम्हारे ये आफत न आती ।।
सभी देशवासी ये भाई हैं अपने ।
तो फिर बैर की नींव ठानी क्यों तुमने ।।
दया प्रेम सेवा तुम्हारे में होती ।
नदी खून की ये बहायी न होती ।।
अगर बात गुरुजी की मानी जो होती ।
तो सिर पे तुम्हारे ये आफत न आती ।।
घट घट में इंसान के रहता है भगवान ।
इसकी नही तुम को है कोई पहचान ।।
अगर दिल भवन में सफाई जो होती ।।
तो मंदिर ये मस्जिद बनाई न होती ।
अगर बात संतों की मानी जो होती ।।
तो सिर पे तुम्हारे ये आफत न आती ।
सभी धर्म ग्रंथों का है एक कहना ।।
बनो शाकाहारी सदाचारी रहना ।
अगर मुर्गा बकरी ये खाई न होती ।।
तो दिल में तुम्हारे बुराई न होती ।
अगर बात मुर्शिद की मानी जो होती ।।
तो सिर पे तुम्हारे कयामत न आती ।।

जयगुरुदेव नाम प्रभु का



सन 1971 में स्वामी जी महाराज द्वारा किए गए तूफानी दौरे :-

11 मार्च से 14 मार्च 1971 – रामलीला मैदान जयपुर
15 मार्च से 20 मार्च 1971 – मथुरा आश्रम
22 मार्च 1971 – लूकरगंज, 12 बंगलिया इलाहाबाद
23.03.1971 – पटेहरा, भारतगंज (इलाहाबाद मिर्जापुर सरहद)
24.03.1971 – महेवा
25.03.1971 – धारूपुर एवं कलना, हंडिया इलाहाबाद
26.03.1971 – कलकत्ता गए
27 मार्च से 3 अप्रैल तक – सेठ मदनलाल खंडेलवाल के घर से सत्संग किए
मलेशिया (मलाया) यात्रा
पिनांग, सिंगापुर, हांगकांग, बैंकाक, मलेशिया यात्रा
3 अप्रैल को रात 12:25 बजे हवाई जहाज पिनांग के लिए उड़ान भरा
5 अप्रैल से 2 मई तक मलाया के छोटे बड़े शहरों में दौरा किए
3 मई से 4 मई तक – कलकत्ता
5 मई को हवाई जहाज से दिल्ली गए फिर मथुरा आश्रम पहुंचे
6 मई से 12 मई तक – मथुरा
13.05.1971 – पूर्वी दौरे पर निकले
14.05.1971 – कानपुर एवं लखनऊ
16.05.1971 – आर्य नगर लखनऊ
16.05.1971 – रामलीला मैदान फैजाबाद एवं गोंडा
17.05.1971 – गोंडा छावनी, जीवधरपुर (हरैंया), महाराजगंज, कप्तानगंज,
गोटवा, बस्ती, खलीलाबाद एवं गोरखपुर
18.05.1971 – गोरखपुर
19.05.1971 – चौरी चौरा, बैतालपुर एवं देवरिया
20.05.1971 – महावीर छपरा (गोरखपुर), डंवरपार, घनौरा गांव, गोरसरी
गांव एवं गोठा
21.05.1971 – गोठा एवं आजमगढ़
22.05.1971 – पल्हनी, बिलइस रानी की सराय एवं (भदवार) जौनपुर
23.05.1971 – भदोही
24.05.1971 – नई बाजार, मानिकापुर, डोमनला
25.05.1971 – बारह बंगलिया इलाहाबाद

26.05.1971 – नैनी इलाहाबाद
27.05.1971 – गुड़मण्डी
28.05.1971 – सतना, पन्ना एवं छतरपुर
29.05.1971 – सागर, बेगमगंज, मैरतगंज एवं रायसेन
30.05.1971 – भोपाल
31 मई से 12 जून तक – इंदौर में
01.06.1971 – क्षिप्रा तट, इंदौर
02.06.1971 – नंदा नगर, इंदौर
4 जून से 6 जून तक – शिवाजी राव विद्यालय (चिमनबाग) इंदौर
07.06.1971 – ढकल गांव
11.06.1971 – पलसीकर कालोनी, इंदौर
13.06.1971 – जयपुर के लिए निकल गए
14.06.1971 – जयपुर
15.06.1971 – मथुरा
6 जुलाई से 8 जुलाई 1971 तक – बेतियाहाता के मैदान में, गोरखपुर (गुरु पूर्णिमा पर्व)
09.07.1971 – डेरी कॉलोनी गोरखपुर
11.07.1971 – सुकरौली देवरिया
12.07.1971 – गोरखपुर
13.07.1971 – हाटा देवरिया
14.07.1971 – गोरखपुर
15.07.1971 – गोरखपुर
16.07.1971 – कसया
18 एवं 19 जुलाई 1971 – समस्तीपुर (बिहार)
21 एवं 22 जुलाई 1971 – सोनपुर (बिहार)
23, 24 एवं 25 जुलाई 1971 – पटना (बिहार)
26.07.1971 – पटना से निकले
27 एवं 28.07.1971 – मथुरा पहुंचे
29.07.1971 – लखनऊ
30.07.1971 – धनबाद
01.08.1971 – जेके नगर आसनसोल (पश्चिम बंगाल)
02.08.1971 – कलकत्ता
06.08.1971 – कलकत्ता (रक्षाबंधन पर्व)

08,09,10 एवं 11 अगस्त 1971 – टाउन हॉल वाराणसी
12, 13 एवं 14 अगस्त 1971 – स्वरूप रानी पार्क, इलाहाबाद (जन्माष्ठमी पर्व)
15, 16 एवं 17 अगस्त 1971 – कानपुर
18.08.1971 – दिल्ली
24.08.1971 – दिल्ली
29.08.1971 – बरेली
30.08.1971 – बरेली
31.08.1971 – हरदोई
01.09.1971 – पीलीभीत
02.09.1971 – बीसलपुर, पीलीभीत
05.09.1971 – लखनऊ
06.09.1971 – लखनऊ
07.09.1971 – आर्यनगर लखनऊ
08.09.1971 – लखनऊ
09.09.1971 – लखनऊ
10.09.1971 – वाराणसी
11.09.1971 – वाराणसी
13 एवं 14 सितंबर 1971 – गाजीपुर
15.09.1971 – ग्राम पहिनिया एवं छोड़ी चौरा जिला गाजीपुर
16.09.1971 – मरदह इंटर कॉलेज, गाजीपुर एवं सिविल अस्पाल मऊ
17.09.1971 – बोझी (घोसी) एवं जीयनपुर
18.09.1971 – रानीपुर डिग्री कॉलेज मऊ एवं चिरैयाकोट इंटर कॉलेज पर
19.09.1971 – आजमगढ़ एवं लालगंज इंटर कॉलेज पर
20.09.1971 – बरियावन (फैजाबाद) एवं टांडा
21.09.1971 – बहिरादेव एवं जमनंदना (आजमगढ़) एवं रानीपुर
22.09.1971 – दाऊदपुर, मुबारकपुर (आजमगढ़) एवं रानीपुर
23.09.1971 – सरायमीर, रानी की सराय एवं एक अन्य गांव में
24.09.1971 – आजमगढ़
25.09.1971 – शाहगंज
26.09.1971 – जौनपुर एवं रामपुर (मड़ियाहू)
27.09.1971 – सुल्तानपुर
28.09.1971 – मनकापुर एवं गोंडा

29.09.1971 – तरबगंज एवं अनभुला
30.09.1971 – पयागपुर एवं बलरामपुर
01.10.1971 – इकौना (बहराइच)
02.10.1971 – जूनियर हाईस्कूल, छावनी बस्ती एवं रामगढ़
03.10.1971 – बभनान एवं हरैया
04.10.1971 – पैकोलिया (बस्ती) एवं रामलीला मैदान (फैजाबाद)
05.10.1971 – लखनऊ
06.10.1971 – दिल्ली
07.10.1971 – जयपुर
8 एवं 09.10.1971 – मथुरा आश्रम
10.10.1971 – आर्यनगर (लखनऊ)
11.10.1971 – परशुरामपुर
12.10.1971 – बरईजोत
13.10.1971 – बांसी
14.10.1971 – नरायनपुर
15.10.1971 – हैंसर बाज़ार
16.10.1971 – सहजनवा एवं खलीलाबाद
17.10.1971 – सिकरीगंज एवं गोलाबाजार
18.10.1971 – घनौड़ा, गजपुर, कौड़ीराम, बालुसासन एवं मेहंदावल
19.10.1971 – रामपुर, ढाढ, गौनर सिकटहा
20.10.1971 – कुईं बाजार, राप्ती तट, गोरखपुर
21.10.1971 – परसौनी एवं देवरिया
22.10.1971 – गोलघर (गोरखपुर)
25.10.1971 – लखनऊ
26.10.1971 – सीतापुर एवं फिर लखनऊ
27.10.1971 – दिल्ली फिर वहां से मथुरा
03.11.1971 – गोरखपुर
06.11.1971 – सोनपुर
1500 मील साइकिल यात्रा, सोनपुर से दिल्ली होते हुए कानपुर
07.11.1971 – सोनपुर एवं छपरा
08.11.1971 – थावे गोपालगंज
09.11.1971 – कसया कुशीनगर

10.11.1971 – गोरखपुर
11.11.1971 – बस्ती
12.11.1971 – अयोध्या
13.11.1971 – बाराबंकी
14.11.1971 – लखनऊ
15.11.1971 – कानपुर
16.11.1971 – कन्नौज
17.11.1971 – छिबरामऊ
18.11.1971 – एटा
19.11.1971 – अलीगढ़
20.11.1971 – बुलंदशहर
21 से 24.11.1971 तक – रामलीला मैदान दिल्ली
26, 27 एवं 28.11.1971 – नया आश्रम मथुरा (भंडारा पर्व)
29.11.1971 – आगरा
30.11.1971 – शिकोहाबाद
01.12.1971 – इटावा
02.12.1971 – औरैया
03.12.1971 – फूलबाग मैदान कानपुर, काफिले का समापन
04.12.1971 – लूकरगंज इलाहाबाद
06.12.1971 – वाराणसी
07.12.1971 – आजमगढ़
08.12.1971 – गोरखपुर, देवरिया एवं सोनपुर
09.12.1971 – लखनऊ
10.12.1971 – मथुरा आश्रम
23.12.1971 – लखनऊ



युग प्रवर्तक सतयुग के निर्माता वैचारिक क्रांति के जन्मदाता परम पूज्य परम संत बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के अनमोल वचन जो कि सन् 1952 से 2012 तक फरमाए गए संदेशों की पूरी जानकारी प्राप्त करने के लिए गूगल पर लिखें www.jaigurudevsatgurudham.org और स्वामीजी महाराज से संबंधित सभी पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को निःशुल्क प्राप्त करें।

परम पूज्य बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के दिव्य आध्यात्मिक समसामयिक सत्संग संदेशों को यूट्यूब चैनल 'जयगुरुदेव आवाज़' पर सीधा प्रसारण देखें।

Our social Network Sites:-

Youtube channel:-

jaigurudev aawaz

Facebook page :- jaigurudev aawaz

Whatsapp :- 7562802022, 8840461279

Website :- www.jaigurudevsatgurudham.org

Twitter :- jaigurudev aawaz

Instagram :- jaigurudev aawaz

Telegram :- jaigurudev aawaz

Sharechat :- jaigurudev aawaz

Daily hunt news :- jaigurudev aawaz

संपर्क सूत्र :-

8840461279, 7562802022, 9259334175

आश्रम का पता :-

जयगुरुदेव आध्यात्मिक आश्रम गुरुद्वारा सतगुरु धाम,
नैमिषारण्य नया बस अड्डा के समीप,
नैमिषारण्य जिला सीतापुर, उत्तर प्रदेश (२६१४०१), भारत



जयगुरुदेव आध्यात्मिक साहित्य संस्थान
जयगुरुदेव आश्रम, सतगुरु धाम नैमिषारण्य
जिला – सीतापुर (उ0 प्र0)





ISBN: 978-9-35680-600-9
9 789356 806009

Visit & Read



www.jaigurudevsatgurudham.org